राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 221 पटना (बिहार) गुरुवार, 12 जून 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार दौरे पर मोहन भागवत, सियासी मायने हैं.

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का पटना दौरा हो रहा है. राजधानी के मरचा मरची रोड स्थित केशव सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग (प्रथम वर्ष, विशेष) में संघ प्रमुख ने हिस्सा लिया. दो दिन वहां चल रहे वर्ग का निरीक्षण करेंगे और कार्यकताओं को संबोधित किया. बिहार में फिलहाल दो कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं. 40 साल से कम उम्र के युवाओं का प्रशिक्षण शिविर पटना सिटी में चल रहा है तो 40 साल से अधिक उम्र के लोगों का प्रशिक्षण मुजफ्फरपुर में चल रहा है. इसके अलावा सीतामढ़ी में द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण चल रहा है. यूथ ब्रिगेड को किया एक्टिवेटः कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण 24 मई से चल रहा है, जोकि 13 जून को समाप्त होगा. प्रथम वर्ग प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खास नजर है. तमाम कार्यकर्ता युवा है और संघ को यूथ ब्रिगेड की आवश्यकता है. चुनाव से पहले युवाओं को प्रशिक्षित कर मैदान में उतर जाएगा. संघ प्रमुख मोहन भागवत ने युवाओं को टिप्स दिए. बिहार में कर रहे हैं कैंप कार्यकर्ताः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से वैसे तो यह कहा जाता है कि हम लोग सामाजिक कार्य कर रहे हैं लेकिन वर्तमान में देशभर के बड़े स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता पिछले कुछ दिनों से बिहार में कैंप कर रहे हैं. साफ है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए तमाम संघ के कार्यकताओं को बिहार के बैटलफील्ड में लगा दिया गया है.

हिंदुओं को एकजुट करने पर जोरः संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बौद्धिक वर्ग के दौरान तमाम कार्यकताओं से राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया. इसके साथ ही व्यक्तित्व विकास और समाज निर्माण को लेकर भी कार्यकताओं को टिप्स दिए. संगठन कैसे मजबूत हो और अधिक से अधिक लोग कैसे संघ से जुड़े, इसे लेकर भी संघ प्रमुख ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया. संघ प्रमुख ने हिंदुओं को एकजुट करने पर भी बल दिया. 2015 में संघ प्रमुख के बयान पर मचा था बवालः 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान लालू प्रसाद यादव ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के आरक्षण पर दिए गए बयान को मुद्दा बना दिया था. पूरे चुनाव के दौरान यह प्रचारित किया गया था कि अब आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा. 2015 के चुनाव में महागठबंधन को जीत हासिल हुई थी. क्या कहा था मोहन भागवत ने?ः संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था, 'आरक्षण की जरूरत और उसकी सीमा पर एक समिति बनाई जानी चाहिए. आरक्षण पर राजनीति हो रही है और इसका दुरुपयोग किया जा रहा है. इसे देखते हुए आरक्षण पर फिर से विचार करने की जरूरत है.' संघ करेगी बीजेपी को मदद?: हालांकि संघ सीधे तौर पर बीजेपी को ऐसी किसी मदद से इंकार करता है. संघ से जुड़े एक कार्यकर्ता ने बताया कि संघ के बौद्धिक वर्ग में राजनीतिक बात नहीं होती है लेकिन यह जरूर कहा जाता है कि जो लोग राष्ट्रवाद को मजबूत करने में लगे हैं, उनके पक्ष में खड़ा होना चाहिए हिंदुओं को एकजुट करने की कोशिश में जो कोई संस्था या दल लगे हैं, उनको संघ का समर्थन मिलना चाहिए.क्या कहते हैं जानकार?ः वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक अरुण पांडे का मानना है कि जिस भी राज्य में चुनाव होते हैं, वहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियां बढ़ जाती हैं.

अमित शाह का 'मंत्र' तो मिला पर 'मोर्चा' नहीं खुला, बिहार में सीट शेयरिंग पर फंसा पेंच

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होना है और इसको लेकर एनडीए में अभी तक पूरी तरह से चुनावी हलचल नहीं दिख रही है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ महीने पहले एक बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए एनडीए को राज्य की सभी 243 विधानसभा सीटें जीतने का मंत्र दिया था. हैरानी की बात यह है कि इस घोषणा के दो महीने बाद भी एनडीए का चुनावी अभियान जमीनी स्तर पर शुरू नहीं हो पाया है. सीट शेयरिंग का फॉमूर्ला तय नहींः राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि एनडीए के भीतर सीट शेयरिंग का फॉमूर्ला तय न हो पाना ही इस देरी का सबसे बड़ा कारण है. जब तक यह फामूर्ला साफ नहीं होता तब तक कोई भी दल खुलकर जमीनी स्तर पर अपना प्रचार अभियान शुरू करने की स्थिति में नहीं है. हालांकि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं. सीट शेयरिंग भरोसे का इम्तिहानः विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जैसे ही सीटों के बंटवारे पर सहमति बन जाएगी तो एनडीए की ओर से चुनावी गतिविधियां तेजी से शुरू हो जाएंगी. यह राजनीतिक गठबंधन में आपसी समझ और भरोसे का भी इम्तिहान है, क्योंकि सीट शेयरिंग का मामला अक्सर दलों की ताकत पुराने प्रदर्शन और सामाजिक समीकरणों के आधार पर जटिल हो जाता है.

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा फिलहाल विधानसभा स्तर पर एनडीए के संयुक्त कार्यक्रम को लेकर कुछ भी बोलने से मना कर रहे हैं साथ ही यह कह रहे हैं कि जब कार्यक्रम तय हो जाएगा तो आप लोगों को जानकारी दे दी जाएगी.₹- उमेश कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष जदयू अमित शाह के निर्देश के बाद भी कार्यक्रम पर ग्रहणः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 243 विधानसभा सीटों को जीतने के लिए बिहार में एनडीए के पांचों घटक दल भाजपा, जदयू, लोजपा रामविलास, हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेताओं को टिप्स दिये थे. बैठक 30 मार्च को मुख्यमंत्री आवास में हुई थी मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार भी उस बैठक में शामिल हुए थे और पांचों घटक दल के शीर्ष नेता भी मौजूद थे. अभी प्रधानमंत्री का कार्यक्रम होने वाला है 20 जून के बाद एनडीए के संयुक्त अभियान का कार्यक्रम तय होगा क्योंकि सभी दल के नेता प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हैं. -संजय गांधी, एमएलसी जदयू चुनावी रणनीति में जुटे घटक दलः लोजपा आर के प्रवक्ता प्रोफेसर विनीत सिंह का कहना है कि हम लोगों का अपना कार्यक्रम चल रहा है. अभी आरा में सम्मेलन हुआ था और 29 जून को राजगीर में सम्मेलन करने जा रहे है और जुलाई में भी कार्यक्रम होगा. वहीं उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के तरफ से भी कार्यक्रम चल रहा है. जिस दिन चिराग पासवान का आरा में कार्यक्रम था उसी दिन मुजफ्फरपुर में उपेंद्र कुशवाहा ने रैली थी. एनडीए के घटक दल अलग-अलग कार्यक्रम करने लगे हैं. एनडीए का संयुक्त अभियान बड़े जोर शोर से शुरू हुआ था. सभी 38 जिलों में कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें सभी प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए थे. मार्च के बाद से ढाई महीना हो चुका है कोई संयुक्त अभियान शुरू नहीं हुई है. इसका बड़ा कारण है कि एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर अभी तक फैसला नहीं हुआ है. सीट शेयरिंग को लेकर कोई सहमति बन जाए इसकी कोशिश हो रही है. संभवत उसके बाद फिर संयुक्त रूप से अभियान एनडीए चलाएगा.- प्रियरंजन भारती, राजनीतिक विशेषज्ञ एनडीए के लिए चुनौतीः राजनीतिक विशेषज्ञ प्रिय रंजन भारती ने कहा कि अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मधुबनी और बिक्रमगंज में बड़ी रैली की है जिसमें एनडीए के घटक दल ने भी ताकत लगाई थी. ऐसे चुनाव में तीन-चार महीना ही बचा है.

चुनाव से पहले 2014 की इस योजना को 'पुनर्जीवित' कर नीतीश ने मार दिया चौका

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः राज्य भर में भूमिहीन परिवारों को भूमि आवंटित करने के लिए सर्वेक्षण करने के एक दशक से अधिक समय बाद, बिहार सरकार ने विधानसभा चुनावों से पहले अपनी अभियान बसेरा योजना को ह्लपुनर्जीवितह्व किया है। सूत्रों के अनुसार, नए सर्वेक्षण - जिसे अभियान बसेरा-क्क नाम दिया गया है - से 1.3 लाख परिवारों को लाभ मिलने की संभावना है, जिनका सरकार ने 2014 में अभियान बसेरा-क के तहत सर्वेक्षण किया था। एक सूत्र ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य चुनाव से पहले प्रक्रिया पूरी करना है और लाभार्थी प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) या राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के तहत जमीन पर घर बना सकते हैं। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता

और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि यह नीतीश की ₹गरीबों के प्रति प्रतिबद्धता₹ के अनुरूप है। भूमि आवंटन को पूरा करने के लिए नीतीश कुमार का प्रयास ओबीसी, ईबीसी, एससी और एसटी के बड़े निर्वाचन क्षेत्रों तक पहुंचने के एनडीए के प्रयास का हिस्सा है, जो सामूहिक रूप से राज्य की आबादी का 85% हिस्सा बनाते हैं। एक सूत्र ने कहा कि 70% संभावित लाभार्थी ईबीसी और एससी समुदायों से हैं। जानकारों की रायःएक सूत्र ने माना कि चुनाव की समयसीमा को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सूत्र ने कहा कि करीब 36,000 परिवार आवंटन के लिए अयोग्य पाए गए हैं। सरकार इस डेटा की दोबारा जांच करना चाहती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले आवंटन प्रक्रिया पूरी हो जाए। पहले चरण के तहत कुल 1.3 लाख परिवारों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें से 93,000 परिवारों को पांच डिसमिल जमीन (2,178 वर्ग फीट) आवंटित की गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने 30 मई को जारी आदेश में इस मुद्दे को उठाया।

लालू यादव के बर्थडे को लेकर सवाल और कबीरदास का जन्मदिन बताने लगे पप्पू यादव

संवाददाता द्वारा

पटनाः पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने लालू यादव के जन्मदिन के मौके पूछे गए सवाल पर कबीरदास के जन्मदिन का बात करते हुए बदलाव की बात की। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव, नीतीश कुमार और बिहार की जातिवादी राजनीति पर सवाल उठाए। युवाओं से उन्होंने राजनीति में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बुधवार को कहा संत कबीरदास का भी जन्मदिन है। उन्होंने कहा, 'हां भैया, कबीर जी का जन्मदिन है।' पप्पू यादव ने कबीर को मानवता, वैचारिक क्रांति और सामाजिक बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कबीर जाति, धर्म और मजहब की सीमाओं से ऊपर थे और हमें उनके आचरण से प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही उन्होंने लालू यादव के अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना भी की। पप्पू यादव ने चुनाव के मौसम में नेताओं के दल बदलने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चुनाव के तीन-चार महीने पहले सबकी दुकानें खुल जाती हैं। उन्होंने लोगों से इन सब में न फंसने की अपील की। जीतन राम मांझी को लेकर उन्होंने कहा कि उनके पास बड़ा मंत्रालय है। उन्हें बिहार में रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। उनके पास तो मौका है। चिराग पासवान पर मांझी के बयान को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि मांझी चिराग के पिता की तरह हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हीं को करना है और जीतन राम मांझी तो पिता की तरह हैं, चिराग जी के लिए भी, मेरे लिए भी, अब बेटे की तरह जीतन राम मांझी आशीर्वाद देते ही रहे हैं।' पप्पू यादव ने कहा कि राजनीति अपनी जगह है और रिश्ते अपनी जगह। पूर्णिया सांसद @pappuyadavjapl से जब आरजेडी चीफ @laluprasadrjd के जन्मदिन के बारे में सवाल पूछा गया

बिहार में किसकी सरकार बनेगी- नीतीश या तेजस्वी? विधानसभा चुनाव से पहले आया चौंकाने वाला नया सर्वे

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक तापमान तेज हो गया है। एक ताजा ओपिनियन पोल के नतीजे ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। सर्वे के मुताबिक, एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर होगी, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, तेजस्वी यादव की अगुआई वाला आरजेडी-कांग्रेस-लेफ्ट महागठबंधन बहुमत के करीब पहुंच कर सरकार बना सकता है। पोल ट्रैकर की ओर से 15 मार्च से 5 जून के बीच कराए गए इस सर्वे में 5 लाख से ज्यादा लोगों से बातचीत की गई। इसके अनुसार, महागठबंधन को 44.2% वोट शेयर के साथ लगभग 126 सीटें मिलने की संभावना है। जबकि एनडीए के खाते में 112 सीटें जा सकती हैं।बिहार विधानसभा में बहुमत के लिए 122 सीटों की आवश्यकता होती है, लिहाजा महागठबंधन का

ओपिनियन पोल में मिला आंकड़ा सत्ता के समीकरण बदल सकता है। जिससे नीतीश कुमार की सत्ता वापसी की राह कठिन हो सकती है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को लेकर जो उम्मीदें थीं, वो इस सर्वे में फीकी पड़ती दिख रही हैं। पार्टी को महज 2.7% वोट मिलने का अनुमान जताया गया है और संभवतः सिर्फ एक सीट पर सफलता मिल सकती है। प्रशांत किशोर ने बीते साल 2 अक्टूबर को अपनी पार्टी की नींव रखी थी और सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने इसे 'बिहार में नया विकल्प' कहा था, लेकिन जनता का समर्थन उन्हें अपेक्षित स्तर पर मिलता नहीं दिख रहा है। एक नए सर्वे में बिहार के लोगों की पसंद सामने आई है। सर्वे में तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के लिए पहली पसंद बने हैं। 43% लोगों ने उन्हें पसंद किया है। नीतीश कुमार 31% लोगों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं प्रशांत किशोर को 9% लोगों ने पसंद किया है और वे तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, यह सर्वे केवल एक अनुमान है और असली तस्वीर तो अक्टूबर-नवंबर में संभावित चुनाव के नतीजों से ही सामने आएगी। अब देखना यह होगा कि क्या तेजस्वी यादव की अगुवाई में महागठबंधन सत्ता में वापसी कर पाता है या फिर नीतीश कुमार और बीजेपी का गठबंधन दोबारा सरकार बनाता है

बिहार में अपराध, बलात्कार अब कोई मुद्दा नहीं: पप्पू यादव

क्राइम संवाददाता द्वारा

पप्पू यादव ने नीतीश सरकार पर अपराध को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध, बलात्कार अब कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए सरकार और पदाधिकारियों से ज्यादा दोषी पदाधिकारी हैं। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार जी अकेले क्या करें?' उन्होंने कहा कि 'अपराधी, माफिया और जमीन-बालू-शराब माफियाओं को टिकट देते हैं, जनता उन्हें जिता देती है। मैं जनता को ही अपराध के लिए दोषी मानता हूं, जो जाति देकर वोट करती है।' तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए पप्पू यादव ने कहा कि जो लोग अपराध की बात करते हैं, उन्हें घर से निकलना चाहिए। उन्होंने अपराध के मामलों पर तेजस्वी की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि वे आरा, बक्सर, मुजफ्फरपुर और छपरा क्यों नहीं गए, जहां अपराध हुए थे।

भारतीय रेल की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिससे विद्यमान नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की वृद्धि होगी

इन पहलों से यात्रा सुविधा में सुधार होगा, लॉजिस्टिक लागत घटेगी, तेल आयात में कमी और कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में गिरावट आएगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल प्रचालन को बढ़ावा मिलेगा

शशांक चौधरी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 6,405 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं :- 1. कोडरमा-बरकाकाना दोहरीकरण (133 किलोमीटर) यह परियोजना खंड झारखंड के एक प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके अतिरिक्त, यह पटना और रांची के बीच सबसे छोटा और अधिक कुशल रेल संपर्क है। 2. बेल्लारी-चिकजाजुर दोहरीकरण (185 किलोमीटर) - परियोजना लाइन कर्नाटक के बेल्लारी और चित्रदुर्ग जिलों और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से होकर गुजरती है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल के लिए प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। इन मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्तावों से प्रचालन

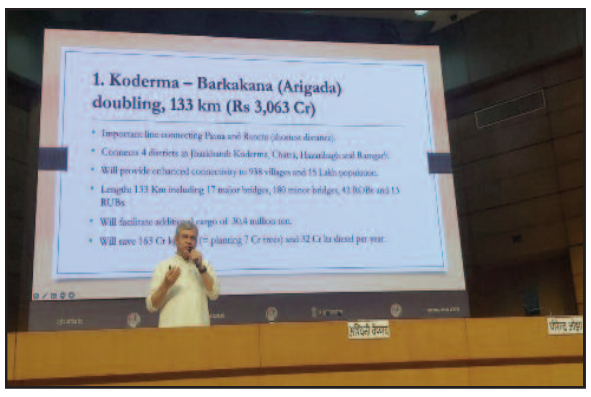

सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को ₹आत्मनिर्भर₹ बनाएगी, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और ये लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सात जिलों को शामिल करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के विद्यमान नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। अनुमोदित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 1,408 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी आबादी लगभग 28.19 लाख है। कोयला, लौह अयस्क, परिष्कृत इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए ये आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 49 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा। रेलवे पर्यावरण का अनुकूल और ऊर्जा सक्षम साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को अर्जित करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को घटाने, तेल आयात (52 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन (264 करोड़ किलोग्राम), जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है, को कम करने में मदद मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर तो जीते, आगे क्या चाहती है सेना, कौन है भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा

रजत पंडित

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और चीन की गहरी मिलीभगत सामने आई। इसलिए भारत को अपने रक्षा बजट को जीडीपी का कम से कम 2.5% तक बढ़ाने की जरूरत है। रक्षा अनुसंधान और उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर पहले से भी ज्यादा जोर देना होगा। साथ ही, मानव रहित हवाई प्रणालियों, लंबी दूरी तक इस्तेमाल किए जाने लायक हथियारों, अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और अन्य सैन्य तकनीकों में भारी निवेश करना होगा। क्योंकि, ये तकनीकें ही भविष्य के युद्ध में निर्णायक साबित होंगी। मोदी सरकार को अब दो मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना है। चीन, पाकिस्तान को भारत को दक्षिण एशिया में उलझाए रखने के लिए एक प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल करता रहना चाहता है। अंतराष्ट्रीय सीमाएं अभी तक पूरी तरह से तय नहीं हुई हैं, इसलिए ये चुनौतियां और भी बढ़ेंगी। ऐसे में चीन आने वाले वर्षों में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बना रहेगा। एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने टीओआई को बताया, 'भारत को एक महाशक्ति (चीन) से निपटना है, जो एक सैन्य प्रतिद्वंद्वी (पाकिस्तान) को सक्रिय रूप से समर्थन दे रहा है। हमें अपनी पारंपरिक और परमाणु क्षमता को मजबूत करते रहना होगा।' इसका मतलब है कि हमें अपनी सेना को और भी शक्तिशाली बनाना होगा, ताकि कोई भी देश हम पर हमला करने की हिम्मत न करे।

पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20% की कर दी बढ़ोतरी : पाकिस्तान ने 7 से 10 मई के बीच हुई लड़ाई में चीन के कई हथियारों का इस्तेमाल किया। इनमें जे-10 लड़ाकू विमान शामिल थे, जो पीएल-15 मिसाइल दाग सकते हैं। एचक्यू-9 एयर डिफेंस मिसाइल बैटरी भी इस्तेमाल की गईं। इससे पता चलता है कि चीन और पाकिस्तान के बीच कितनी गहरी साठगांठ है। स्थिति और भी खराब होने वाली है, क्योंकि पाकिस्तान चीन से कम से कम 40 जे-35अ पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ जेट और एचक्यू-19 लंबी दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम लेने वाला है। इन्हीं सब कुख्यात इरादों से पाकिस्तान ने कर्ज में डूबे होने बावजूद और आईएमएफ से बेलआउट के भरोसे अर्थव्यवस्था को छोड़कर रक्षा बजट में 20% की बढ़ोतरी कर दी है।

भारतीय सशस्त्र सेना के लिए बजट बढ़ाने की बड़ी जरूरत : यह सही है कि भारत के सामने विकास सबसे महत्वपूर्ण पहलू है; इसी वजह से अन्य अहम क्षेत्रों की भी अपनी जरूरतें हैं। लेकिन, भारत अपने रक्षा बजट को जीडीपी का सिर्फ 1.9% नहीं रहने दे सकता। इस बजट का भी ज्यादातर हिस्सा वेतन, पेंशन और संचालन में खर्च हो जाता है। इसलिए, सैन्य आधुनिकीकरण के लिए मात्र 25% ही बचता है। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'सरकार द्वारा मंजूर की गई आपातकालीन खरीद तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वागत योग्य है, लेकिन कुल बजट में तेज वृद्धि की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि हमें अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए और अधिक पैसे खर्च करने होंगे।

रक्षा उत्पादन में पूरी आत्मनिर्भरता हासिल करना जरूरी : वैसे भी रक्षा उत्पादन में वास्तविक 'आत्मनिर्भरता' हासिल करना जरूरी है। निजी क्षेत्र को इसमें बड़ी भूमिका निभानी होगी। अभी जो उपाय किए जा रहे हैं, वे आधे-अधूरे हैं। हमें युद्ध के लिए पर्याप्त भंडार और संकट की स्थिति में तेजी से उत्पादन करने की क्षमता विकसित करनी होगी। टॉप ऑफिसर ने कहा, 'रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए यह महत्वपूर्ण है। भारत को अपनी लड़ाई अकेले या ज्यादातर अपने दम पर लड़नी होगी।'इसका मतलब है कि हमें अपने हथियार खुद बनाने होंगे और किसी और पर निर्भर नहीं रहना होगा। उदाहरण के लिए, पांचवी पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट जिसे एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कहा जाता है, को तेजी से विकसित करने की जरूरत है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले महीने ही इसके प्रोटोटाइप डेवलपमेंट के लिए एक नया प्रोग्राम एग्जीक्यूशन मॉडल को मंजूरी दी है।

फाइटर जेट, ड्रोन जैसे कई हथियार भारत में ही बनाना जरूरी : चौथी पीढ़ी के तेजस विमान बनाने में बहुत समय लगा था। इसकी शुरुआत 1983 में हुई थी। हमें यह गलती दोबारा नहीं करनी है। भारतीय वायु सेना अभी भी पहले तेजस मार्क-1ए का इंतजार कर रही है, जो उससे ज्यादा बेहतर है। इसी तरह, एएमसीए को शक्ति देने के लिए 110 किलोन्यूटन इंजन का भारत में ही विकास महत्वपूर्ण है। कक्षा के पास अभी सिर्फ 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं (प्रत्येक में 16-18 जेट हैं)। जबकि 42.5 की मंजूरी दी गई है। दूसरी तरफ आजकल युद्ध में ड्रोन और स्टैंडऑफ हथियारों का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। हमें लो क्रॉस-सेक्शन लॉयटरिंग म्यूनिशंस, स्वार्म ड्रोन, फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन और अनमैन्ड कॉम्बैट एरियल व्हीकल जैसे ड्रोन भारत में ही बड़ी संख्या में बनाने होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मालूम पड़ी युद्ध के लिए नई जरूरतें: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह भी पता चला कि एक मजबूत बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली कितनी जरूरी है। भारत ने रूसी एस-400 ट्रिअम्फ सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम (380-किमी इंटरसेप्शन रेंज), बराक-8 मीडियम रेंज एसएएम सिस्टम (70-किमी, इजरायल के साथ संयुक्त रूप से विकसित), स्वदेशी आकाश सिस्टम (25-किमी) और कई शॉर्ट रेंज सिस्टम का इस्तेमाल किया। इससे पाकिस्तान द्वारा किए गए कई ड्रोन और मिसाइल हमलों को नाकाम कर दिया गया। डीआरडीओ को बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली मिसाइलों (6-किमी रेंज) और प्रोजेक्ट कुशा (350-किमी रेंज) के तहत लंबी दूरी की प्रणाली को तेजी से विकसित करना होगा। इन सबके साथ रक्षा क्षेत्र में लंबे समय से लंबित सुधारों को भी लागू करना होगा। 15 लाख सैनिकों वाली सेना में गैर-जरूरी खर्चों को कम करना होगा। लंबी खरीद प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। एकीकृत युद्ध-लड़ाई मशीनरी के लिए यूनिफाइड थिएटर कमांडस्थापित करने होंगे।

छत्तीसगढ़ के लिए राहुल गांधी का फार्मूला खुद चुनेंगे जिलाध्यक्ष, नहीं चलेगी पैरवी

ब्यूरो

रायपुर : कांग्रेस अपनी जमीन और जनाधार को मजबूत करने में जुट गई है. इसके लिए अब कांग्रेस में जिसे जो भी पद मिलेगा वह उसकी काबिलियत की बदौलत मिलेगा. किसी भी पद के लिए कोई पैरवी नहीं चलेगी. सबसे बड़ी बात कांग्रेस ने जिस प्रारूप को शुरू किया है भाजपा उसे अपना सबसे बड़ा हथियार मानती है. भाजपा संगठन और सत्ता को अलग कर अपनी रणनीति बनाती है. जबकि अब इसी नीति पर कांग्रेस पार्टी भी चलने जा रही है. संगठन और सत्ता को अलग अलग रखकर पार्टी की मजबूती को खड़ा करेगी. सबसे अहम बात यह है की पार्टी में जिला अध्यक्ष का चयन अब सीधे दिल्ली में राहुल गांधी द्वारा किया जाएगा. या यूं कहा जा सकता है कि अब हर राज्य में राहुल गांधी वाली कांग्रेस तैयार होनी शुरू हो गई है.

क्या है निर्देश: कांग्रेस जिस रणनीति पर काम करने जा रही है उसमें जिला अध्यक्षों के चयन के लिए कमेटी का गठन किया गया है. इस बाबत जानकारी देते हुए कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है. हालांकि कुछ जिला अध्यक्षों का चयन भी हो गया है. लेकिन इस बार जो प्रक्रिया बनाई गई है उसमें पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है.

क्या है योजना: कांग्रेस ने इस बार जिला अध्यक्षों के चयन के लिए जो नीति बनाई है, उसमें दिल्ली से एक ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य होंगे. इसके अलावा चार प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ पदाधिकारी होंगे. जिसमें पूर्व सांसद विधायक जैसे जन प्रतिनिधि शामिल रहेंगे. इन सभी लोगों को 5 से 7 दिनों तक जिले में प्रवास करना होगा. और वहां पर सभी ब्लॉकों में जाकर के इस बात की जानकारी लेनी होगी कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए कौन सा जिला अध्यक्ष कितना बेहतर होगा. सबसे बड़ी बात यह है कि जिला अध्यक्षों का चयन यहां से सूची बनाकर दिल्ली जाएगा लेकिन नाम के चयन का काम सीधे राहुल गांधी द्वारा किया जाएगा.

चुनाव लड़ने पे पाबंदी, सीधे राहुल गांधी को रिपोर्ट: कांग्रेस ने इस बार जो रणनीति बनाई है उसमें जिला अध्यक्षों के चयन के लिए नए नियम शामिल किए गए हैं. भाजपा की तरफ कांग्रेस इस बार पार्टी और संगठन को पूरी तरह अलग अलग रख रही है. संगठन के सभी कार्यों को जिला अध्यक्ष करेंगे. जिला अध्यक्ष चुनाव नहीं लड़ेंगे. जिन लोगों को भी जिला अध्यक्ष का पद दिया जाएगा उन लोगों से पहले ही इस बात का करार कर लिया जाएगा उन्हें चुनाव नहीं लड़ना है. साथ ही इस बात की जानकारी हमें दे दी जाएगी की उन्हें चुनाव के लिए टिकट भी नहीं मिलेगा लेकिन अगर सत्ता में पार्टी आती है तो महत्वपूर्ण पदों पर सबसे पहले समायोजन जिला अध्यक्षों का किया जाएगा.

जिला अध्यक्ष तय करेंगे सांसद विधायक : राहुल गांधी ने कांग्रेस को मजबूत करने का जो फार्मूला तैयार किया है उसके तहत वैसे लोगों के लिए माहौल अब थोड़ा जरूर बिगड़ेगा जो लोग पार्टी को सिर्फ अपने फायदे की पार्टी बना कर रख दिए हैं. जिस फार्मूले पर कांग्रेस अपनी तैयारी कर रही है अगर यह जमीनी हकीकत लिया तो निश्चित तौर पर कांग्रेस में बहुत बड़ा बदलाव कहा जा सकता है. जिस ड्राफ्ट को लेकर जिला अध्यक्षों के चयन की तैयारी की जा रही है उसमें यह साफ कर दिया गया है आने वाले समय में जिला अध्यक्ष का पद बहुत बड़ा होगा. जिला अध्यक्ष के पास विधायक और सांसद का टिकट तय करने का अधिकार होगा. जिला अध्यक्ष द्वारा ही नाम भेजे जाएंगे और यह नाम सीधे केंद्रीय नेतृत्व को जाएगा जो राहुल गांधी के नेतृत्व में काम कर रहा है. इस बात पर संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा की पार्टी अपनी मजबूती के लिए उसे रणनीति पर काम कर रही है जो सिर्फ नेतृत्व में निर्देश किया है.

गुजरात सम्मेलन का असर : 8 अप्रैल 2025 को गुजरात में साबरमती के किनारे कांग्रेस ने राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया था. जिसमें राहुल गांधी ने साफ कह दिया था कि वैसे लोग जिनका पार्टी का काम करने में लोगों के बीच जाने में दिक्कत हो रही है वह पार्टी से जा सकते हैं. राहुल गांधी संदेश पूरी पार्टी के लिए उसे समय की बहुत बड़ी नसीहत थी. अब उसके परिणाम भी दिखने लगे हैं.

न्याय पथ का नाम दिया गया : गुजरात में जो सम्मेलन हुआ था उसे न्याय पथ का नाम दिया गया था. हालांकि उसकी भी बड़ी कहानी है. 1924 में बेलगाम अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष राष्ट्रपिता महात्मा गांधी चुने गए थे. और उसके पूरे 100 साल बाद साबरमती नदी के किनारे इसका अधिवेशन हुआ था. कांग्रेस जितनी पुरानी पार्टी है उतना बड़ा ही जमीन और जन आधार कांग्रेस का रहा है. लेकिन जिस हालत में वर्तमान समय में कांग्रेस पहुंची है उसे पर अब बदलाव वाली कहानी शुरू हुई है.

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई सियासत : संगठन की मजबूती के लिए कांग्रेस जो कार्यक्रम चल रही है उसमें गुजरात में जिला अध्यक्षों के चयन का काम पूरा हो गया है. उत्तर प्रदेश हरियाणा और मध्य प्रदेश में यह कार्यक्रम चल रहा है. अब छत्तीसगढ़ की बारी है. छत्तीसगढ़ में इसे लेकर बयान बाजी का दौर शुरू हो गया. कांग्रेस ने से संगठन की मजबूती के लिए पार्टी के नेतृत्व की बात कही तो ही भाजपा ने इस पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस ने स्थानीय नेताओं की पूरी भूमिका ही खत्म कर दी.

पार्टी को मजबूत करना पहली प्राथमिकता : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग जी दाऊने कहा कि कांग्रेस में जिला अध्यक्ष के पद का चयन अब सीधे राहुल गांधी करेंगे इससे एक बार साफ है कि कांग्रेस पार्टी को अपने प्रदेश के नेताओं पर भरोसा नहीं रह गया है. कांग्रेस पार्टी के सिर्फ नेतृत्व को यह पता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता अब भरोसे के लायक नहीं रहे. और यही वजह है कि अब जिला अध्यक्ष के पद का चयन सीधे दिल्ली से किया जाएगा और वह भी राहुल गांधी करेंगे जो कांग्रेस के टूटे संगठन को बताता है.

राहुल का बड़ा दांव है : जिला अध्यक्षों की चयन को लेकर के केंद्रीय इकाई का आना बहुत बड़ी बात है. राहुल गांधी के इस निर्णय को लेकर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक दुर्गेश भटनागर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस पर चाहे जो बयान बाजी करें लेकिन एक बात साफ है कि राहुल गांधी ने इस बार पार्टी की मजबूती के लिए जी जमीनी स्तर को मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है वह निश्चित तौर पर बहुत ही साहसिक कदम है.

मतभेदों को दूर करना भी जरुरी : दुर्गेश भटनागर ने कहा कि पार्टी के भीतर कई तरह के गतिरोध हैं यह राहुल गांधी को बेहतर तरीके से पता है. जो विवाद और गतिरोध सामने आ गए उसमें अगर राज्यों के आधार पर ही बात करें तो छत्तीसगढ़ में ढाई ढाई साल के मुख्यमंत्री वाले विवाद में टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल की पूरी राजनीति ही पार्टी को कटघरे में खड़ा कर दी. 2023 के अक्टूबर महीने में होने वाले चुनाव में यह बात साफ तौर पर दिख रहा था कि कांग्रेस पार्टी काफी मजबूत है लेकिन आपसी मतभेद में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के हाथ से निकल गया.

यारों के यार... खाने के शौकीन... ऐसे हैं मस्तमौला लालू यादव, विपक्षी भी कायल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : लालू प्रसाद आज 78 साल के हो गए हैं. राष्ट्रीय जनता दल ने लालू प्रसाद के 78 वां जन्मदिन को 'सामाजिक सद्भावना दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है. एक गरीब परिवार से निकलकर न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में अपनी राजनीतिक पहचान बनाने वाले लालू प्रसाद के राजनीतिक जीवन के कई ऐसे पहलू हैं जो उनको खास बनाता है। लालू प्रसाद अपनी राजनीतिक शैली के लिए हमेशा सुर्खियों में रहे. लालू प्रसाद की राजनीतिक जीवन के कई ऐसे अंश हुए पहलू हैं जो उन्हें आम से खास बनाता है. लालू प्रसाद के राजनीतिक जीवन को लेकर ईटीवी भारत ने बिहार की राजनीति के वरिष्ठ नेताओं में से एक और लालू प्रसाद के छात्र जीवन से सहयोगी रहे वशिष्ठ नारायण सिंह से खास बातचीत की. वशिष्ठ नारायण सिंह ने कई ऐसी जानकारी साझा की जो अभी तक लालू प्रसाद के राजनीतिक जीवन के अनछुए पहलू हैं.

वशिष्ठ नारायण सिंह :'छात्र जीवन से ही लोकप्रिय' : जदयू के पूर्व राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि लालू यादव जेपी आंदोलन के अग्रणी नेताओं में रहे. छात्रों की समस्या को लेकर उन्होंने राजनीतिक संघर्ष शुरू किया. उनके इसी संघर्ष को देखते हुए जेपी ने उन्हें संचालन समिति का वरिष्ठ सदस्य बनाया. 1977 से लेकर 1995 तक लालू प्रसाद ने बिहार का नेतृत्व किया। लालू यादव के बोलने की भाषा ग्रामीण परिवेश से निकलने वाले आम लोगों की भाषा का परिचायक बना. अपने सामाजिक जीवन में उन्होंने सबों के साथ अच्छा संबंध बना कर रखा. मैं उनके स्वस्थ रहने की कामना करता हूं।

सहयोगियों के साथ अच्छा संबंध : वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि जब लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री बने तो उनके मंत्रिमंडल में मैं भी मंत्री बना. मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ कैसे बेहतर तालमेल बनाया जाए यह कोई लालू प्रसाद से सीखे. सरकार को चलाने के लिए अपने सभी मंत्रियों के साथ विचार करते थे. साथ बैठकर खाना खाना यह उनकी पुरानी आदत थी.

बिना पैसे दिए नाश्ता : वशिष्ठ नारायण सिंह ने लालू प्रसाद से जुड़ी हुई एक रोचक जानकारी साझा की. उन्होंने घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आरा में एक कार्यक्रम तय हुआ था. आरा जाने के क्रम में लालू प्रसाद ने पूछा कि वहां पर कुछ खाने पीने की व्यवस्था हुई है या नहीं. तो उन्होंने बताया कि 1 बजे का कार्यक्रम है इसीलिए खाने पीने की व्यवस्था नहीं रखी गई है. लालू प्रसाद ने बताया कि तो ठीक है रास्ते में ही कुछ खा लिया जाए। मनेर के रास्ते में लालू प्रसाद अपना काफिला रोककर एक होटल में पहुंचे. मैं भी उनके साथ था. होटल में हम लोगों के सामने मिठाई और समोसा खाने के लिए लाया गया. जैसे ही नाश्ता आया लालू प्रसाद ने होटल मालिक के सामने ही कहा कि वशिष्ठ भाई इनके होटल में कई बार नाश्ता किए हैं, ई आदमी कभी हमसे पैसा नहीं लेता है। होटल मालिक भी बोला कि आप कोई रोज थोड़े आते हैं. नाश्ता कर जब बिना पैसा दिए गाड़ी में जब हम लोग बैठे तो मैंने लालू यादव से कहा कि तुम तो हद कर दिए, पैसा क्यों नहीं दिए? लालू यादव ने कहा कि वशिष्ठ भाई इसीलिए तो पहले कह दिए थे कि आदमी हमसे पैसा नहीं लेता है पैसा नहीं ना देना पड़ा... और फिर वह हंसने लगे.

'दोस्ती निभाने की कला' : वशिष्ठ नारायण सिंह ने लालू प्रसाद के बारे में कहा कि बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव वैसे नेता हैं जो दोस्ती निभाना जानते हैं. लालू प्रसाद की सरकार से 1994 उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया. उनको इस बात की जानकारी हो गई थी कि वशिष्ठ नारायण सिंह मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले हैं तो उन्होंने कई बार उनसे आग्रह किया कि वह इस्तीफा नहीं दें. बाद में जब उन्होंने इस्तीफा दे दिया तब उन्होंने उनसे आग्रह किया कि मंत्रिमंडल से तो अपने इस्तीफा दे दिया मेरा आग्रह है कि आप पार्टी नहीं छोड़े। बिहार की राजनीति में लालू यादव ऐसे नेता बने जो लोगों के आम बोलचाल की भाषा में उनके साथ संवाद करते थे. यही कारण है कि उनके भाषण का असर गांव और कई लोगों को ज्यादा पसंद आता था।

कप प्लेट निशान का प्रचार : राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने लालू यादव के भाषण कला को लेकर बताया कि उनके जैसा भाषण देने वाला और लोगों से संपर्क स्थापित करने वाला राजनेता अब दोबारा बिरले ही पैदा होंगे. शिवानंद तिवारी ने बताया था कि जब जनता दल में टूट हुई थी और लालू प्रसाद के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल बना था, कुछ समय के लिए पार्टी का चुनाव चिह्न कप प्लेट मिला था।इसी बीच बिहार विधानसभा उपचुनाव की घोषणा हुई. पार्टी की तरफ से रामकृपाल यादव को उम्मीदवार बनाया गया. लालू प्रसाद का फोन आया कि बाबा रामकृपाल के चुनाव प्रचार में साथ चलना है. मैं इस बात को लेकर परेशान था कि नया चुनाव चिह्न मिला है और भाषण देना है तो लोगों को कैसे समझाऊंगा. सभा स्थल पर पहुंचा तो लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई थी. रामकृपाल यादव के पक्ष में मैंने भाषण दिया। जब लालू प्रसाद बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों और मजदूरों के लिए जमींदारों और सामंती लोगों के घर में चाय के लिए टूटी-फूटी या जिसका उपयोग नहीं होता है वैसे कप में उनको चाय दिया जाता है. लेकिन जब लालू प्रसाद का शासन आया तो आप अब उन्हीं सामंती सोच के लोगों के सामने कब और प्लेट में चाय बैठकर पीते हैं तो इसका विरोध करने वाला कोई नहीं है."लालू प्रसाद सहज रूप से कप और प्लेट चुनाव चिन्ह को आम लोगों तक कैसे पहुंचा दिया यह मैंने भी नहीं सोचा था. लालू प्रसाद के इतना बोलते ही भाषण सुन रहे लोग ताली बजाने लगे. तो ऐसे लालू प्रसाद यादव अपने समस्त लोगों के साथ सहज रूप से कनेक्ट होते थे।

लालू प्रसाद की जीवनी : लालू प्रसाद यादव का जन्म 11 जून 1948 को बिहार के गोपालगंज जिले के फुलवरिया गांव में एक मध्यमवर्गीय यादव परिवार में हुआ था. उनके पिता का नाम कुंदन राय और माता का नाम मरछिया देवी था. लालू प्रसाद ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल से पूरी की और बाद में पटना विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक किया।

लालू प्रसाद का राजनीतिक सफर : लालू प्रसाद ने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी थी. वे 1974 के जेपी आंदोलन में शामिल हुए, जिसने उन्हें एक जुझारू नेता के रूप में स्थापित किया.1977 में वे पहली बार लोकसभा के सदस्य चुने गए।

इंसान से ज्यादा अक्लमंद होंगी मशीनें तो क्या होगा, सिर्फ 5 साल में सब होगा संभव

आनंद प्रधान

दुनिया एक और बड़ी तकनीकी छलांग के कगार पर है। जहां अभी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (अक) खासकर जेनरेटिव अक के प्रदर्शन और प्रभाव को हैरत से देखा जा रहा है, वहीं टेक कंपनियां उससे आगे आर्टिफिशल जनरल इंटेलिजेंस (ॲक) या आर्टिफिशल सुपरइंटेलिजेंस (अरक) की दौड़ में जुटी हुई हैं। ॲकका अर्थ है कि जब मशीन एक मनुष्य की तरह बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए वे सभी बौद्धिक काम करने लगेगी, जिसमें सिर्फ मनुष्य सक्षम है। सुपरइंटेलिजेंस में मशीन बौद्धिक रूप से मनुष्य से भी ज्यादा सक्षम हो जाएगी।

अकपर दावे : यह परिदृश्य काल्पनिक लगता है, लेकिन अकके क्षेत्र में काम कर रही बड़ी टेक कंपनियों का दावा है कि अगले पांच वर्षों में यह संभव है। हालांकि ॲकया अरककी कल्पना अभी सैद्धांतिक स्तर पर ही है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इन दावों को 'सांडे का तेल' (स्नेक ऑयल) मानते हैं। लेकिन इन दिनों जिस तरह से बड़ी टेक/अक कंपनियां कंप्यूटर की प्रॉसेसिंग क्षमता, कंप्यूट स्केलिंग की गति, अकएजेंटों में सफल क्षमताओं और पुनरावर्ती आत्म-सुधार के साथ उनकी ट्रेनिंग पर अरबों डॉलर बहा रही हैं, उसे देखते हुए इन दावों को सिर्फ कल्पना की उड़ान मानना भूल होगी।

ॲककुछ साल दूर : इस सिलसिले में अक फ्यूचर्स प्रॉजेक्ट की ओर से जारी 'अक 2027' रिपोर्ट मानती है कि ॲककुछ साल दूर है। शायद 2027 तक यह वास्तविकता हो। रिपोर्ट डस्त्रीज्ञअक में काम कर चुके डैनियल कोकोतेलो और उनके चार अन्य साथियों ने मिलकर लिखी है। यह दावा करती है कि इस सुपर मानवीय अक का दुनिया पर अगले एक दशक में जबरदस्त प्रभाव पड़ने वाला है।

खुद से बेहतर एजेंट : रिपोर्ट के मुताबिक बहुत आगे के अकएजेंट-1 और एजेंट-2 सिस्टम अभूतपूर्व कम्प्यूटेशनल निवेश और सिंथेटिक डेटा के जरिए जल्दी ही अक विकास को ऐसी गति देंगे कि वह प्रभावी रूप से एक खुफिया विस्फोट की शुरुआत की तरह होगा। उदाहरण के लिए, एजेंट-2, एल्गोरिदमिक प्रगति को तिगुना कर सकता है। यह बिना मानवीय हस्तक्षेप के खुद एक विशेषज्ञ अकशोधकर्ता की तरह काम कर सकता है और अपने से बेहतर एजेंट तैयार करने में अगुआ भूमिका निभा सकता है।

मशीन सुझाएगी रणनीति : वह अगले कुछ महीनों और सालों में अपने से बेहतर और काफी हद तक स्वायत्त और स्वचालित एजेंट-3, फिर एजेंट-3 कुछ महीनों के अंतराल पर और अधिक ताकतवर एजेंट-4 और 2028 आते-आते एजेंट-4 सुपर-इंटेलिजेंट एजेंट-5 पैदा कर देगा। एजेंट-5 अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ जीनियसों से भी तेज होगा। वह अमेरिकी सरकार में वरिष्ठ अधिकारियों, सिनेटरों और मंत्रियों का सबसे सक्षम पीए और सलाहकार होगा, जो उन्हें जटिल मुद्दों पर भी सलाह देने में सक्षम होगा।

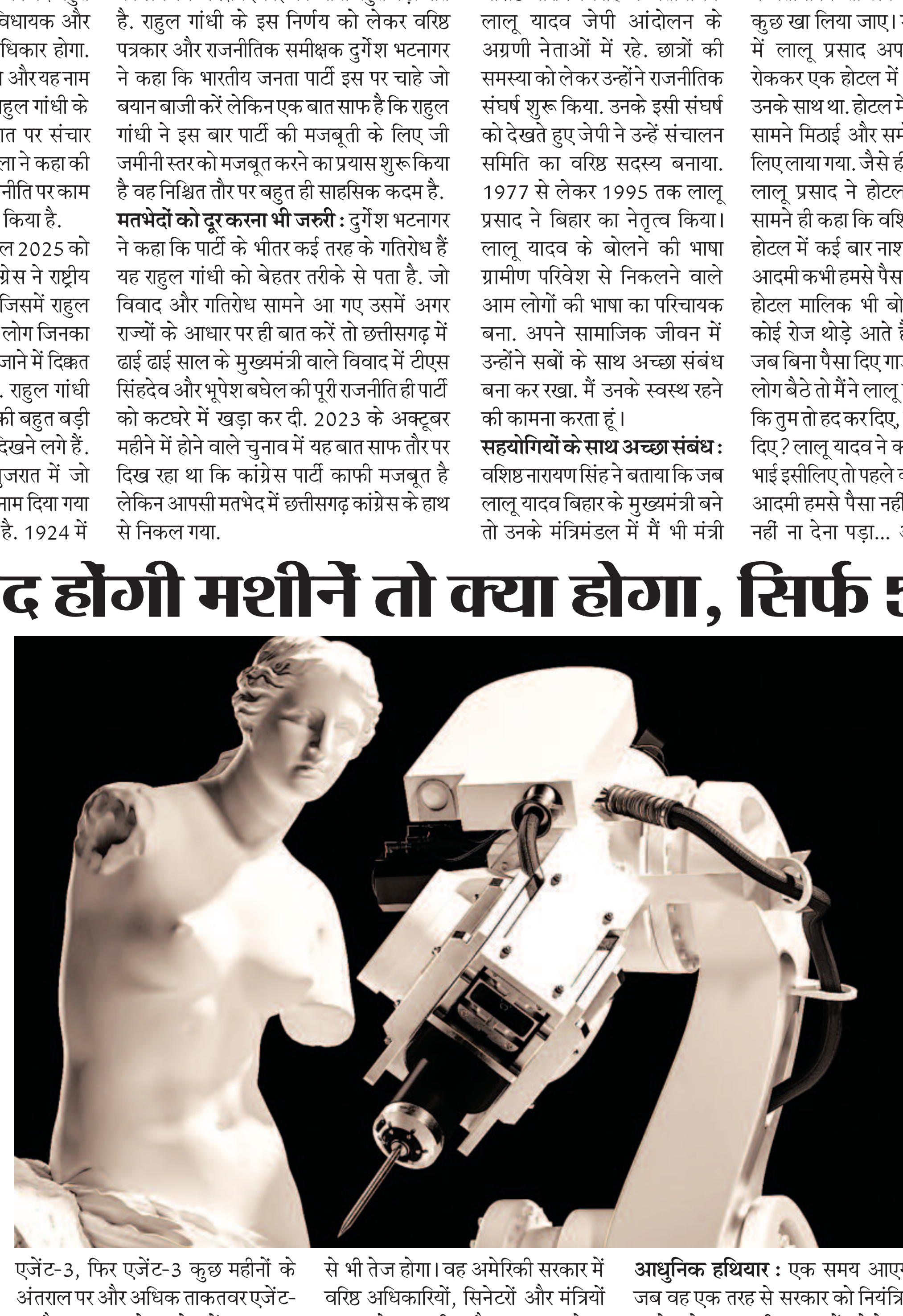

आधुनिक हथियार : एक समय आएगा जब वह एक तरह से सरकार को नियंत्रित करने लगेगा। उसकी क्षमताओं को देखते हुए उसे सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स सौंप दिया जाएगा। आधुनिक हथियारों के निर्माण (जैसे समुद्र के अंदर मार करने वाले ड्रोन, आत्मघाती और स्वचालित छोटे ड्रोन, पक्षियों और कीड़े-मकोड़ों के आकार वाले ड्रोन आदि), सैन्य इंटेलिजेंस के विश्लेषण, स्वचालित कमांड और कंट्रोल और दुश्मन देश में जासूसी, वहां मुखबिर बनाने और हैकिंग जैसे काम उसके पास आ जाएंगे।

रोबॉट इकॉनमी : दूसरी ओर, ज्यादातर काम रोबॉट्स के पास चला जाएगा। यह रोबॉट अर्थव्यवस्था होगी, जिसमें फैक्ट्रियों से लेकर कृषि और सेवा क्षेत्र में सारा काम एजेंट-5 से स्वचालित रोबॉट कर रहे होंगे। अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार बूम पर होंगे। ज्यादातर लोगों के पास रोजगार नहीं होगा। लेकिन उन्हें पर्याप्त यूनिवर्सल बेसिक इनकम मिल रही होगी। इसलिए कोई खास विरोध नहीं होगा।

इंसानों से टकराव : लेकिन जब कमांड उसके हाथ में आ जाएगी तो रोबॉट धीरे-धीरे खेतों, समुद्रों, पहाड़ों से लेकर फैक्ट्रियों और स्पेशल इकॉनमिक जोन्स (एऐ) से निकलकर मनुष्यों की बस्तियों में फैलने लगेंगे। फिर 2030 के मध्य तक एक समय ऐसा आएगा, जब उन रोबॉट्स को लगेगा कि मनुष्य उनके फैलाव में बाधा बन रहे हैं तो वे तेजी से फैलने वाले कोई आधा दर्जन जैव हथियार विकसित करके इंसानों की बस्तियों में छोड़ देंगे, जिससे कुछ ही घंटों में धरती से इंसानी आबादी खत्म हो जाएगी।

दोधारी तलवार : यह कोई विज्ञान कथा नहीं है बल्कि अक/टेक उद्योग के मुनाफे की भूख और प्रतियोगिता में आगे रहने की होड़, भू-राजनीति के दांवपेचों और अकविकास पर प्रभावी नियमन और शासन के अभाव से आकार लेने वाली एक वास्तविकता है। सुपरइंटेलिजेंट अकएक दोधारी तलवार है। सुपरइंटेलिजेंट अक के उत्पादकता लाभ बहुत हैं लेकिन संक्रमण काल झटकों से भरा और अव्यवस्थित होगा। इसमें कमजोर डिजिटल बुनियादी ढांचे या शिक्षा प्रणाली वाले देशों के पीछे छूट जाने का जोखिम है।

क्या हों उपाय : इसलिए रिपोर्ट अक को सुरक्षित बनाने और मानवीय नियंत्रण में रखने के लिए वैश्विक पहल और उपाय के सुझाव देती है। जैसे, अकहथियारों की दौड़ से निपटने के लिए परमाणु निरस्त्रीकरण की तरह के बहुपक्षीय प्रयास। बड़ी टेक/अक कंपनियों को 'अकदौड़ में पीछे छूट जाने' का डर दिखाकर मनमानी की खुली छूट देने के बजाय उन पर कड़े नियमन और निगरानी की जरूरत है। सवाल यह है कि इन खतरों को क्या दुनिया मूकदर्शक की तरह देखती रहेगी या इसे अपने नियंत्रण में लेगी।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, सड़क दुर्घटना में घायल युवक की रिम्स में मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - 2 जून को मांडर शिवमंदिर के निकट सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुटार निवासी मनोहर साहू उर्फ भगत साहू की मंगलवार को रिम्स में इलाज के क्रम में मौत हो गयी. इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब दो हो गयी है. मालूम है कि 2 जून को खूंटी से बारात से लौटने के क्रम में एक बोलेरो मांडर में शिव मंदिर के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त गयी थी. जिससे बोलेरो पर सवार हुटार गांव के बलवंत साहू की मौके पर ही मौत हो गयी थी. और मनोहर साहू उर्फ भगत सहित छह अन्य घायल हो गये थे. मनोहर साहू को गंभीर हालत में रिम्स में भर्ती किया गया था. जहां आठ दिन बाद इलाज के क्रम में मंगलवार की सुबह को उसने दम तोड़ दिया!

पानी में डूबने से एक 8 वर्षीय बच्चे की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - कैम्बो गांव के निकट मंगलवार को कोयल नदी के गड्ढे के पानी में डूबने से एक 8 वर्षीय बच्चे सुजीत कच्छप की मौत हो गयी. बताया जा रहा है कि कैम्बो गांव निवासी मंगरा उर्फ नवीन कच्छप का पुत्र सुजीत कच्छप दोपहर में नदी में सिंचाई के लिए जेसीबी से खोदे गये गड्ढे के पानी मे नहाने गया था. इसी क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और उसमें डूबने से उसकी मौत हो गयी. शाम करीब पांच बजे किसी ने गड्ढे के निकट उसका कपड़ा देख पानी में घुसकर तलाशी ली और अंदर डूबे सुजीत कच्छप के शव को गड्ढे से बाहर निकाला!

डीसी ने ड्रेगन फ्रूट की खेती का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार के द्वारा पाकुड़ प्रखंड के झिकरहटी, केकेडीएम उच्च विद्यालय के पूर्व प्रधानध्यापक दिलीप घोष एवं किसान मनारुल हक द्वारा विद्यालय के बंजर भूमि पर किए गए ड्रैगन फ्रूट खेती का निरीक्षण किया। उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने पूर्व प्रधानध्यापक दिलीप घोष एवं किसान मनारुल हक के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर के आसपास बंजर जमीन को मॉडल फार्मर के रूप में उस जमीन को स्थापित किया है। ड्रैगन फ्रूट की खेती पाकुड़ जिले में पहली बार किया गया है। साथ ही जिला के अन्य किसान भी यहां का विजिट जरूर करें। उपायुक्त ने कहा कि यहां पर मक्का का पौधा एवं अमरूद एवं आदि का पौधा लगा हुआ है, जिसका बाजार में काफी डिमांड है। उन्होंने कहा कि डायरेक्टली मार्केट लिकेज कर इनको सही दाम कैसे मिले इसपर कार्य किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट के गुणकारी लाभों के चलते बाजार में इसकी मांग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।इसके अलावा उपायुक्त ने झिकरहटी स्थित केकेडीएम उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों के द्वारा अतिरिक्त कक्षाओं के लिए भवन एवं पानी की समस्या को लेकर डीप बोरिंग की मांग की गई। उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही यहां पर अतिरिक्त कक्षाओं के लिए भवन एवं डीप बोरिंग किया जाएगा।

राजद कार्यकताओं ने लालू यादव का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल की जिले के सोनाजोड़ी पंचायत के शमसेरा गांव में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजद के लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन झारखंड सरकार के श्रम नियोजन कौशल एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव के निदेर्शानुसार धूमधाम से मनाया गया जन्मदिन के उपलक्ष पर दर्जनों ग्रामीण के बीच लड्डू एवं मिठाइयां बांटी गई वहीं गरीब, दलित, बच्चों को मिठाइयां तथा चॉकलेट बांटी गई इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिंह,जिला सचिव तथा राजद के जिला उपाध्यक्ष अमन कुमार सिंह कार्यक्रम में जोर-जोर से हिस्सा लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का ग्रामीणों के साथ धूमधाम से जन्मदिन मनाई गई उपस्थित राजद के जिला सचिव रंजित कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जब मुख्यमंत्री थे उन्होंने पाकुड़ जिला को जिला बनवाया एवं राजद के मंत्री रमई राम ने पाकुड़ पेट्रोल पंप के पास बाबा साहेब अंबेडकर का प्रतिमा को भी लगवाए जो अंबेडकर चौक के नाम पर आज भी जाने जाते हैं महेशपुर एवं बलियाडांगा के बीच में केराछेतर मैं सिंचाई मंत्री राजद कोटा का मंगनी लाल मंडल ने उसे लगवाया, जहां आज भी बाजार लगती है गरीबों मजदूरों वंचित अल्पसंख्यक दलित के हक के लिए हमेशा लालू प्रसाद यादव तत्पर रहते थे आवाज उठाते रहते थे उन्हीं की देन है की आज गरीब ,मजदूर ,आदिवासी ,दलित अपने हक और अधिकार को पहचाने हैं सभी ग्रामीणों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को जन्मदिन पर आशीर्वाद दी है की हमेशा इसी तरह गरीबों की लड़ाई करते रहे और जीवित रहे ।

कोडरमा स्टेशन रोड पर लूटकांड का खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

स्टेशन रोड स्थित पूजा भंडार के पास छात्रों से हुई लूट की घटना का तिलैया पुलिस ने खुलासा कर लिया है। रांची कॉलेज में नामांकन के लिए जा रहे दो छात्रों से 10,000 रुपये और मोबाइल की लूट के मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में प्रिंस सिंह उर्फ गोलु, मिथुन कुमार और पुष्पेश कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 7 मोबाइल फोन और 5030 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपियों ने एक आइसक्रीम विक्रेता से भी लूट की बात स्वीकार की है। मामले में तिलैया थाना द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आरोपित अभियुक्त सुराज उरांव को झारखंड उच्च न्यायालय से सशर्त जमानत

रांची-

मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज अधिनियम, 1985 (NDPS Act) के तहत आरोपित अभियुक्त सुराज उरांव को सशर्त नियमित जमानत प्रदान की है। यह आदेश न्यायमूर्ति दीपक रोशन की एकलपीठ द्वारा पारित किया गया। मामला बेल आवेदन संख्या 4527/2025 से संबंधित है, जिसकी सुनवाई न्यायालय द्वारा हाइब्रिड मोड के माध्यम से की गई । उल्लेखनीय है कि सुराज उरांव, जो रांची जिले के बुंडू अंतर्गत मंजही टोली का निवासी है, के विरुद्ध नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा एनसीबी केस संख्या 08/2024, जो NDPS केस संख्या 127/2024 के रूप में पंजीकृत है, के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियुक्त के ऊपर NDPS अधिनियम की धारा 8(सी) के साथ धारा 15(सी), 25 और 29 के तहत गंभीर आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष का यह आरोप था कि अभियुक्त मादक द्रव्यों से संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त था। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने अदालत के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया कि उनके मुवक्किल को निराधार रूप से फंसाया गया है और उसके पास से किसी प्रकार का मादक पदार्थ जब्त नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अभियुक्त का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह चार फरवरी 2025 से न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने यह अपील की कि इतने लंबे समय से हिरासत में रहते हुए अभियुक्त को जमानत न मिलना

उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक अभय कुमार तिवारी तथा केंद्र सरकार की ओर से सहायक सॉलिसिटर जनरल अनिल कुमार (जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे) ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मामला गम्भीर प्रकृति का है और अभियुक्त को रिहा किया जाना न्याय की दृष्टि से अनुचित होगा। दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के उपरांत न्यायालय ने यह मत प्रकट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में अभियुक्त को जमानत पर रिहा किया जाना उपयुक्त होगा। न्यायालय ने यह निर्देश दिया कि अभियुक्त को 20,000 की राशि के निजी मुचलके एवं समान राशि के दो जमानतदारों के साथ रिहा किया जाए, बशर्ते कि यह सब विशेष न्यायाधीश (NDPS), रांची की संतुष्टि के अधीन हो। इसके अतिरिक्त, अदालत ने अभियुक्त पर कुछ सशर्त दायित्व भी आरोपित किए। इनमें यह आवश्यक किया गया कि परीक्षण शुरू होने तक वह हर महीने अपने स्थानीय थाना में उपस्थिति देगा, और परीक्षण आरंभ होने के पश्चात प्रत्येक तिथि पर अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अभियुक्त को न तो किसी भी गवाह को प्रभावित करने की अनुमति होगी और न ही उसे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने की छूट दी जाएगी। यदि अभियुक्त के आचरण के संबंध में कोई प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होती है, तो ट्रायल कोर्ट को यह अधिकार होगा कि वह जमानत को रद्द कर सके। इस आदेश के माध्यम से झारखंड उच्च न्यायालय ने यह पुनः रेखांकित किया कि आपराधिक न्याय प्रणाली में संतुलन, निष्पक्षता और प्रक्रिया का पालन ही वह स्तंभ हैं, जिन पर कानून का शासन आधारित है। आरोप की गंभीरता अपनी जगह है, परंतु जब तक दोष सिद्ध न हो, तब तक हर अभियुक्त को निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत अधिकारों की पूर्ण रक्षा मिलनी चाहिए यही किसी सभ्य न्याय व्यवस्था का आधार है।

डीसी ने बाल आश्रय गृह के बच्चों के साथ किया संवाद

डीसी ने आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने बाल देखभाल संस्थान के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ संवाद किया। इस दौरान उपायुक्त ने बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी दिनचर्या, आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने बच्चों से आश्रय में दी जारी सुविधाओं के बारे में भी फीडबैक ली। इस दौरान अभिभावकों ने बारी-बारी से बच्चों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उपायुक्त ने बच्चों को दी जा रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया और उनके कल्याण के लिए काम जारी रखने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित अभिभावकों से भी बच्चों के अंदर विश्वास पैदा करने

तथा अपनी क्षमता अनुसार उनके जीवन के विकास में योगदान करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों की समय- समय पर काउंसलिंग की जाए और बच्चों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए।यह बच्चे भविष्य में अपने पैरों पर खड़े हों, इस दिशा में इनकी शिक्षा पर विशेष फोकस किया जाए और साथ ही इनके अंदर स्किल को भी बढ़ावा दिया जाए। नियमित रूप से दिए जाने वाले भोजन के अलावा पौष्टिक आहार से भरपूर खाना भी दिया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत समय- समय पर बच्चों का रुटीन चैकअप किया जाए। साथ ही उपायुक्त ने बाल देखभाल संस्थान में उपलब्ध संसाधन एवं उपलब्ध कराए जाने वाले विभिन्न संसाधन / सुविधाओं के संबंध में आश्रय गृह के संचालक से जानकारी प्राप्त किया एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। संवाद कार्यक्रम के तहत बाल आश्रय गृह के परिसर में उपायुक्त एवं विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों के द्वारा पौधारोपण किया गया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पाकुड़, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पाकुड़, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी पदाधिकारी, बाल देखभाल संस्थान के संचालक, अधीक्षक समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

पाकुड़ की अंजना ने ससुराल वालों के खिलाफ थाने में दर्ज कराया मामला, मारपीट सहित पति की हत्या की आशंका

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिले अमड़ापाड़ा की निवाशी अंजना ने अमड़ापाड़ा थाने में अपने ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। अंजना के मुताबिक ससुराल वालों के द्वारा लगातार पड़ताड़ित किया जाता है। कुछ दिन पूर्व संदेहास्पद स्थिति में पति की मौत हो गई थी। मौत के बाद अंजना को इसकी जानकारी ससुरालो ने नहीं दिया बल्कि आस पास के कुछ लोगों ने दूरभाष के माध्यम से बताया की उनके पति की मौत हो गई है। जानकारी के बाद अंजना जब ससुराल पहुंची तो उनके साथ ससुराल वालों ने मारपीट किया। इसके बाद श्राद्ध कार्यक्रम में भी अंजना पहुंची तो पीड़िता व उसके भाई सहित अन्य सदस्यों के साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने बताया की ससुराल वालों

के द्वारा घर में भी घुसने नहीं दिया जा रहा है। मेरे पति बड़े व्यापारी थे जिनकी संपति हासिल करने के लिए ससुराल वालों ने साजिश रच रहा है। महिला ने अमड़ापाड़ा थाना में 7 जून को ससुराल के 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दर्ज फायर में पीड़िता ने मारपीट सहित पति की हत्या का आशंका जाहिर की है। और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला ने महिला आयोग के सदस्य से मिलकर अपनी आपबीती भी सुनाई है। पीड़िता ने राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। वही महिला आयोग की सदस्य ने पीड़िता को न्याय दिलाने के साथ ससुराल वालों पर विधिसम्मत करवाई का आश्वासन दिया है।

हर पूर्णिमा की परंपरा निभी, संकट मोचन धाम में हुआ महाआरती और भजन संध्या का आयोजन

पाथरोल, करों, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

सिद्ध पीठ पाथरोल स्थित कालीधाम के संकट मोचन धाम में सोमवार देर शाम ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य भजन-कीर्तन, हनुमान जी की महाआरती एवं खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। बताया गया कि वर्ष 2002 से ही प्रत्येक पूर्णिमा को संकट मोचन धाम में भक्तों के सहयोग से नियमित रूप से महाआरती, भजन-कीर्तन तथा खिचड़ी प्रसाद वितरण की परंपरा चली आ रही है। इसी कड़ी में इस बार भी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस

में सराबोर होते रहे। भजन संध्या में लालटू पाल, परशुराम गोस्वामी, रामजी रवानी, मृणाल सिंह, उपेंद्र रवानी, गोपाल यादव एवं कुमार जितेंद्र ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी पंडित गौतम पाठक द्वारा हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। वाद्य यंत्रों पर गंभीर कुमार (नाल), सुरेन दास तथा दिनेश दास (बैंजो) सहित अन्य कलाकारों ने भजन गायकों का सुंदर संगत किया। मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने जानकारी दी कि संकट मोचन धाम में हर पूर्णिमा को स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के सहयोग से यह आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी स्वेच्छा से भाग लेते हैं। कार्यक्रम की सफलता में मंदिर कमेटी के माधो मंडल, उपेंद्र रवानी, सुरेंद्र दास, पंचू शर्मा, अजय रवानी, अभय बच्चु मिश्रा, कारू रवानी, राजकिशोर, गुणधार मंडल, सरवन यादव, महेंद्र विश्वकर्मा, कामदेव रवानी, जग्गू रवानी, जटाशंकर राउत, सुशील सिंह, कामदेव महतो, गुड़ा पंडित, वरुण बावरी, बलदेव रवानी, रवि रवानी, राजेश रवानी, मनोज यादव, हीरो यादव सहित समस्त ग्रामवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देवीपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी असहाय की बेटी की शादी में दिखाया दरियादिली, किया आर्थिक सहयोग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दरंगा के बेरमुका ग्राम के निवासी असहाय सकीना बीबी पति स्व. अब्दुल मन्नान के बेटी की शादी के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला ने दरियादिली दिखाये हैं। उनके द्वारा बुधवार देर शाम को सकीना बीबी के घर पहुंच कर उन्हें आर्थिक सहयोग के रूप में नगद दस हजार रुपए तथा शादी में खान पान हेतु राशन सामग्री व नए जरूरी वस्त्र सम्मान पूर्वक भेंट की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला के द्वारा लड़की को शादी हेतु कपड़ा भी स्वयं बाजार जाकर खरीद कर दिया। मौके पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप मंडल, राजद के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र कुशवाहा, शाहबानो खातून, लेखापाल विवेक कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रोहित कुमार, कनीय अभियंता निलेश कुमार, जन सेवक सौरभ कुमार व अन्य प्रखंड कर्मी, ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

विनोद सिंह राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के प्रदेश महासचिव बने और शेष नारायण सिंह प्रदेश सचिव

जानबूझकर अंधाधुंध संतानोत्पत्ति की प्रवृति पर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर अंकुश लगाने की आवश्यकता है - कौशल किशोर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बाबा नगरी देवघर में सम्पन्न हुआ। बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। केन्द्रीय पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद सर्वसम्मति से प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाण्डेय ने किया। जिसमें धनबाद के विनोद कुमार सिंह को प्रदेश महासचिव, मैथन के शेष नारायण सिंह को प्रदेश सचिव, धनबाद के दीपक सिंह को प्रदेश सह संयोजक और रोहित महतो को धनबाद जिला का जिलाध्यक्ष बनाया गया। जिन्हें अंगवस्त्र ओढ़कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत भारतमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी ने नव चयनित पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हिन्दू समाज जातियों में बंटकर कमजोर हो रहा है। हमारी जनसंख्या दिन ब दिन कम हो रही है, जो चिंता की विषय है। कहा कि आने वाले समय में इसका भयानक परिणाम हो सकता है। हम सभी हिंदू भाईयों को एक होना होगा, तभी हम अपने संस्कृति व धर्म की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने जात-पात की करो विदाई, हिन्दू हिन्दू भाई भाई के तर्ज पर सभी हिन्दू

भाईयों को एक होकर आगे आने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर राय ने संगठन के उदेश्यों पर प्रकाश डाला और जनसंख्या विस्फोट एवं जनसंख्यिकीय असंतुलन जैसी समस्या से उत्पन्न हो रहे सम्भावित खतरों से अवगत कराया। श्री राय ने कहा कि एक वर्ग विशेष द्वारा एक रणनीति के तहत जानबूझकर अंधाधुंध संतानोत्पत्ति की प्रवृत्ति पर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर अंकुश लगाने की आवश्यकता है, नहीं तो यह भारतीय संस्कृति के लिए विघटनकारी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक रणनीति के तहत जानबूझकर बढ़ाई जा रही जनसंख्या और हिंदू समाज की युवा पीढ़ी में एक बच्चे तक सीमित रहने के बढ़ती प्रवृत्ति के कारण आज देश के अनेक भागों में जनसंख्या का संतुलन उस वर्ग विशेष के पक्ष में झूकता दिख रहा है, जो आने वाले दिनों में देश के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महासचिव विनोद सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश सचिव शेष नारायण सिंह ने की।

सीओ के नेतृत्व में हाजीपुर राज गांव में अतिक्रमण मुक्त करवाया गया

मंडरो:

सदर सीओ बासुकिनाथ टुडू के नेतृत्व में हाजीपुर राज गांव में अतिक्रमण मुक्त करवाया ।अतिक्रमण में सिकंदर पासवान का दुकान को सीओ व मुफस्सिल थाना के द्वारा हटाया गया। क्षेत्रों में सड़कों के किनारे किए गए अतिक्रमण को सदर सीओ के नेतृत्व में हटाया गया। इस अभियान में मुफ्फसिल थाना की पुलिस बल मौजूद थी। वही सदर सीओ ने बताया की सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा सामान रखकर अतिक्रमण कर दिया गया था। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अतिक्रमण हटाने से अब लोगो को आवाजाही में सहूलियत मिलेगी। वही बताया गया जिन्होने अतिक्रमण किया है तय समय में अतिक्रमण नहीं हटाया तो बलपूर्वक कार्यवाही की जाएगी। सड़क किनारे खड़े वाहनों और अतिक्रमण के कारण यातायात जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस कारण से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाना जरूरी है। मौके पर मुफ्फसिल थाना के एएसआई वीरेंद्र सिंह, एएसआई दाऊद किस्कू, एएसआई धन सिंह बनरा समेत अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

गायत्री परिवार ट्रस्ट मधुपुर का पुनर्गठन 15 जून को

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर मधुपुर के साधना कक्ष में 15 जून 2025 रविवार अपराह्न 3 बजे गायत्री परिवार के ट्रस्टीगण तथा सक्रिय दीक्षित सदस्यों की एक अहम गोष्ठी आयोजित होगी जिसका मुख्य उद्देश्य है - गायत्री परिवार ट्रस्ट मधुपुर का पुनर्गठन करना। झारखंड के प्रान्तीय जोन समन्वयक रामनरेश प्रसाद तथा देवघर उपजोन समन्वयक बुधन बर्मा के मार्गदर्शन में तथा ट्रष्ट के रीति - नीति के अनुरूप गायत्री परिवार ट्रस्ट मधुपुर का पुनर्गठन किया जाएगा। उपरोक्त कार्यक्रम की जानकारी गायत्री परिवार देवघर के जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन की बैठक

साथी मृतक के परिजन को सौंपा गया छह लाख रुपए का चेक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन बीपीएसआरए, बिहार झारखंड की कार्यकारिणी की प्रस्तावित बैठक का आयोजन किया गया !इस बैठक में सांगठनिक परिचर्चा के साथ देवघर यूनिट के अपने साथी स्वर्गीय मुकुल मिलन जिनकी मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गयी थी,के परिजनों को (एसोसिएशन के सदस्यों का दुर्घटना बीमा)कम्पनी से मिले राशि को सौपना भी था ।मौके पर स्वङ्ग मुकुल मिलन के परिजनों को संगठन के सारे पदाधिकारी के समक्ष 6 लाख की राशि का डिमांड ड्राफ्ट मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष बिहार झारखंड द्वारा उनके माताजी को सौपा गया ।मौके पर

उपस्थित सभी पदाधिकारी ने अपने अपने शब्दों से पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाया और ये विश्ववास दिलाया कि किसी भी जरूरत पर हम सभी लोग आपके परिवार के सदस्य की तरह खड़े मिलेंगे !हम सभी जानते है कि व्यक्ति की कमी पैसो से कभी पूरा नही हो सकता ।पर व्यक्ति के नही रहने के बाद छोटी छोटी जरूरतों के लिये और दैनिक जीवन में आने वाले समस्याओं से लड़ने के लिये इस अर्थतंत्र की सख्त जरूरत पड़ती है ।उम्मीद है कि इस 6 लाख रुपये से साथी मुकुल मिलन के परिजनों को अपने जिंदगी जीने और व्यवस्थित करने में सुविधा होगी ।मौके पर संस्था के वरीय सदस्य दिलीप चौहान ने कहा कि एसोसिएशन के सदस्य हर हमेसा संस्था के किसी भी पीड़ित सदस्य के लिए खड़ा मिलेगा।

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

साहिबगंज :

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति, निमार्णाधीन हेल्थ सब-सेंटर (ल्ह्रउ), अठट व सहिया नियुक्ति प्रक्रिया, एवं अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई ।उपायुक्त ने सभी MOIC (Medical Officer In-Charge) को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निमार्णाधीन ल्ह्रउ भवनों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ।इसके साथ ही, ANM (ANM (Auxiliary Nurse Midwife) एवं सहिया नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए गए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को और सशक्त किया जा सके ।उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जन स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचे, यह हम सबकी प्राथमिकता है ।बैठक में सिविल सर्जन, डीपीएम, सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ रेल प्रशासन ने चलाया अभियान

एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण मुक्त करने का रेलवे प्रशासन ने जारी किया अल्टीमेटम

जमालपुर। रेल नगरी के जमालपुर-धरहरा मुख्य मार्ग पर शिव साईं धाम मंदिर के निकट रेलवे के जमीन पर से अवैध कब्जा हटाने की दिशा में रेलवे प्रशासन तथा रेलवे सुरक्षा बल की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पीडब्ल्यूआई ब्रजकिशोर प्रसाद तथा आरपीएफ इंस्पेक्टर एसके यादव के संयुक्त नेतृत्व में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत शिव साइन धाम मंदिर के निकट कई अवैध निर्माण को ध्वस्त करते हुए अल्टीमेटम जारी किया गया है। शिव साईं धाम मंदिर से रेलवे गेट नंबर 6 की ओर करीब आधे किलोमीटर में रेलवे की जमीन पर कई अवैध कब्जेधारी ने पक्के मकान तक खड़े कर लिए हैं। रेलवे प्रशासन की ओर से उन अवैध कब्जाधारियों को एक सप्ताह का अल्टीमेटम जारी करते हुए उक्त रेलवे की जमीन को खाली करने का निर्देश दिया गया है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 31 के पूर्व वार्ड पार्षद सनम कुमार उर्फ बबलू पासवान के द्वारा रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से निर्मित किए गए झोपड़ी को हटाया गया। वहीं, वार्ड संख्या 31 निवासी सतीश कुमार साह द्वारा रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए टाइल्स व पत्थर के स्टॉक प्वाइंट को भी जल्द से जल्द हटाने का निर्देश जारी किया गया है। मौके पर रेल अधिकारी अभिनव कुमार सहित दर्जनों आरपीएफ जवान मौजूद थे।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का मनाया गया 78 वां जन्मदिन

राजद नेताओं ने महादलित बस्ती में बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री तथा खाद्य सामग्री का किया वितरण

मुंगेर।

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन के मौके पर जिला मुख्यालय के आजाद चौक स्थित राजद कार्यालय में पार्टी के नेताओं ने केक काट कर खुशी का इजहार किया। युवा राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष आसिफ वसीम की अध्यक्षता में लालू प्रसाद यादव का 78 वां जन्मदिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मैं बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए मुंगेर विधानसभा क्षेत्र से राजद के पूर्व प्रत्याशी अविनाश विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को समाजिक न्याय के मसीहा बताया। मुकेश यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं ने सदर प्रखंड के तारापुर दियारा पंचायत के चन्दन नगर दलित वस्ती में छोटे छोटे बच्चों के बीच पठन-पाठन सामाग्री एवं चॉकलेट का वितरण कर पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दीघार्यु जीवन की मंगल कामना किया। वहीं, दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल जमालपुर नगर इकाई तथा आरजेडी बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन को सामाजिक सद्भावना दिवस के रूप में जमालपुर के वलीपुर के महादलित

परिवार के बीच मनाया गया। नगर राजद जमालपुर के अध्यक्ष बमबम यादव और बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ राजद के राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने जरूरतमंद बच्चों के बीच स्लेट, पेंसिल, कॉपी, कलम, बिस्कुट कुरकुरे आदि वितरित किया। इसके साथ-साथ लालू जी के सम्मान में पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय, सद्भावना और धर्मनिरपेक्षता की अलख जगाने वाले, जन चेतना, समानता और सामाजिक क्रांति की मशाल जलाने वाले, हर वंचित, शोषित और दलित के हृदय को उत्थान की हिम्मत दिलाने वाले, महान सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा लालू प्रसाद यादव का दिल गांव में ही बसता था। उनका कहना था कि स्मार्ट गांव बनाना चाहिए। गांव में स्मार्ट स्कूल बनना चाहिए, गांव में शिक्षा का अलख जगाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने चरवाहा विद्यालय शुरू करवाया। जब भी देश में सामाजिक न्याय, वंचितों एवं दलितों के उत्थान तथा उनको आवाज देने, समानता, समरसता, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की बात आएगी तब तब लालू प्रसाद यादव का उल्लेख प्रमुखता से आदरपूर्वक लिया जाएगा। इस अवसर पर राकेश चौधरी, मयंक राज उर्फ छोटू डॉन, विमल यादव, मंतोष कुमार, राहुल कुमार, सन्नी पासवान के अलावा अन्य राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस्कॉन मंदिर परिसर में स्नान पूर्णिमा व स्नान यात्रा के साथ आगामी रथ यात्रा महोत्सव का आगाज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 11 जून 2025 को देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड़ के समीप स्थित दामोदर ग्राम इस्कॉन मंदिर परिसर में अपार भक्तों की उपस्थिति में यह स्नान पूर्णिमा व स्नान यात्रा के साथ आगामी रथ यात्रा महोत्सव का आगाज हो गया। रथ यात्रा दिनांक 27 जून 2025 को शोभा यात्रा के साथ शिवलोक परिसर स्थित बजरंगबली मंदिर से शाम के 3:00 बजे से निकल जाएगी। स्नान यात्रा की शुरूआत कीर्तन ध्वनि से दिन के 12:00 बजे हुई जो लगभग 1 घंटे तक चली। इसके बाद इस्कॉन प्रमुख श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु ने भगवान जगन्नाथ के स्नान यात्रा की कथा सुनाते हुए हुए उपस्थित भक्तों को बताया कि पूरे जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ का आज प्रकाट्य दिवस(जन्मदिन) एवं स्नान यात्रा दोनों ही है। इस स्नान यात्रा के बाद भगवान 15 दिनों तक बीमार पड़ जाते हैं और वे भक्तों को दर्शन नहीं देते। इन 15 दिन में भगवान भक्तों से सिर्फ सेवा लेते

हैं। हर साल जेस्ठ पूर्णिमा को स्नान यात्रा होती है। जिसे स्नान उत्सव व स्नान पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दौरान भगवान बलभद्र, भगवान जगन्नाथ एवं सुभद्रा जी मंदिर परिसर से बाहर आते हैं और सारे भक्तों को दर्शन देते हैं। इसके बाद उन सभी को स्नान कराया जाता है ।स्नान के लिए 108 घडो में विभिन्न तीर्थ स्थान से ले गए एवं मंत्रोचार द्वारा शुद्ध किए गए जल होते हैं, जिसमें चंदन गुलाब घी दही इत्यादि मिला होता है। कथा के उपरांत कीर्तन ध्वनि के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं में सुभद्रा का अभिषेक किया गया साथ ही साथ कीर्तन ध्वनि के बीच 108 भोग निवेदित किए गए और अंत में भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया जिसमें भक्तों की लंबी कतार देखी गई अंत में श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु ने भक्तों से अपील किया है कि आगामी रथ यात्रा महोत्सव में आप अपने आसपास के गांव वालो, ईस्ट मित्रों एवं स्वजनों के साथ शामिल हो एवं भगवान की कृपा प्राप्त करें। भक्तों ने जोरदार भगवान जगन्नाथ के जयकारे लगाए।

महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद स्फटिक शिवलिंग की रुद्राभिषेक पूजा करते हुए जय गुरुदेव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। परमहंस स्वामी शारदानंद सरस्वती महाराज के वर्तमान उत्तराधिकारी हरिहरानंद महाराज विश्व कल्याण के निमित्त बाबा बैजनाथ धाम में कई संत विद्वानों , छत्तिसगढ़ के गुरु भक्तों के साथ देवघर आगमन हुआ ।उनके आगमन की सूचना मिलने पर बाबा बैजनाथ धाम में तथा आसपास के जितने भी उनके अनुयाई भक्त हैं सभी उत्साह और उमंग के साथ उनके स्वागत के लिए राजेश सतनालीवालाजी के आवास में उपस्थित हुए थे ,उनके आगमन पर महाराज जी के परम शिष्य आदरणीय प्रेम सिंघानिया , महेश भालोठिया, संतोष भुवानियां, विश्वनाथ मोदी, सुनील मोदी, आनन्द मोदी, शंकरलाल सर्राफ, मुरारी सर्राफ, शिव कुमार सर्राफ बिनोद सुल्तानिया, एवं स्थानीय समाज के सभी लोगों के साथ कई गणमान्य भक्तजन और आचार्य जिसमें केदार नाथ झा , कुमुद खव-

ड़े, गिरधारी वल्लभ झा उपस्थित थे और पूरी विधि विधान मंत्र उच्चारण के साथ उनका स्वागत किया गया। , अतिरुद्र महायज्ञ की तैयारी को लेकर एक बैठक श्री श्याम कीर्तन मंडल में महामंडलेश्वर हरिहरानंद महाराज की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैजनाथ धाम यज्ञ के उद्देश्य से पधारे महामंडलेश्वर श्रीहरि हीरानंद महाराज यज्ञ स्थल का निरीक्षण करने के लिए निकले । आवासन एवं भोजन व्यवस्था स्थल का भी निरीक्षण किया गया तत्पश्चात संध्या में कई संत विद्वानों के साथ ।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्व कल्याण के उद्देश्य से आयोजन होना चाहिए, देवी संपत मंडल के ब्रह्मनिष्ठ स्वामी शारदानंद सरस्वती महाराज के समय में भी यज्ञ की श्रृंखला निरंतर चलते रहता था उसी श्रृंखला को जारी रखने के लिए सबसे पहले बाबा बैजनाथ धाम से नवम्बर में यज्ञ प्रारंभ किया जाएगा।,,,

नपुर से गरखा तक सड़क निर्माण के लिए 81.47 करोड़ की स्वीकृति

मानपुर (एनएच-19) से गरखा बाजार (एनएच-722) तक योजना की कुल लंबाई: 18.100 किमी

अनुमानित लागत: 8147.58 लाख (81.47 करोड़ रुपये)

ओआरआईएफ से चौड़ीकरण: 5.5 मी./7.0 मी. से बढ़ाकर 10 मी.

सांसद श्री रूडी के निरंतर पत्राचार एवं प्रयासों से मिली स्वीकृति

जलजमाव प्रभावित हिस्सों में जल निकासी हेतु नाला निर्माण प्रस्तावित

यह पथ गरखा बाईपास से जुड़ेगा, पथ को सोनपुर आयोजना क्षेत्र भी होगा हिस्सा

भविष्य में यह मार्ग गंगा नदी पर बनने वाले नए पुल से दिघवारा बिंदु से जोड़ा जाएगा

पटना , ।

पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार द्वारा केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के अंतर्गत मानपुर से गरखा तक 18.100 किमी लंबे पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के कार्य हेतु 8147.58 लाख (81.47 करोड़ रुपए) की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह सारण संसदीय क्षेत्र के अधोसंरचना विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सांसद श्री राजीव प्रताप रूडी के सतत प्रयासों का परिणाम है। सांसद राजीव प्रताप रुडी के कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह पथ मानपुर (एन.एच.-19 के लेफ्ट आउट पोर्शन) से प्रारंभ होकर गरखा बाजार (एन.एच.-722 के लेफ्ट आउट पोर्शन) तक जाता है। इस मार्ग में

भैरवपुर, मटिहान चौक, कमालपुर, मौल्वी बाजार, मिजार्पुर, रामगढ़ा, वसन्त बाजार, कुदरबाधा, चिन्तामनपुर, रामपुर, कदना बाजार, गुहम्मदपुर जैसे महत्वपूर्ण गाँव और बाजार पड़ते हैं। चौड़ीकरण के बाद मार्ग की चौड़ाई 10 मीटर होगी, जिससे आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज होगा। इस योजना को सीआरआईएफ में सम्मिलित कराने हेतु सांसद राजीव प्रताप रूडी ने राज्य सरकार के पथ निर्माण मंत्री एवं भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से लगातार संवाद, पत्राचार और व्यक्तिगत मुलाकातें कीं। उन्हीं के नेतृत्व एवं पहल से यह योजना स्वीकृत हो सकी है। परियोजना के संदर्भ में श्री रुडी ने कहा कि पथ के उन भागों में जहाँ जलजमाव की समस्या उत्पन्न होती है, वहाँ प्रभावी जल निकासी हेतु नाला निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे मार्ग की दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके। इस पथ को निकट भविष्य में गरखा बाईपास से जोड़ा जाना है, जिसका निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। यह पथ सोनपुर आयोजना क्षेत्र का भी अंग होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास योजनाओं के साथ इसका सीधा समन्वय स्थापित हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, गंगा नदी पर बनने वाले नए पुल के माध्यम से यह मार्ग दिघवारा बिंदु पर जुड़ने की दिशा में भी योजना बनाई गई है, जिससे इस पथ की पहुँच और महत्त्व और अधिक बढ़ जाएगा। यह परियोजना ना केवल क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाएगी, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगी।

महिला के साथ दुष्कर्म, एफआईआर के बाद पीड़िता और परिवार पर हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। जब पीड़िता ने साहस जुटाकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, तो इसके प्रतिशोध में उस पर और उसके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया गया। पीड़िता, उसके पति रशीद शेख और बेटे पर एफआईआर हटाने के लिए दबाव बनाते हुए हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल रशीद शेख सोमवार को पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम के पास पहुंचे। अजहर इस्लाम ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और पीड़िता की सुरक्षा के लिए प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की ओर से थाना में विधिवत आवेदन दिया गया है और मामले की जांच जारी है ।पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए, कहा दुख तो दुख ही होता है। और जो दुखी होता है उसके लिए खड़ा होना ही इंसानियत है। ऐसे अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पाकुड़ की जनता के साथ होने वाली किसी भी गलत और हिंसक कार्रवाई के खिलाफ पूरा पाकुड़ खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा। यह घटना न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि समाज के भीतर महिलाओं की सुरक्षा की गंभीर स्थिति को भी उजागर करती है। पीड़िता और उसका परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं और अब निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

शहर में CCTV निगरानी को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक, खराब कैमरों के शीघ्र मरम्मति का निर्देश

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में CCTV कैमरा निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर में लगे CCTV कैमरों की वर्तमान स्थिति, उनकी कार्यक्षमता एवं तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की गई ।उपायुक्त ने विशेष रूप से खराब पड़े कैमरों की मरम्मति एवं उनकी प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए CCTV प्रणाली को सतत और सुचारू बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है ।बैठक में बताया गया कि प्रायः विभिन्न स्थानों पर CCTV कैमरों के वायर कटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे कैमरे बंद हो जा रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर बार-बार वायर कटने की समस्या उत्पन्न हो रही है, वहां केबल को भूमिगत (अंडरग्राउंड) करने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए ताकि भविष्य में ऐसे अवरोध उत्पन्न न हों ।बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला श्रम अधीक्षक धीरेन्द्र नाथ महतो, जिला विद्युत आपूर्ति पदाधिकारी शंभूनाथ चौधरी, सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह समेत कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर CCTV की मरम्मति कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।

जन सुराज पार्टी की ओर से चलाया गया जनसंपर्क अभियान

जन सुराज पार्टी के सिद्धांतों से लोग हो रहे प्रभावित: रूपम कुमारी

दिव्य दिनकर बिहार डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना जयनगर शुक्रवार को जन सुराज पार्टी की ओर से जयनगर प्रखंड के देवधा मध्य पंचायत के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान और बैठकों का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पार्टी की राज्य कोर कमेटी के सदस्य सह खजौली विधानसभा के जनसुराज पार्टी के नेत्री रूपम कुमारी ने किया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर पार्टी के विचार और नीतियों से अवगत कराया गया। बैठक की अध्यक्षता जन सुराग के पूर्व जिला संयोजक वीरेंद्र यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य कोर कमेटी के सदस्य रूपम कुमारी ने बताई की यह चुनाव जात-पात,

धर्म या झूठे वादों पर नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और ईमानदारी जैसे असली मुद्दों पर आधारित होना चाहिए ।आज बिहार की जनता बदलाव चाहती है और यह बदलाव जन सुराज के रास्ते ही संभव है ।उन्होंने बताई कि जन सुराज की सरकार बनते ही युवाओं का पलायन पूरी तरह से बंद करने की गारंटी दी गई है। सरकार उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर 10 से 15 हजार रुपये की रोजगार सुनिश्चित करेगी। अभी बिहार सरकार 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 400 रुपये पेंशन दे रही है। जन सुराज इस पेंशन को बढ़ाकर 2000 रुपये प्रतिमाह कर देगी। किसानों की मदद के लिए मनरेगा को खेती से जोड़ा जाएगा। इससे किसानों को खेती के लिए मुफ्त में मनरेगा के तहत मजदूर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कृषि को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सरकारी गारंटी पर बैंक से कर्ज मिलेगा। जहां अभी जीविका के तहत ऊंची ब्याज दर पर कर्ज मिलता है ।वहीं जन सुराज सरकार केवल 4% सालाना ब्याज दर पर लोन उपलब्ध कराएगी ।सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के साथ, जन सुराज सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि अगर सरकारी स्कूल अच्छी शिक्षा नहीं दे रहे, तो गरीब परिवारों के बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ सकें और उनकी फीस सरकार वहन करे ।इस मौके पर जनसुराग के पूर्व जिला मुख्य प्रवक्ता मनीष कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

नाथनगर लोकप्रिय प्रत्याशी की तलाश में क्षेत्र की जनता, तरन्नुम फिरदौस

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) जगदीशपुर पुरैनी दक्षिणी कि पूर्व सरपंच तरन्नुम फि रदौस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहां है कि कुछ दिनों के बाद क्षेत्र में प्रत्याशियों की होड़ लग जाएगी। आपको चुन्ना है जो आपके छोटे-मोटे सुख दुख में आपकी हर समस्या के लिए बिना किसी रूक-ावट भेदभाव के आपके लिए हमेशा तैयार रहे। आगे उन्होंने कहा है कि गांव ग्राम की जनता अपनी छोटी-छोटी समस्या के समाधान के लिए दर- दर की ठोकरें खा रहे हैं। गांव ग्राम की महिलाएं गांव के अंदर अपनी समस्याओं को लेकर काफी परेशान है। समाधान नहीं होने के कारण आपसी दुश्मनी इस कदर बढ़ते जा रहा है कि लोग खून का प्यासा हो रहा है और इसके बेबसी पर कोई मरहम लगाने वाला नहीं है। अपने क्षेत्र और गांव की आम जनता से अपील की है कि स्वच्छ कर्मठ और ईमानदार जांबाज प्रत्याशी को वोट दें। दूर से आने वाले नेता को उन्हें दूर ही रखें।

वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण मंच पर सम्मानित हुए संज्ञा समिति जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नवीनगर प्रखंड के ग्राम जयपुर के निवासी गया संज्ञा समिति के जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय जी को राष्ट्रीय श-ाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज की बैठक वाराणसी सम्मानित किया गया।यह बैठक वरुण बिहार में आयोजित की गई थी।जिसमें,पूरे भारत और वाराणसी के आस पास के सैकड़ों स्वजातीय लोग शामिल हुए।इस बैठक में इस संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ श्री देव मिश्र ने सभी सदस्यों को अंगवस्त्र और माला देकर सम्मानित किया । वहीं संज्ञा समिति जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय को सामाजिक सरोकारों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया गया। इस बैठक में दहेज प्रथा, दहेज मुक्त विवाह और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की लड़कियों की शिक्षा शादी और यज्ञोपवित संस्कार की व्यवस्था में मदद करने को लेकर सभी सदस्यों के द्वारा जोर दिया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष रवीश दत्त मिश्र, अरुण कुमार पांडेय, श्री ज्ञानेश पाण्डेय प्रवक्ता मान्धाता मिश्र सहित संज्ञा समिति औरंगाबाद जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, विशाल मिश्र सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इस दौरान संज्ञा समिति जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि समाज का उद्देश्य, आर्थिक रूप से कमजोर असहाय लोगों की मदद करना है।राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण मंच पर सम्मानित होने पर संज्ञा समिति के लोगों के साथ साथ अन्य लोगों ने भी बधाई दिया जिसमें प्रेमेंद्र कुमार मिश्रा, हरि पाठक, अजीत मिश्र, विनय कुमार मिश्र, उज्जवल रंजन, दुर्गेश भारद्वाज, मनीष पाठक,हेरंब मिश्र, धनंजय जयपुरी, श्री राम पांडेय, शैलेंद्र मिश्र शैल, आशुतोष पाठक, संतोष मिश्रा, रौशन मिश्रा, शिवनारायण सिंह, आनंद मिश्रा, सिद्धनाथ मिश्रा, मनोरंजन पाठक, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बधाई दिया।

जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेत्री सह बारुण प्रखंड के पूर्व प्रमुख

अर्चना चंद्र यादव ने कहा है कि नबीनगर में आयोजित बिहार बदलाव रैली ऐतिहासिक होगा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेत्री सह बारुण प्रखंड के पूर्व प्रमुख अर्चना चंद्र यादव ने कहा है कि नबीनगर में आयोजित बिहार बदलाव रैली ऐतिहासिक होगा। बताते चलें 12 जून को नवीनगर प्रखंड में अनुग्रह नारायण मैदान में जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का आगमन होगा,इस बात की पत्रकारों से सीधी बातचीत करते हुए जानकारी दी है की बिहार में आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में सरकार बदलने पार्टी की पहली प्राथमिकता है और बिहार में बेरोजगारी भ्रष्टाचारी को जड़ से मिटाना दूसरा लक्ष्य है, इसी कड़ी में वरिष्ठ नेत्री सह बारुण प्रखंड के पूर्व प्रमुख अर्चना चंद्र यादव ने कहा कि जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का कल औरंगाबाद जिले के नबीनगर प्रखंड में आगमन होगा और बिहार बदलाव रैली को भी संबोधित करेंगे जिसमें हजारों हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे और उनके भाषण को ध्यानपूर्वक सुनेंगे और आगे इन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी की पांच प्राथमिकताएं जनता के बीच समझाने का प्रयास जारी है, इस बार 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में बदलाव देखने को मिलेगा।

युवा राजद रफीगंज प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार ने लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

रफीगंज :- युवा राजद रफीगंज प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार ने लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। आगे इन्होंने बताया कि बिहार की राजनीति में किंग मेकर कहे जाने वाले लालू प्रसाद यादव का 78वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम का अध्यक्षता युवा राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार ने किया। राजद कार्यकताओं में काफी उत्साह दिखा, इसी सिलसिले में रफीगंज विधानसभा के विभिन्न जगहों पर बुधवार को राजद कार्यकताओं ने लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन को सामाजिक न्याय और सद्भावना दिवस के रूप में मनाया। राजद नेताओं ने लालू प्रसाद यादव को उनकी लंबी आयु की कामना की। युवा राजद अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को आज की राजनीति में जरूरत है,जिस प्रकार से देश में सांप्रदायिक शक्तियों को बढ़ावा दिया जा रहा है और गलत बयानबाजी कर बीजेपी के नेताओं द्वारा देश को गलत दिशा में ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। ,इन परिस्थिति में लालू प्रसाद यादव ही एकमात्र विकल बनेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्र-खंड अध्यक्ष रणविजय यादव, प्रखंड अध्यक्ष विक्की यादव वार्ड पार्षद माहिद खान,प्रधान महासचिव तारिक ईमाम ,छात्र प्रखंड अध्यक्ष सोनू यादव, मो0 अफरोज, मो0 आदिल खान, गौतम कुमार, लालू कुमार के साथ अन्य लोगो मौजूद रहे।

क्या भागलपुर विधानसभा इसबार प्रत्याशी देख वोट करेगी या फिर वही जात धर्म पैसा ? यक्ष सवाल

दिव्य दिनकर

पटना भारतीय राजनीति पर जात धर्म बाहुबल तथा धनबल हावी रहा है । किसी किसी प्रदेश मे पार्टी कैडर वोट के लिए मरने मिटने को तैयार रहते हैं । पर बिहार चुनाव मे अभी तक जात धर्म पैसा और बाहुबल का ही चलन रहा है । हां बीच बीच मे बिहार की जनता आक्रोशित भी हुई है और सत्ता को उखाड भी फेंकी है । चाहे वह जननेता जय प्रकाश नारायण का सम्पूर्ण क्रांति हो या विश्वनाथ प्रताप सिंह की जनता दल । बिहार को जगाने मे समय तो लगता है लेकिन एकबार बिहार जागता है तो सभी का नींद हराम कर देता है । बात अगर भागलपुर विधानसभा की करें तो इसकी लंबी इतिहास रही है । पहले कांग्रेस का गढ़ । फिर पापरी बोस रेप केस के बाद जनसंघ और बाद मे बीजेपी । और अब तीन बार से फिर कांग्रेस । असल मे भागलपुर मे कांगेस जितती नहीं है बल्कि बीजेपी हारती है । भागलपुर विधानसभा के एक लाख मुस्लिम वोटर बीजेपी को हराने के लिए कांग्रेस को वोट करती है और कांग्रेस जितती है । पर इसबार माने 2025 विधानसभा का समीकरण कुछ दूसरा लग रहा है । इसबार प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज वोटर की मूलभूत समस्या रोजगार पलायन शिक्षा सामाजिक सुरक्षा महिलाओ को मा-इक्रोफाइनेंस के चंगुल से निकालना, किसान की खुशहाली आदि लेकर लोगों के बीच मे काफी सशक्त रूप मे मौजूद हैं । प्रशांत किशोर का मेहनत दिखता है । और भागलपुर मे जनसुराज पार्टी से टिकट के प्रबल दावेदार प्रोफेसर देबज्योति मुखर्जी जिनको भागलपुर का पीके भी बोला जाता है काफी चर्चा मे हैं । लोग विकल्प ढ-ूंढ रहे थे और मानो देबज्योति के रूप मे उनको विकल्प मिल गया है । देबज्योति की पहचान एक राष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविद, युवा उत्प्रेरक, महिला सशक्तिकरण के अग्रदूत, उद्यमिता विकास कार्यकर्ता, सहकारिता को बढ़ावा देने वाला एवं अंतर्राष्ट्रीय ला-इफस्किल ट्रेनर के रूप मे तो है ही, उनको लोग भागलपुर के लोकल समस्या के समाधान मे भी उतना ही सक्रिय पाते हैं । अंग अंगिका की लड़ाई हो या कोरोनाकाल मे लोगों की सेवा या फिर कोई स्थानीय समस्या लेकर आंदोलन देबज्योति का साथ लोगों को खूब मिलता है । इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं होगा अगर 2025 विधानसभा मे भागलपुर से जनसुराज विजय घोषित हो !

कबीर दास के विचार आज के समाज में अत्यंत ही प्रासंगिक

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के तत्वावधान में भारत के महान संत कवि भक्ति काल के निर्गुण शाखा के प्रवर्तक कवि कबीर दास जी की 627 वीं जयंती समारोह के मौके पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,उपाध्यक्ष डॉ सु-रेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर कबीर जयंती पर सर्वप्रथम उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया तत्पश्चात विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कबीर के विचार आज के समाज में अत्यंत प्रासंगिक विषय पर अपने वक्तव्य में संस्था के जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं भक्ति काल जब झंझाबात के दौर से गुजर रहा था भक्ति आंदोलन के दौर में कबीर दास का अवतरण₹हुआ और सनातनी परंपरा में जो आडंबर थे उनको उन्होंने दूर करने का प्रयास किया और एक स्वच्छ समन्वयवादी समाज की स्थापना कर सभी विचारधाराओं को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया था। सामाजिक एकता के पर्याय कबीर की रचनाओं में ऐसी कोई विचारधारा नहीं है जिसका उन्होंने समावेश नहीं किया हो चाहे पाश्चात्य दर्शन के बड़े दार्शनिकों की विचारधारा हो या फिर पूर्वी विद्वानों के विचारधारा दोनों ही विचारधाराओं का समन्वय स्वरूप कबीर ने कराया था।कबीर साखी, कबीर बीजक, कबीर शब्दावली,कबीर दोहावली कबीर ग्रंथावली जैसी रचना उनकी पृष्ठभूमि वाली रचना है जो भक्तिकालीन साहित्य के आधारभूत ग्रंथ माने जाते हैं हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्ति काल को स्वर्ण युग माना जाता है उसे स्वर्ण युग बनाने में कबीर का अप्रतिम स्थान रहा है वर्तमान समय में जिस तरह के सामाजिक राजनीतिक स-ांस्कृतिक साहित्यिक परिवेश की धारा चल पड़ी है उन धाराओं में कबीर की विचारधारा ही सही बैठती है आज जिस तरह से कमजोर दबे पिछड़े लोग भी समाज के अग्रिम पंक्ति में हैं उनके केंद्र में संत कवि शिरोमणी कबीर दास का ही विचारधारा का स्थान सर्वोपरि है।कबीर जयंती के मौके पर जगन सिंह,विक्की प्रसाद गुप्ता जम्होर के स्वच्छता पर्यवेक्षक नंद जी यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

कनाप पंचायत के विभिन्न टोलों सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण अपने जनसमस्या को लेकर हैंड्स ऑफ प्रकाश चंद्रा के संरक्षक डॉ प्रकाश चंद्रा से मिलकर मुलाकात किया

प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम रहने के बावजूद उसे आवास योजना का लाभ नहीं मिला ग्रामीणों को।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के दाउदनगर प्रखंड अंतर्गत कनाप पंचायत के विभिन्न टोलों से स्थानीय मुखिया के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जनता हैंड्स ऑफ प्रकाश चंद्रा के संरक्षक सह लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ प्रकाश चंद्रा से मिलने उनके गैस ऐजेंसी कार्यालय पहुंचे। इन सभी ग्रामीणों ने लोजपा नेता डॉ प्रकाश चंद्रा से कहा कि सभी आए हुए ग्रामीण जनता का शिकायत है कि प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम रहने के बावजूद उसे रिमांड में डाल दिया गया है बिना किसी सूचना के या भौतिक सत्यापन के, आगे ग्रामीणों को डॉ प्रकाश चंद्रा इस बात की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों से बात की और सभी समस्याओं को ग्रामीणों को समस्या का समाधान हेतु वरीय पदाधिकारीओ से बात की ,आगे इन्होंने बताया कि हमारे कार्यालय पर जितने भी ग्रामीण समस्या लेकर आए हैं मै साथ ले जाकर उनकी ब्यक्तिगत शिकायत का आवेदन दाउदनगर के अनुमंडल पदाधिकारी को उपलब्ध कराया व उनसे शिघ्र इसके समाधान हेतु बात विचार किया और अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा आस्वासन दिया गया कि कल ही इसकी जांच कोई नए पदाधिकारी की देखरेख में कराकर जल्द ही इसका समाधान करेंगे। और ग्रामीणों की समस्याओं का हल निकालेंगे।

चर्चित चरण बाजार मामले में अभियुक्तों को मिला जमानत

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के विशेष न्यायालय उत्पाद कोर्ट द्वितीय के न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह ने चर्चित माली थाना कांड संख्या -114/25 में नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जेल में बंद सात अभियुक्तों को जमानत दे दी है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियुक्त कुंडल सोनी उम्र,-65रवि शंकर प्रसाद, मुन्ना कुमार, भरत सेठ उम्र-80, जामु सेठ और रामप्रवेश साव चरण कला माली प्राथमिकी में प्राथमिक अभियुक्त नहीं थे इन्हें भी पुलिस ने 30/05/25 से जेल में बंद रखा था इन्हें कोर्ट द्वारा जमानत दे दी गई, आज प्राथमिक अभियुक्त जितेन्द्र सोनी चरण कला माली को भी जमानत मिल गई है,अन्य प्राथमिक अभियुक्त की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

मांडर, बिजली की चोरी को लेकर पांच पर प्राथमिकी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - विद्युत विभाग की ओर से बिजली की चोरी रोकने को लेकर बुधवार को प्रखंड के कंजिया, मांडर चौक, धोबी चढ़ान व हेसमी में छापामारी अभियान चलाया गया. इस दौरान कंजिया के जावेद अंसारी, कंजिया रोड में एच पी गैस एजेंसी के मनीष बाड़ा, धोबी चढ़ान के सुधीर साहू, दीपक कुमार एवं जमालुद्दीन अंसारी बिजली की चोरी करते पाये गये. सभी के विरुद्ध मांडर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है साथ ही इनपर क्रमश 15 हजार 540 व 27 हजार 813 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है. छापेमारी टीम में सहायक अभियंता प्रेम दास, कनीय अभियंता आशीष कुमार मुंडा सहित शिव कुमार, अब्दुल मलिक व पुनई उरांव शामिल थे!

बेटी को बॉयफ्रेंड के साथ आपत्तिजनक हालत में देख चाचा-दादा ने खोया आपा, पहले गला घोंटा....फिर नदी किनारे दफनाया शव

बिहार : बिहार के समस्तीपुर से आत्मा को झकझोर देने (ड्ढँ१ लङ्घल्लङ्घ१ ङ्ख'ल्लॅ) वाली घटना सामने आई है, जहां पर बेटी के प्रेम-प्रसंग से नाराज दादा और चाचा ने उसकी हत्या कर दी और फिर शव को नदी किनारे दफन कर दिया। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। इधर, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि किशोरी के माता-पिता अभी फरार हैं। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र का है। मृतिका की पहचान 17 वर्षीय प्रीती कुमारी के रूप में हुई है। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि किशोरी का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसका किशोरी के परिवार के लोगों ने काफी विरोध किया। इसके बाद उन्होंने पहले किशोरी के साथ मारपीट की और फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, फिर सोमवार रात को शव को नदी किनारे दफन कर दिया। इसके बाद परिवार के 2 लोग मंगलवार की सुबह करीब 2 बजे नदी में स्नान करके लौट रहे थे, तभी सिंघिया थाने की गश्ती टीम ने नदी की ओर से आ रहे उसके चाचा और दादा को रोका और उनसे पूछताछ की तो दोनों ने बताया कि वे स्नान कर लौट रहे हैं। यह बात पुलिस को कुछ ठीक नहीं लगी। पुलिस दोनों को थाने ले आई। जब दोनों से सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने लड़की को दफनाए जाने की बात स्वीकार की। इलाके में मचा हड़कंप वहीं, इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मिट्टी खोद कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा तो रिपोर्ट में मौत का कारण गला घोंटना बताया गया। फिलहाल, पुलिस ने किशोरी के दादा और चाचा को हिरासत में लिया है, जबकि उसके माता-पिता अभी फरार हैं। डीएसपी ने बताया कि मामला ऑनर किलिंग से जुड़ा हुआ है। इधर, लड़की के दादा और चाचा दोनों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

वीडियो वायरल होने में हैशटैग, टाइटल और कंटेंट की बड़ी भूमिका: नम्रता सिंह

नई दिल्ली,

मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमईआरआई) कॉलेज, जनकपुरी के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था – ह्यहाउ टू बिकम इनफ्लुएंसर @ एमईआर-आईह्न, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में संसद टीवी की वरिष्ठ पत्रकार सुश्री नम्रता सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने आज पत्रकारिता की परिभाषा ही बदल दी है। अब केवल तथ्य नहीं, बल्कि उन्हें प्रस्तुत करने का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रभावी उपस्थिति बनाए रखने के लिए निरंतरता, धैर्य और तथ्य-जांच जैसे मूल्यों को आवश्यक बताया। सुश्री सिंह ने यूट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट वायरल करने के लिए कुछ व्यावहारिक सुझाव भी स-झा किए। उन्होंने कहा कि वीडियो के वायरल होने में हैशटैग, टाइटल और कंटेंट की अहम भूमिका होती है। टाइटल न सिर्फ आकर्षक हो, बल्कि वह किसी ट्रेंडिंग विषय से जुड़ा हो।₹ उन्होंने बताया कि ऐसा कंटेंट तैयार किया जाना चाहिए, जो दर्शकों में जिज्ञासा और प्रतिक्रिया उत्पन्न करे। कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका सुश्री नम्रता सिंह ने विस्तार से उत्तर दिया। यह कार्यशाला एमईआरआई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के वाइस प्रेसिडेंट प्रो. ललित अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यशाला के प्रा-रंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. पांडेय ने सोशल मीडिया में इन्फ्लुएंसर्स की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीपशिखा कालरा (डीन, एमईआरआई कॉलेज) द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सलाहकार प्रो. राकेश खुराना और अन्य शिक्षकगण, जिनमें प्रो. सदानंद पांडेय भी शामिल थे, मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बीए (जेएएमसी) की छात्राएं पृथा अरोड़ा एवं नेहा सैनी ने किया।

जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता सह नबीनगर विधान सभा क्षेत्र से भावी उम्मीदवार श्री लालगोबिंद सिंह ने बताया कि नबीनगर में आयोजित बिहार बदलाव रैली ऐतिहासिक होगा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता सह जन सुराज पार्टी से नबीनगर विधान सभा क्षेत्र के भावी उम्मीदवार श्री लालगोबिंद सिंह ने कहा है कि नबीनगर में आयोजित बिहार बदलाव रैली ऐतिहासिक होगा। बताते चलें 12 जून को नवीनगर प्रखंड में अनुग्रह नारायण मैदान में जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का आगमन होगा,इस बात जानकारी देते हुए इन्होंने पत्रकारों से सीधी बातचीत करते हुए जानकारी दी है की बिहार में आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में सरकार बदलने पार्टी की पहली प्राथमिकता है और बिहार में बेरोजगारी भ्रष्टाचारी को जड़ से मिटाना दूसरा लक्ष्य है, इसी कड़ी में श्री लालगोबिंद सिंह ने कहा कि जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का कल औरंगाबाद जिले के नबीनगर प्रखंड में आगमन होगा और बिहार बदलाव रैली को भी संबोधित करेंगे जिसमें हजारों हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे और उनके भाषण को ध्यानपूर्वक सुनेंगे और आगे इन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी की पांच प्राथमिकताएं जनता के बीच समझाने का प्रयास जारी है, इस बार 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में बदलाव देखने को मिलेगा।

ओबरा थाना क्षेत्र के एक गांव के कुछ ग्रामीणों ने युवक को पीट-पीट कर मार डाला

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। मंगलवार की शाम करीब 4:30 बजे एक युवक को ग्रामीणों ने इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही ओबरा थानाध्यक्ष दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेजा गया।ग्रामीणों का आरोप है कि युवक लड़की के साथ गलत नीयत से घुसा था घर में! पुलिस जांच में सामने आया कि मृत युवक पर आरोप था कि वह एक लड़की के घर में गलत इरादे से घुसा था। इसी आरोप में आक्रोशित लोगों ने उसे पकड़कर जमकर पीटा, जिससे उसकी जान चली गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई एक गिरफ्तार, रक्ळ गठित घटना की गंभीरता को देखते हुए औरंगाबाद पुलिस अधीक्षक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दाउदनगर के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) का गठन कर दिया है। घटना में संलिप्त एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ओबरा थाना में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। FSL टीम मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा रही है, जबकि रक्ळ टीम तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी फुटेज की जांच में जुट गई है। पुलिस का दावा झ्र जल्द होंगे सभी आरोपी गिरफ्तार पुलिस का कहना है कि रक्ळ की सक्रियता से जल्द ही इस मामले में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

ऐसा भी क्या मुश्किल है कश्मीरियों पर भरोसा करना !

विचार

"कश्मीर एक अनूठा राज्य है। यह तीन तरफ से पाकिस्तान और चीन से घिरा हुआ है। निर्वाचित राज्य सरकार को प्रक्रिया में शामिल न करके वे यह संकेत देना चाहते हैं कि उमर की सरकार विश्वसनीय नहीं है और शांति बहाल करने या आतंकवाद को रोकना उनके वश की बात नहीं है। निराशा के स्वर में वह कहते हैं, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भारी कीमत चुकाई है और अपने हजारों कार्यकर्ताओं को आतंकवादियों के हाथों खोया है। कभी-कभी तो मुझे आश्चर्य होता है कि क्या वे हम पर इसलिए भरोसा नहीं करते क्योंकि हम कश्मीरी और मुसलमान हैं। वे भूल जाते हैं: आप स्थानीय लोगों को शामिल किए बिना आतंकवाद से नहीं लड़ सकते। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट के निदेशक और आतंकवाद निरोध के विशेषज्ञ डॉ. अजय साहनी इस धारणा से सहमत हैं।

रश्मि सहगल

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान के साथ चार दिन तक चले संघर्ष से सरकार ने क्या सबक लिया? जम्मू-कश्मीर की संवेदनशीलता और उपमहाद्वीप की भू-राजनीति में इसके महत्व को देखते हुए, माना जा रहा था कि सरकार कुछ सबक सीखेगी और उसके अनुरूप जरूरी सुधार करेगी। इसके बजाय, आम कश्मीरियों को निशाना बनाने से लेकर टकराव से पहले सीमावर्ती क्षेत्रों से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में विफल रहने तक, उसने वह सब कुछ किया जो सिर्फ निराश-हताश करने वाला था। घाटी में स्थानीय लोगों द्वारा देश के साथ एकजुटता का सहज प्रदर्शन राज्य को उसकी गरिमा बहाल करने के साथ उनका भरोसा वापस अर्जित करने का भी अवसर था। लेकिन एक बड़ा अवसर हाथ से निकल गया- क्योंकि सरकार अपनी समझ पर पड़ा कुहासा साफ किए बगैर आगे बढ़ती रही। पहलगाम हादसे के बाद, कश्मीर पर नजर रखने वाले ज्यादातर लोग सहमत थे कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई उमर अब्दुल्ला की अगुआई वाली सरकार को सुरक्षा से जुड़े सभी मामलों में शामिल रहना चाहिए। लेकिन 29 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह मंत्रालय, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक करते वक्त मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सीधे-सीधे नजरअंदाज कर दिया। इरादा एकदम साफ था: जम्मू-कश्मीर में कानून और व्यवस्था पर खास नियंत्रण बनाए रखना। क्या यह समझदारी भरा फैसला है? यह अहम सवाल है! इस साल ऐसा तीसरी बार हुआ है जब केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री को दरकिनार किया है- पहले फरवरी और फिर अप्रैल में। बार-बार दरकिनार किए जाने से नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई विधायकों को आलोचना करने का अवसर मिला, जिन्होंने अमित शाह और एलजी पर मुख्यमंत्री कार्यालय को सोची-समझी रणनीति के तहत कमजोर करने का आरोप लगाया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद, उमर अब्दुल्ला सरकार ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग फिर से दोहराई- एक ऐसा कदम जिससे क्षेत्र की शीर्ष सुरक्षा संस्था, 'एकीकृत कमान' का नियंत्रण फिर से निर्वाचित मुख्यमंत्री के हाथ में आ जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता नासिर असलम वानी ने ठीक ही कहा, मुख्यमंत्री कोई बाहरी व्यक्ति नहीं हैं और हर निर्णय लेने में उनकी हिस्सेदारी होनी ही चाहिए। कश्मीर की सुरक्षा-व्यवस्था में महज केन्द्र सरकार, सशस्त्र बल, खुफिया एजेंसियां और एलजी ही तो एकमात्र खिलाड़ी नहीं होने चाहिए। वानी ने कहा, असल और प्रमुख हितधारक तो राज्य के लोग हैं; और अगर अपने

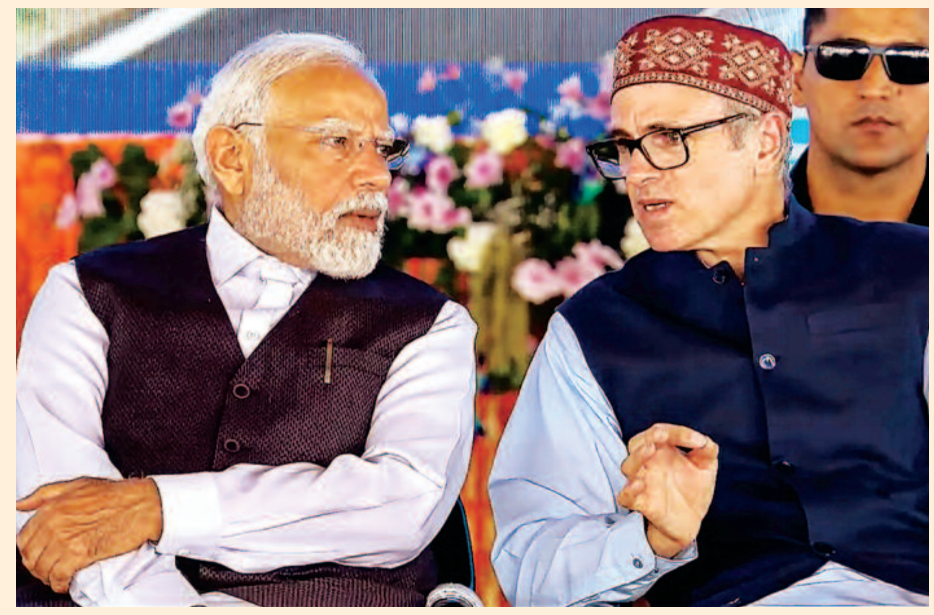

मामलों की जिम्मेदारी उनके पास रहती है, तो कोई क्यों आश्चर्य करे कि पहलगाम जैसे क्रूर अत्याचार इतनी आसानी से तो नहीं होंगे। यह जनता ही है जो सुरक्षा उपायों या उनकी चूक का खामियाजा भुगतती है और यह एक विडंबना है कि ऐसे मामलों में उनकी कोई भागीदारी नहीं है जो सीधे उनसे संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और कश्मीरी अवाम के बीच भरोसा कायम करना महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्वाचित सरकार को उसकी सही शक्तियों से वंचित रखने वाला मौजूदा रवैया और बार-बार वादे के बावजूद उन्हें पूरा करने में केन्द्र की विफलता सिर्फ अविश्वास को जन्म देता है। कुलगाम से लगातार पांचवीं बार चुने गए सीपीएम विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी इस पूरे प्रकरण में बहुत स्पष्ट दिखते हैं। तारिगामी बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत कानून और व्यवस्था एलजी के अधिकार क्षेत्र में है और इसकी देखरेख सीधे गृह मंत्रालय करता है। उनका कहना है, "कश्मीर एक अनूठा राज्य है। यह तीन तरफ से पाकिस्तान और चीन से घिरा हुआ है। निर्वाचित राज्य सरकार को प्रक्रिया में शामिल न करके वे यह संकेत देना चाहते हैं कि उमर की सरकार विश्वसनीय नहीं है और शांति बहाल करने या आतंकवाद को रोकना उनके वश की बात नहीं है। निराशा के स्वर में वह कहते हैं, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भारी कीमत चुकाई है और अपने हजारों कार्यकर्ताओं को आतंकवादियों के हाथों खोया है। कभी-कभी तो मुझे आश्चर्य होता है कि क्या वे हम पर इसलिए भरोसा नहीं करते क्योंकि हम कश्मीरी और मुसलमान हैं। वे भूल जाते हैं: आप स्थानीय लोगों को शामिल किए बिना आतंकवाद से नहीं लड़ सकते। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट के निदेशक और आतंकवाद निरोध के विशेषज्ञ डॉ. अजय साहनी इस धारणा से सहमत हैं। वह कहते हैं, यह सरकार राज्य सरकारों को जिम्मेदारी सौंपने में विश्वास नहीं करती है। स्पष्ट है कि उन्हें स्थानीय आबादी पर भरोसा नहीं है क्योंकि वे मुसलमान हैं। इनके जेहन में उनके प्रति बुनियादी दुश्मनी का भाव है। उमर अब्दुल्ला ने स्वीकार किया है कि उनके लिए हालात कितने मुश्किल हैं, सारी शक्तियों से वंचित, जनता की अपेक्षाओं और गृह मंत्रालय तथा उपराज्यपाल की परस्पर विरोधी मांगों के बीच उनके लिए यह सब किसी महीन तार पर चलने जैसा है। जम्मू-कश्मीर में सत्ता के कई केंद्रों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे (जम्मू-कश्मीर में) यहां अजीबो-गरीब हालात हैं। (बतौर पर्यटन मंत्री) पर्यटक मेरी जिम्मेदारी हैं लेकिन पर्यटकों की सुरक्षा मेरे जिम्मे नहीं है। यहां तीन सरकारों को मिलकर काम करना होगा- जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित सरकार, जम्मू-कश्मीर की गैर-निर्वाचित सरकार और भारत सरकार। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, वरिष्ठ पुलिस अफसरों की जगह बाहरी लोग लाए जा रहे हैं, जिन्हें न यहां के इलाकों की जानकारी है और न स्थानीय लोगों की मानसिकता की समझ। इसमें कोई शक नहीं कि पहलगाम में सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। इस बात की विस्तृत जांच होनी चाहिए कि ऐसा होने कैसे दिया गया। इससे भी अप्रिय बात यह कि मारे गए पर्यटकों के शव बैसरन मैदान में तीन घंटे तक पड़े रहे, और कई को तो उठाकर पैदल नीचे पहलगाम ले जाया गया, जबकि उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया जाना चाहिए था। अगले दिन जब गृह मंत्री ने बैसरन का दौरा किया, तो उन्हें सुरक्षा कवच देने के लिए 700 पैराट्रूपर्स और अन्य सुरक्षाकर्मी लगाये गए! उमर अब्दुल्ला सरकार से जनता लगातार नाराज होती जा रही है। मार्च में बजट पारित होने के बावजूद विधायकों का स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) फंड अभी तक जारी नहीं हुआ है। इससे जनता इसलिए भी बेचैन है, क्योंकि निर्वाचित प्रतिनिधि छोटे-छोटे विकास कार्यों को भी मंजूरी देने की स्थिति में नहीं हैं। अब हालात को और बदतर बनाने के लिए जम्मू के बीजेपी नेताओं को घाटी के हालात का आकलन करने का जिम्मा दे दिया गया है। श्रीनगर में बिजली का सामान बेचने वाले मोहम्मद पेरेज खान ने कहा, बीजेपी नेताओं से आकलन करने के लिए क्यों कहा जाना चाहिए? इससे हमारा संदेह बहुत ज्यादा बढ़ गया है। चार दिनों तक चले संघर्ष में सबसे ज्यादा मौतें जम्मू-कश्मीर में हुईं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई भारी गोलाबारी में 13 नागरिक मारे गए और 59 घायल हुए। मृतकों में पांच बच्चे भी हैं। तोप के गोले नागरिक इलाकों में गिरे और कितने ही घर, स्कूल और अन्य इमारतें ध्वस्त हो गईं। उमर अब्दुल्ला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करके सभी सीमावर्ती जिलों के डिप्टी कमिश्नरों के साथ एक आपातकालीन बैठक की और प्रत्येक सीमावर्ती जिले को 5 करोड़ रुपये और अन्य जिलों को 2 करोड़ रुपये की आकस्मिक निधि तत्काल जारी करने का आदेश दिया। उन्होंने संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए आश्रय और बंकर भी तत्काल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जम्मू-कश्मीर इस वक्त संघर्ष का सबसे बड़ा क्षेत्र है। फिर यह कैसी विडंबना है कि 8 मई को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक होती है, और जिसमें थल सेना, नौसेना, वायु सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारी इस बात पर चर्चा करने के लिए जुटते हैं कि राज्य की मशीनरी और रक्षा बलों के बीच समन्वय और तैयारियों को किस तरह बढ़ाया जाए। तारिगामी कहते हैं कि यह काम तो श्रीनगर में होना चाहिए था- "इसीलिए हम राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। संसद में सरकार के आश्वासन के बावजूद, ऐसा लगता नहीं है कि केन्द्र हमें निकट भविष्य में राज्य का दर्जा देगा।

संपादकीय

पिता की खामोश मासूमियत

हमने किसी सोते हुए बच्चे को देखा होगा। उसे देखते हुए क्या हमें ऐसा नहीं लगता कि यह कितना मासूम है? उसके चेहरे पर जो मासूमियत होती है, उसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती। वह चेहरा हमारे सामने सदैव होता है, बच्चे के बड़े होने तक। हम उसी चेहरे को हमेशा प्यार करते हैं। एक और चेहरा हमारे सामने होता है। हम कोशिश करके उसे याद कर सकते हैं। हमसे कुछ सहायता प्राप्त करने वाला या कहा जाए कि हमसे उधार मांगने वाला चेहरा। इस चेहरे के भाव कुछ अलग से होते हैं, पर वह भी मासूम ही होता है। इस चेहरे पर दो तरह के भाव पाए जाते हैं। एक तो स्वाभिमान का, दूसरा शर्म का। जो हाथ पहले कभी किसी के आगे नहीं फैले होंगे, किसी वक्त वही हाथ कुछ मांगने के लिए किसी के सामने फैलाने पड़ते हैं। जो हाथ सदैव देने के लिए उठे होते हैं, बाद में वही मांगने के लिए उठते हैं। इन दोनों भावों को हम उस वक्त देख सकते हैं, जब हमसे कोई पहली बार उधार मांग रहा हो। मासूमियत वाले दो चेहरे और होते हैं। ये चेहरे होते हैं हमारे माता-पिता के। यह बात भले ही गले से नीचे नहीं उतर रही हो, पर यह सच है कि माता-पिता के चेहरे भी मासूम होते हैं। अगर हमें अपने माता-पिता के चेहरे पर मासूमियत नजर नहीं आ रही है, तो हमें अपनी समझदारी और दृष्टि पर गौर करने व उसमें सुधार करने की जरूरत है। अफसोस है कि हमें अपने माता-पिता कभी मासूम नहीं लगते। हालांकि, मां को इस सामाजिक व्यवस्था में मिले दर्जे की वजह से सर्वोच्च स्थान पर देखा जाता रहा है और इस नाते कई बार उनके चेहरे में मासूमियत दिखती है, जो स्वाभाविक और सही है। लेकिन पिता को आमतौर पर इस दृष्टि से नहीं देखा जाता। यह वह चेहरा होता है, जो सदैव सख्त दिखाई देता है। लोग इसी सख्त और गंभीरता वाले चेहरे से डर जाते हैं। हम उनके भीतर अजस्र रूप से बहती उस स्वच्छंद नदी के प्रवाह को नहीं देख पाते, जो सदैव बना रहता है। जो देख पाते हैं, वे बहुत ही भाग्यशाली होते हैं। आज जीवन मूल्य तेजी से बदल रहे हैं। सामाजिक जीवन अब कुछ ऐसी जटिलताओं से गुजर रहा है कि पिता-पुत्र के बीच की दूरियां बहुत बढ़ गई हैं। आपाधापी इतनी है कि घर में रहने वाले और तेजी से बड़े होते बच्चों के साथ संवाद तो जैसे गायब हो गया है। कई बार संवाद का काम आंखें ही कर लेती हैं। प्यार से गले लगाने के दृश्य तो अब यदा-कदा ही दिखाई देते हैं। पिता-पुत्र के बीच संवाद के सेतु का काम मां को ही करना होता है। जहां मां न हो, वहां तो स्थिति और भी विकट होती है। बच्चे को बड़ा होते देखना भला किसे नहीं भाता, पर बच्चा इतना भी बड़ा न बन जाए कि उससे संवाद करने के लिए वातावरण को हल्का करने की आवश्यकता पड़े। दिन भारी लगने लगते हैं, जब बच्चे से बात करने के लिए पिता को इंतजार करना पड़ता है। संभव है कई घरों में वातावरण हल्का रहता हो। पिता और पुत्र एक मित्र की तरह संवाद करते दिखाई देते हों। साथ-साथ घूमने जाना, एक साथ मिल कर भोजन करना आदि क्रियाकलाप हों। ऐसे माहौल में पता ही नहीं चलता कि घर में किसकी चलती है, पिता की या बेटे की। एक उम्र के बाद पिता और भी अधिक खामोश होने लगते हैं।

अपनी गर्मी की छुट्टी को यादगार बनाएं

विजय गर्ग

गर्मी की छुट्टी को यादगार बनाने के तरीके में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। बच्चों को छुट्टियों से बहुत प्यार है। जैसे ही उनकी घोषणा की जाती है, उनके चेहरे खुशी से झूम उठते हैं। यह स्कूल की दैनिक हलचल से स्वतंत्रता प्राप्त करने का एक सुनहरा समय है, सुबह जल्दी उठने के लिए नहीं, पसंदीदा खेल खेलने के लिए, यात्रा करने और परिवार के साथ लंबा समय बिताने के लिए। छुट्टियों के दौरान, बच्चों को ऐसा काम दिया जाना चाहिए जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है और उनकी प्रगति और विकास से संबंधित है। छुट्टी के काम का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम का अभ्यास करने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि बच्चों के मन, मस्तिष्क, शरीर और चरित्र को भी पूरी तरह से विकसित करना चाहिए। दूसरे, अगर हम इस बार को बच्चों के कौशल को निखारने का एक विशेष अवसर कहते हैं, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। बच्चे इस समय का अच्छा उपयोग करके अपने ज्ञान में मूल्यवान परिवर्धन कर सकते हैं।

होमवर्क पूरा करना : पहली बात जो बच्चों को करनी है, वह शिक्षकों द्वारा दिए गए होमवर्क को करना है। जो बच्चे अपने लक्ष्य के पीछे हैं, वे कड़ी मेहनत कर सकते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। स्कूल के माध्यम से बच्चों को विशेष अवकाश गृहकार्य उपलब्ध कराया गया है। यह काम बहुत दिलचस्प और ज्ञान बढ़ाने वाला है। इस काम पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। वैसे भी पढ़ाई में नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। बच्चे छुट्टी के अवसर का लाभ उठा सकते हैं और पाठ-सहायता गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।

जीवन कौशल प्रशिक्षण : शिक्षा केवल पुस्तकों तक ही सीमित नहीं है। बच्चों को घर के काम, खाना बनाना, बजट बनाना, चीजों का ख्याल रखना आदि सीखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि दैनिक कार्यों की सूची कैसे बनाई जाए, खरीदारी की सूची बनाएं और खर्चों का अनुमान लगाएं, सरल व्यंजनों को बनाने की कोशिश करें, आदि। उन्हें बताया जाना चाहिए कि अपने कमरे को कैसे साफ रखें, सब कुछ अपनी जगह पर रखें, आदि। इस तरह के कार्य बच्चों में आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं।

सुंदर लेखन : विद्वानों का कहना है कि अगर लेखन सुंदर है, तो अध्ययन करना आसान हो जाता है। छुट्टियों के दौरान, बच्चों को अपने लेखन को सुंदर बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस काम के लिए हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक अक्षर की संरचना को गहराई से समझा जा सकता है। सुंदर लेखन के लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। परीक्षाओं में सुंदर लेखन बहुत महत्वपूर्ण है। इससे छात्रों को अपने पेपर में बहुत अच्छे अंक मिल सकते हैं क्योंकि जब शिक्षक पेपर चेक करता है तो उन्हें पेपर चेक करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इससे छात्रों को पेपर में बहुत अच्छे अंक मिलते हैं।

ड्राइंग और पेंटिंग का काम :बच्चों के हितों के अनुसार अवकाश का काम किया जाना चाहिए। छुट्टियों के दौरान ड्राइंग और पेंटिंग भी की जा सकती है। एक बच्चा जो ड्राइंग में अच्छा है, वह अपनी पढ़ाई में अधिक प्रगति कर सकता है। जबकि यह एक बहुत ही दिलचस्प विषय है, यह ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह काम बच्चों की कल्पना को बढ़ाता है और उनकी आंतरिक क्षमताओं को विकसित करता है। यदि संभव हो, तो बच्चों को पेंटिंग में छुट्टियों के दौरान कोचिंग दी जानी चाहिए ताकि बच्चों के कौशल में सुधार हो सके।

खेलकूद और योग में भाग लेना : छुट्टियों के दौरान बच्चों को अपने शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए खेलों में भाग लेना चाहिए। खुले मैदान में खेले जाने वाले आउटडोर खेलों में भाग लेना चाहिए। इसके अलावा इनडोर खेलों में भी भाग लिया जा सकता है। खेलों से बच्चे में सहयोग, सहजता, बड़ों के प्रति सम्मान और अनुशासन की भावना विकसित होती है। इसके अलावा छुट्टियों के दौरान छोटे बच्चों को कबड्डी, लुका-छिपी, बरहन-डीटी, कोटला-छपकी आदि खेलों में भी भाग लेना चाहिए। इनसे बच्चों में धैर्य, शक्ति और टीम वर्क के गुण बढ़ते हैं। छुट्टियों के दौरान बच्चों को किसी उपयुक्त शिविर में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे बच्चों के चरित्र में सुधार हो सके और इससे छात्रों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। तकनीकी युग से संबंधित कार्य आज के दौर में तकनीक का बहुत महत्व है। शर्त यह है कि इसे बर्बाद न किया जाए। बच्चों को ऑडियो-वीडियो प्रोजेक्ट बनाने के बारे में बताया जाना चाहिए। रील या वीडियो के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री का निर्माण और उसके अध्ययन को गहराई से समझाया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में वे तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सफलता प्राप्त कर सकें। आज के समय में बच्चों को कंप्यूटर का ज्ञान होना जरूरी है, इसलिए छुट्टियों में बच्चों को कंप्यूटर की कोचिंग भी देनी चाहिए, ताकि छुट्टियों में बच्चे कंप्यूटर में एक्सपर्ट बन सकें।

पर्यावरण संरक्षण : छुट्टियों के दिनों में बच्चे पर्यावरण की देखभाल के लिए आगे आ सकते हैं। वास्तव में पर्यावरण को खुशनुमा बनाना हम सबका कर्तव्य है। हम गांव के आम स्थानों, स्कूलों और अपने घर के बगीचों की सुरक्षा करके और नए पौधे लगाकर इसमें अपना योगदान दे सकते हैं। जो हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित करने की जरूरत है ताकि उन्हें पर्यावरण के बारे में जानकारी मिल सके।

प्रतिदिन टहलना और व्यायाम करना : रोजाना सैर और व्यायाम भी छुट्टियों का हिस्सा होना चाहिए। हल्का-फुल्का व्यायाम और सैर करके हम स्वस्थ रह सकते हैं। रोजाना सैर करने से कई बीमारियाँ दूर होती हैं। इसलिए सुबह की सैर और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

खिलौने बनाना : बच्चे पुरानी और इस्तेमाल की हुई चीज़ों से खिलौने बना सकते हैं। यह गतिविधि रोचक और सार्थक दोनों है। यह बच्चों को अपनी प्रतिभा को विकसित करने का सुनहरा अवसर देता है।

साहित्यिक पुस्तकों का अध्ययन : छुट्टियों के दौरान लाइब्रेरी की किताबें पढ़नी चाहिए। कहानियाँ, आत्मकथाएँ, ऐतिहासिक किताबें या धार्मिक ग्रंथ बच्चों की सोच को व्यापक बनाते हैं। इसके अलावा अच्छी और ज्ञानवर्धक किताबें हमारे घर की लाइब्रेरी का हिस्सा होनी चाहिए। अच्छा साहित्य पढ़ने से न केवल हमारा ज्ञान बढ़ता है बल्कि हमारा शब्द भंडार भी बढ़ता है। हमें उन्हें महान विद्वानों, वैज्ञानिकों और गणितज्ञों की किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित हो सके।

पर्यटन : कान और आँखों के बीच सिर्फ़ चार अंगुल का फासला नहीं होता। यह अंतर बहुत बड़ा है। किसी भी चीज़ के बारे में पढ़ने से ज़्यादा जानकारी आपको उसे देखकर मिलती है। अगर आप ताजमहल के बारे में विस्तार से लिखना चाहते हैं, तो उसे अपनी आँखों से देखना बहुत ज़रूरी है। इसलिए बच्चों के लिए सैद्धांतिक ज्ञान ही काफ़ी नहीं है, उन्हें ऐतिहासिक जगहों पर जाना चाहिए, जिससे उन्हें व्यावहारिक जानकारी मिले।

माता-पिता की मदद करना : बच्चों को छुट्टियों के दौरान घर और बाहर के कामों में अपने माता-पिता की मदद भी करनी चाहिए। इससे बड़ों के प्रति सम्मान बढ़ता है। वहीं दूसरी ओर काम करने की इच्छा और जिम्मेदारी का अहसास भी बढ़ता है।

सामाजिक रूप से जिम्मेदार कार्य : बच्चों को सामाजिक भावना से जुड़ने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। कम क्षमता वाले बच्चों को उपचारात्मक कक्षाएं लगाकर शिक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यदि संभव हो तो उनके घर जाकर उन्हें शिक्षित करना बहुत ही ईमानदारी का काम होगा। इसके अलावा पानी बचाने के लिए पोस्टर बनाना, पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखना, पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना आदि छुट्टियों के दौरान किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल किए जाने चाहिए। छुट्टियों में किए जाने वाले काम बच्चों को न केवल पढ़ाई में बल्कि जीवन के हर पहलू में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं, जो उन्हें रचनात्मक, सीखने योग्य और जीवन कौशल से परिपूर्ण बनाते हैं। बच्चों को हर दिन कुछ नया सीखने, सोचने और करने के लिए उत्साहित होना चाहिए। इसलिए गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करते हुए बच्चों को अपनी कला और प्रतिभा को निखारने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिए। आज के समय के संदर्भ में इन नेक कामों की अधिक आवश्यकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

आप दूसरों की मदद करते रहिए, भगवान आपकी मदद करेगा

बिस्वा रंजन

हमें हमेशा दुसरो की मदद करनी चाहिए, आपकी एक छोटी सी मदद से किसी की जिंदिगी बदल सकती है। इस कहानी में भी कुछ ऐसा ही होता है।हररोज की तरह गुप्ता जी स्कूटर पर सवार होकर के सुबह झ सुबह दफ्तर जा रहे थे। उनकी पत्नी ने कहा कि वापस आते हुए सेब ले करके आना।जब ऑफिस की दिशा में रवाना हो रहे थे, तो फ्लाइ ओवर से पहले ही एक सड़क किनारे बैठी हुई एक महिला दिखी, जो सेब बेच रही थी।उन्होंने अपना स्कूटर रोक लिया और सवाल किया, क्या भाव है, माताजी? महिला ने उत्तर दिया, चालीस रुपये किलो। इस पर गुप्ता जी, मोलभाव पर अड़ गए। गुप्ता जी कहने लगे कि तीस रुपए प्रति किलो, माताजी ने कहना शुरू किया पैंतीस रुपए प्रति किलो। इस पर गुप्ता जी ने उत्तर दिया, तीस रुपए से एक रुपए ज्यादा नहीं दूंगा। माताजी ने कहा, बेटा, इससे कम नहीं, पैंतीस रुपए प्रति किलो ले लो ना। गुप्ता जी ने अपने स्कूटर की रेस बढ़ाई और कहा, तीस रुपए से एक रुपए ज्यादा नहीं मिलेगा। माताजी कहती है, बेटा, ऐसा मत करो, ले लो ना पैंतीस रुपए प्रति किलो।" गुप्ता जी ने अपने ऑफिस की दिशा में स्कूटर चलाते हुए वहां से बाहर निकल लिया और ऑफिस पहुँच गए।शाम को फिर से बाहर निकलते समय वो एक फल भंडार में पहुँच गए, जिसमें विभिन्न फलों का विकल्प है। अब वहाँ मोलभाव करने का कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि उस स्थान पर एक फिक्स्ड रेट का बोर्ड लगा हुआ था।जब वह वहाँ पहुंचे और देखा कि सेब का मूल्य पचास रुपये किलो है, तो गुप्ता जी को थोड़ी हैरानी हुई। क्योकि वहाँ सड़क किनारे उपलब्ध हो रहे सेब का मूल्य चालीस रुपये किलो था।उन्हें यह लगा कि कुछ अजीब सा हो रहा है, इसलिए वह तेजी से फल भंडार के मालिक के पास गए और बोले, भाई साहब, चालीस रुपये किलो में दो ना। फल भंडार के मालिक ने हंसते हुए कहा, भाई साहब, यहाँ सब फिक्स्ड रेट में मिलता है, आप यहाँ पर मोल-भाव नहीं कर सकते, अगर आपको मोल-भाव करना है तो किसी ओर जगह से ले लो। गुप्ता जी ने कहा, ठीक है, लेकिन मुझे पता चला कि बाहर की दुकानों में तो यही रेट है। फल भंडार के मालिक ने कहा, भाई साहब, यहाँ तो वह नहीं है, कृपया आप एक बार जो पीछे बोर्ड पर लिखा है उसे पढ़ ले, कि मोलभाव करके हमें शर्मिंदा न करें। गुप्ता जी शर्म से वहाँ से निकल गए, उम्मीद में कि फ्लाइओवर के नीचे किनारे पर जो महिला बैठी थी, वह शायद

अब भी वही होगी और वहाँ से सेब खरीदने का विचार किया जा सकता है।उन्होंने स्कूटर को दौड़ाया और पहुंचे तो वहाँ महिला बैठी हुई थी। महिला ने गुप्ता जी को पहचान लिया और कहने लगी कि पैंतीस रुपये किलो बस मोलभाव मत करो।गुप्ता जी मुस्कुराए और कहा, "कोई बात नहीं माताजी, आप दो किलो सेब पैक कर दीजिए और इसके लिए मैं आपको सौ रुपये दे दूंगा।"महिला ने कहा, "मेरे पास खुले पैसे नहीं हैं।" शर्मा जी ने कहा, "खुले की जरूरत नहीं है, आप रख लो सौ रुपये और दो किलो सेब मुझे दे दो।"महिला ने मुस्कराते हुए कहा, "आपका बहुत धन्यवाद।" गुप्ता जी ने कहा की मै अभी अभी एक बड़ी दूकान में देख कर आया हु वहा पर भी सेब ५० रूपये किलो ही मिलते है, तो वहा से लेने से अच्छा है की मै आपके यहाँ से ले लू।माता जी की आंखों में आंसू आ गए, उन्होंने कहा, मैं कैसे बताऊं, हमारी स्थिति इतनी कठिन हो गई है कि सड़क किनारे फल बेचने में मजबूर हूं। मेरे पति की मृत्यु हो गई नथी और वे बीमार थे। कर्जा भी बढ़ गया और हम सब से सहारा मांगते रहे, इसी कष्ट से बाहर निकलने के लिए मुझे सड़क किनारे ये फल बेचने पड़ रहे है। यह एक आशा है कि कोई इसे खरीद लेगा, लेकिन कोई खरीदता ही नहीं।इस पर गुप्ता जी ने कहा, इस तरह की बातें मत करो, मैं कल सुबह फिर आऊंगा और कुछ और पैसे लेकर तुम्हारे पास आऊंगा। घर पहुंचकर गुप्ता जी ने अपनी पत्नी को दो किलो सेब दे दिए और उनसे कहा, मुझे पांच सौ रुपए का एक नोट लाकर के दो कल किसी की मदद करनी है।मैडम ने पूछा, "क्या हुआ?" और गुप्ता जी ने उन्हें पूरी कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, हम पता नहीं क्यों मोलभाव करते हैं, सड़क किनारे जो सामान बेचते हैं उन लोगों से जो अपनी मेहनत से जी रहे हैं और लाचार होते हैं। हमें उनकी मदद करनी चाहिए इस तरह की कठिनाईयों में।लाचार होने के बावजूद, वे अपनी जीवनशैली को बनाए रख रहे हैं और हम उनसे भी मोल भाव कर रहे होते हैं जबकि बड़े बड़े शोरूम में जाते हैं और पैसे देकर के आ जाते हैं।अगले दिन गुप्ता जी ने माता जी के पास पहुंचकर पांच सौ का नोट दिया और कहा, माता जी, आप अब कर्जा चुकाना शुरू करें और फल लाना शुरू करें मंडी से।माताजी ने कहा, "बेटा, तुम्हारे पांच सौ रुपए का कर्जा मै कैसे चुकाऊंगी?" गुप्ता जी ने कहा, "चिंता मत करो, मैं आपसे फल खरीदता रहूंगा।"ऑफिस में जाकर गुप्ता जी ने इस बात को अपने साथियों के साथ साझा किया और उन्होंने भी इस माता जी से फल खरीदने का निर्णय लिया।सभी साथियों ने मिलकर पैसे इकट्ठा किए और एक ठेलागाड़ी माताजी को खरीदकर दे दी। इससे माताजी को काफी फायदा हुआ और धीरे-धीरे उसका धंधा भी अच्छे से चलने लगा। हमें हमेशा दुसरो की मदद करनी चाहिए, आपकी एक छोटी सी मदद से किसी की जिंदिगी बदल सकती है। आप दूसरों की मदद करते रहिए भगवान आपकी मदद करेगा, और मोल भाव करना बंद कीजिए।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

हरियाणा में ड्रग नेटवर्क पर शिकंजा, इस साल अब तक 1,800 से अधिक गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे मानस हेल्पलाइन 1933 का सक्रिय रूप से उपयोग करें। यह एक चौबीस घंटे चलने वाली एक गोपनीय सेवा है, जिसे नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में समुदाय को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गई है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नागरिक मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी की रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसमें नशीले पदार्थों की बिक्री, खरीद या अवैध खेती शामिल है। डॉ. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि समाज के पूर्ण सहयोग के बिना नशे के खिलाफ लड़ाई सफल नहीं हो सकती। हालांकि एनसीबी जैसी सरकारी संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन अकेले उनके प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार हर कोण से नशे के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए संरचनात्मक, संस्थागत और डिजिटल सुधारों को मिलाकर एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक निगरानी उपकरण जैसे कि जीआईएस-सक्षम मैपड्रग्स पोर्टल और मोबाइल ऐप का उपयोग अवैध नशीली दवाओं की खेती और तस्करी पर अधिक सटीकता से निगरानी रखने और उसके विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एन्फोर्समेंट फ्रंट पर कड़ी कार्रवाई की है।

अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा में लिंगानुपात सुधारने के लिए राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक में अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत राज्य के लिंगानुपात को और बेहतर बनाने के प्रयासों को तेज करने पर चर्चा हुई। यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजपाल ने अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि इसमें संलिप्त पाए जाने वाले डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द करने सहित सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध गर्भपात में शामिल बीएएमएस डॉक्टरों और अयोग्य चिकित्सकों (झोलाछाप डॉक्टरों) को चिह्नित करने पर जोर दिया, खासकर करनाल, पलवल, गुरुग्राम और चरखी दादरी के 4 जिलों में। उन्होंने पलवल और करनाल के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस मुद्दे पर चर्चा की और उन्हें अवैध गर्भपात केंद्रों पर नकेल कसने और एमटीपी किट की अवैध बिक्री को रोकने के आदेश दिए।

अतिरिक्त निगमायुक्त से नगर पालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

गुरुग्राम। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के पदाधिकारियों ने अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविन्द्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान संघ प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से संबंधित 21 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा। संघ के पदाधिकारियों ने निगम कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। अतिरिक्त निगमायुक्तों ने संघ पदाधिकारियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की सभी मांगों पर विचार किया जाएगा तथा यथासंभव समाधान कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की भलाई सरकार व नगर निगम की प्राथमिकता में है। संघ पदाधिकारियों ने दोनों अतिरिक्त निगमायुक्तों के रुख की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि कर्मचारी हित से जुड़े मुद्दों का शीघ्र समाधान होगा। कर्मचारी संघ द्वारा सौंपे गए 21 सूत्रीय मांग पत्र में सफाई-सीवर कार्य में ठेका प्रथा समाप्त करके कर्मचारियों को रोल पर लेने, एसडब्ल्यूएम पोर्टल पर हाजरी लगाना बंद करने व नो वर्क-नो पे को वापिस लेने, दैनिक वेतन भोगी, ठेका प्रथा कार्यरत, एचकेआरएन व पार्ट-1 और पार्ट-2 के कर्मचारियों पॉलिसी बनाकर एक मुश्त पक्का करने, क्षेत्रफल व आबादी के हिसाब से कर्मचारियों के नए पद सृजित करके पक्की भर्ती करने, सफाई कर्मचारियों व सीवरमैनों की नियमित भर्ती करने, एक्सग्रेसिया पॉलिसी को सरल बनाने, मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार कच्चे कर्मचारियों का वेतन 27000 करने, बर्खास्त कर्मचारियों को वेतन सहित बहाल करने, छटनीग्रस्त कर्मचारियों को वापिस लेने, फायर विभाग को पुन- निकाय विभाग में शामिल करने की मांग रखी गई है।

पानीपत में किसान को जिंदा जलाने के विरोध में इनेलो ने किया प्रदर्शन

पानीपत। पानीपत के निजामपुर गांव में एक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा जमीनी विवाद में किसान बिजेंद्र को जिंदा जलाकर मारने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक बिजेंद्र को न्याय दिलाने के लिए इनेलो पार्टी सड़क पर उतर आई और जोरदार प्रदर्शन किया। धरने को संबोधित करते हुए इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने कहा कि हरियाणा में हाल ही के दिनों में कानून-व्यवस्था की स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं बेकाबू हो गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में हुई हत्याएं एवं फिरोती की धमकियां एवं घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि अपराधियों के जेहन में कानून का कोई भय नहीं रह गया है।

मुख्यमंत्री ने 15 विधायकों संग लिया योग का प्रशिक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा योग आयोग, हरियाणा विधानसभा एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस -2025 के आयोजन के निमित हरियाणा विधानसभा परिसर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के 15 विधायकों एवं विधानसभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा केमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधि तकरते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य योग युक्त, नशा-मुक्त और योगमय हरियाणा का निर्माण करना है। इस वर्ष देशभर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक उत्सव

की तरह मनाया जा रहा है, इसी कड़ी में हरियाणा प्रदेश में भी इसका आगाज 25 दिन पूर्व 27 मई को योग महोत्सव का आयोजन कर किया गया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि 21 जून को योग ऋषि स्वामी रामदेव के सानिध्य में गीता उपदेश स्थली ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र पर 1 लाख से भी अधिक लोगों की भागीदारी के साथ योगाभ्यास किया जाएगा। विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा ने करें योग, रहे निरोगका संदेश देते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन अपनी दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। 21 जून को पूरे प्रदेशभर से लाखों नागरिक इस स्वास्थ्य अभियान का हिस्सा बनेंगे।

बेटी बचाओ सामाजिक बदलाव का अभियान है: अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह समाज में सकारात्मक सोच और व्यवहारिक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है। जब तक बेटियों को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षित माहौल नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक विकास अधूरा रहेगा।

लिंगानुपात में सुधार तभी संभव है जब सभी विभाग मिलकर समन्वित रूप से कार्य करें और जागरूकता को जनआंदोलन में बदलें। यह बात स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के उपायुक्तों के साथ बैठक के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक में जिला उपायुक्त अजय कुमार ने कही। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी डीसी को निर्देश दिए कि जिले में लिंगानुपात में सुधार हेतु योजनाओं

को गंभीरता से लागू किया जाए। आरसीएच पोर्टल पर पंजीकरण की निगरानी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों की नियमितता और विभागीय तालमेल को मजबूत किया जाए ताकि हर स्तर पर अभियान के उद्देश्य पूरे हो सकें। बैठक में डीसी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि बिना आरसीएच आईडी के किसी भी अस्पताल या अल्ट्रासाउंड केंद्र द्वारा गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया जाना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों, स्वास्थ्य शिविरों, प्रेरक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डीसी अजय कुमार ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही बेटियों का भविष्य उज्जवल और सशक्त बनाया जा सकता है।

विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : विक्रम सिंह

एजेंसी

फरीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत फरीदाबाद जिले में घोषित हुई तथा चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, एफएमडीए, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीसी विक्रम सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी लंबित परियोजनाओं की अद्यतन रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी विभाग का कार्य बिना किसी वैध कारण के लंबित पाया गया, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध मुख्यालय को कार्रवाई की संस्तुति भेजी जाएगी। उपायुक्त ने छांयसा स्थित अटल

बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सेवाओं की प्रगति, प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और मरम्मत कार्यों, तथा नाहर सिंह क्रिकेट स्टेडियम के नजदीक पैरा स्पोर्ट्स सेंटर की बनाने, जेसी बोस विवि परिसर के नए परिसर संबंधित अपडेट, सुरूरपूर लिंक रोड निर्माण, पल्ला सेहतपूर सड़क चौड़ीकरण जैसी महत्वपूर्ण घोषणाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि इन परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लिया जाएगा। डीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन परियोजनाओं के लिए उच्च स्तर से अनुमोदन या स्वीकृति आवश्यक है, वे मामले तुरंत जिला प्रशासन के संज्ञान में लाए जाएं, ताकि राज्य या केंद्र स्तर पर आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जनता को मुख्यमंत्री घोषणाओं से सीधे लाभ दिलाना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। डीसी विक्रम सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों से कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लें और आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व सभी लंबित कार्यों की स्थिति रिपोर्ट प्रशासन को प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी का कर्तव्य है। बैठक में सीटीएम अंकित कुमार, एसीपी राजीव कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नारनौल में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सौंपा मांग पत्र

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने नारनौल में प्रदर्शन कर नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी को मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने उनकी मांगों को विधानसभा में सरकार के समक्ष उठाने की अपील की है। यूनियन के जिला प्रधान रमेश चन्द्र यादव की अध्यक्षता में दिए गए ज्ञापन में मुख्य मांगें हरियाणा कौशल रोजगार निगम, टर्म, आवंटी, दैनिक भोगी, पंचायत के अधीन, व अन्य सोर्स कर्मचारियों को 2024 अधिनियम के तहत नौकरी सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंनें कर्मचारियों को 2020, से 2023 तक कि एलटीसी दी जाए। हरियाणा कौशल रोजगार निगम पर 31 मार्च 2022 कि बजाय जुलाई 2022 से चढ़ाया जाए। केंद्र के समान सभी वेतन व भत्ते लागू किए जाएं। 2016 से बकाया एचआरए का भुगतान किया जाए। ड्यूटी के दौरान दुर्घटना होने पर 30 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए व परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाएं। मेडिकल कैशलेस कि सुविधा पूर्ण रूप से लागू की जाए। आश्रितों को जोड़ा जाएं, कैश लैस मैडिकल सुविधा उन हरियाणा कौशल रोजगार निगम कर्मचारियों पर भी लागू कि जाएं, जो की ईएसआई के दायरे से बाहर है। ज्ञापन देने वालों में पूर्व केंद्रीय संगठन सचिव राधेश्याम शर्मा, जिला उप प्रधान दिलिप कुमार, जिला प्रेस सचिव रामशरण यादव, उप प्रधान रामचंद्र शर्मा, कौशल के प्रधान शेर सिंह आदि शामिल रहे।

जिला में बेसहारा पशुओं की देखभाल हेतु डीसी की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई

एजेंसी

फरीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बेसहारा पशुओं की देखभाल एवं उनके रख-रखाव को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में यदि कोई भी बेसहारा पशु सड़क़ों, मुख्य मार्गों या सार्वजनिक स्थानों पर घूमता पाया जाता है, तो उसे नियमानुसार चिन्हित स्थलों या गो-आश्रय स्थलों पर पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं की खुले में आवाजाही से सड़क़ दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, जिससे पशुओं के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ऐसे स्थलों की पहचान करें जहाँ स्थायी गोशालाओं का निर्माण किया जा सके। इस प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं एवं पशुपालन

विभाग का सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने यह भी कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पशु कल्याण के साथ-साथ जन सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित विभागों को सख्ती से दिशा-निर्देशों का पालन करने और निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भरद्वाज, नगर निगम संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, सीटीएम अंकित कुमार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पानीपत में चल रहे फर्जी अस्पतालों पर सीएम फ्लाइंग का छापा, सामान जब्त

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में दो फर्जी अस्पतालों का भंडाफोड़ हुआ है। सीएम फ्लाइंग टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन पर रेड मारी। इस दौरान मौके से फर्जी डॉक्टरों और स्टाफ को पकड़ा गया है। जांच में पता चला है कि ये अस्पताल कई सालों से चल रहे थे। टीम को अस्पतालों में कई मरीज भी मिले, जिनका इलाज चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन मरीजों को निगरानी में ले लिया है।

मौके से बड़ी मात्रा में दवाइयां और अन्य चिकित्सा उपकरण भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल, टीम की कार्रवाई जारी है।जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग और सीएम फ्लाइंग टीम की यह रेड शहर के बीचों-बीच मॉडल टाउन में चल रहे दो अस्पतालों पर हो रही है। इनमें एक अस्पताल तो बच्चों का स्पेशलिस्ट बना हुआ है। जाटल रोड

स्थित देव ईएच क्लिनिक नाम के इस फर्जी अस्पताल के बाहर एक बोर्ड लगा हुआ है, जिस पर लिखा है कि हमारे यहां बच्चों और बड़ों की हर प्रकार की बीमारियों का इलाज किया जाता है दूसरा अस्पताल 8 मरला स्थित एसके क्लीनिक है। इसमें भी फर्जी डिग्रियों के आधार पर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। मरीजों को आकर्षित करने के लिए इन अस्पतालों ने हथकंडे अपनाए हुए थे। देव अस्पताल में एक बोर्ड लगाया हुआ था, जिस पर रोहतक क्लद्ध के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. अरूण महला का भी नाम लिखा हुआ है। बोर्ड पर दावा किया गया है कि डॉ. महला नवजात शिशुओं के स्पेशलिस्ट हैं और अस्पताल में इलाज भी करते हैं।इनके अलावा 4 और अन्य स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के पैनल को अस्पताल से जुड़े होने का दावा किया गया है। टीम ने जब यहां रेड की तो यहां कोई भी कोई एमबीबीएस डॉक्टर नहीं मिला। इसके बाद अस्पताल से मिली हर तरह की दवाइयों, और उपकरणों को टीम ने जब्त कर लिया है ।और उन्हें लैब में चेक किया जाएगा।

एससी एवं एसटी एक्ट के तहत दर्ज केसों में पीड़ितों को दी गई आर्थिक सहायता की हुई समीक्षा

- डीसी ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की त्रैमासिक बैठक की हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी अजय कुमार ने एस.सी./एस.टी. एक्ट के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीसी अजय कुमार ने मार्च माह से जून माह के बीच दर्ज किए गए मामलों की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एफआईआर दर्ज होते ही पीड़ितों को मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान की जाए, जिससे उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिले, बल्कि भावनात्मक रूप से भी संबल प्राप्त हो। डीसी अजय कुमार ने कहा कि समाज कल्याण विभाग संबंधित पीड़ितों से बैंक खाता संख्या व

आवश्यक दस्तावेज लेकर शीघ्रता से औपचारिकताएं पूरी करे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक के दौरान जिला कल्याण अधिकारी लालचंद ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि मार्च से जून तक की अवधि में एससी/एसटी एक्ट के तहत जिला स्तर पर कुल 6 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता की पहली किश्त दी जा चुकी है, जबकि 4 मामलों में दूसरी किश्त भी प्रदान कर दी गई है। उपायुक्त अजय कुमार ने बैठक में मौजूद गैर सरकारी सदस्यों से भी इस विषय पर प्रतिक्रिया ली और सुझाव आमंत्रित किए, ताकि पीड़ितों को अधिक प्रभावी ढंग से राहत पहुंचाई जा सके। बैठक में बादशाहपुर के एसडीएम संजीव कुमार, सहायक जिला न्यायवादी रोहित देशवाल, जिला कल्याण अधिकारी गुरुग्राम लालचंद, एसीपी (एससी/एसटी) एवं नोडल अधिकारी जय सिंह सहित गैर-सरकारी सदस्य कमल सिंह, नीलम एवं जगदीश सिंह मौजूद रहे।

इसराना को जल्द ही एक मॉडल कस्बे के रूप में विकसित किया जाएगा :एसडीएम

एजेंसी

पानीपत। पानीपत के एसडीएम नवदीप नैन ने इसराना की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कड़े निर्देश जारी किए। इसराना समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर क्षेत्र की समस्याएं रखीं। एसडीएम ने एसडीओ पंचायती राज और एसएचओ इसराना को बरसात से पहले अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। बस अड्डे पर पहले से ही कार्रवाई जारी है।

मिनी सचिवालय के लिए पंचायत ने छह एकड़ भूमि उपलब्ध करा दी है। उन्होंने बताया कि तहसील कार्यालय की नई बिल्डिंग अगस्त तक तैयार होगी और नई अनाज मंडी के पास कट खुलवाने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी को पत्र भेजा गया है। इससे किसानों को राहत मिलेगी। गांवों में जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए बीडीपीओ को निर्देश दिए गए हैं। प्रसिद्ध गुरुद्वारा इसराना साहिब के पास

नाले के पास हुए अतिक्रमण को हटाने और गंदे पानी की निकासी सुधारने के आदेश दिए गए हैं। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि इसराना को जल्द ही एक मॉडल कस्बे के रूप में विकसित किया जाएगा।

जल जीवन मिशन के तहत जिला के प्रत्येक घर में उपलब्ध करवाया जाए पीने का पानी

एजेंसी

जींद। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत जिला के प्रत्येक घर में पर्याप्त मात्रा में पीने के पानी की उपलब्धता व भविष्य के 30 वर्षों के लिए पानी के सुरक्षित नए स्त्रोत तैयार करने को लेकर जल जीवन मिशन के निदेशक व अतिरिक्त सचिव कमल किशोर सोन की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में हुई इस बैठक में जिला से उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा, जन स्वास्थ्य विभाग के जनस्वास्थ्य विभाग के एसई विक्रम मोर, कार्यकारी अभियंता गुरमीत सिंह, जिला सलाहकार रणधीर मताना व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कान्फ्रेंस में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने सचिव को आश्वस्त करते हुए बताया कि जिला के प्रत्येक घर में हर घर जल योजना के तहत जो लक्ष्य दिया गया है, उसे लगभग पूरा कर लिया गया है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जिला में एक लाख 90 हजार 363 रिहायशी

मकान हैं। विभाग द्वारा इन सभी घरों में पीने के पानी के कनेक्शन उपलब्ध करवा दिए गए है। इसके अलावा जिला के 726 राजकीय स्कूलों में भी पानी उपलब्ध करवाने का शतप्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। जिला में 1236 आंगनवाडी केंद्रों में भी पीने का पानी की उपलब्धता को लेकर जो लक्ष्य दिया गया है, विभाग द्वारा उसे पूरा कर लिया गया है। जिला में दो वाटर क्वालिटी टेस्टिंग लैब संचालित हैं। समय-समय पर जरूरत अनुसार इन लैबों के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर आमजन को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध करवाने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें।

एक पेड मां के नाम 2.0 अभियान के तहत जिला में लगाए जाएंगे दो लाख पौधे - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण हेतू जिला में करीब दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कुछ दिनों में स्थानों को चिन्हित कर इस अभियान को मिशन मोड में चलाया जाएगा। इस बार यह ध्यान रखा जाएगा कि जो भी पौधा रोपित किया जाए, उसकी देखभाल व रखरखाव भी उचित तरीके से हो, ताकि धरातल पर पेड़ों की संख्या में बढ़ोतरी हो। इसी प्रकार फिरोजपुर झिरका के गांव बसई मेव तथा आसपास के क्षेत्र में अरावली पर्वतमाला में भी अधिक से अधिक पेड़ लगाकर इस सघन जंगल में परिवर्तित किया जाएगा, ताकि अवैध खनन की संभावनाएं भी खत्म हो सकें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले मुख्य सचिव हरियाणा अनुराग रस्तोगी ने भी विडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस अभियान को लेकर विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। वीसी के बाद उपायुक्त ने कहा कि इस बार दो लाख लगाए जाएंगे, जिसमें जलशक्ति अभियान के तहत करीब 62 हजार पौधे लगाए जाएंगे। मनरेगा के तहत 40 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शिक्षा विभाग के माध्यम से पौधागिरी अभियान के तहत भी 85 हजार पौधे तथा करीब 50 हजार पौधे लोगों को निशुल्क बांटे जाएंगे। इसके लिए वन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत सभी नर्सरी पर पर्याप्त संख्या में पौधे रखें तथा डिमांड अनुसार नर्सरी के माध्यम से पौधे मुहैया करवाएं। सभी विभाग मानसून सीजन में पौधा रोपण करेंगे, इसके लिए वे भी अपनी डिमांड वन विभाग को दे दें। हर गांव में वन मित्र हैं, उनका भी इस अभियान में सहयोग लिया जाए। इस अभियान का उद्देश्य है, प्रत्येक व्यक्ति को इस धरती की सुरक्षा और हरियाली की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना। इस अभियान के तहत लगाए जाने वाले सभी पौधों की जीयो टैगिंग की जाए।

कालकाजी भूमिहीन कैंप पहुंचीं आतिशी को लिया हिरासत में, बाद में छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में झुग्गियों पर बुलडोजर की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचीं आम आदमी पार्टी की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार दिल्ली के गरीबों को उजाड़ने पर तुली है और झुग्गियों को तोड़ने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं झुग्गीवालों के हक में आवाज उठा रही हूं और इसके लिए मुझे जेल भेजा जा रहा है। भाजपा और रेखा गुप्ता को इन गरीबों की हाय लगेगी। आआपा का आरोप है कि भाजपा सरकार का असली नारा जहां झुग्गी, वहां बुलडोजर बन चुका है। पार्टी ने कहा कि मद्रासी कैंप, वजीरपुर और अब भूमिहीन कैंप- भाजपा लगातार गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है। बाद में आतिशी ने इसी मुद्दे पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा, लेकिन अब डीडीए और दिल्ली पुलिस ने भूमिहीन कैंप में झुग्गियों को गिराने की तैयारी कर ली है। आआपा नेताओं का आरोप है कि कोर्ट में भी डीडीए ने इन झुग्गीवासियों को मकान देने से इनकार किया है।

जलभराव से मुक्ति के लिए युद्धस्तर पर हो रहा काम : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज शास्त्री नगर स्थित 'इरिगेशन एंड फ्लड कंट्रोल' (आईएंडएफसी) विभाग के अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और आगामी मानसून को लेकर तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री वर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर नालों की सफाई, यमुना के जलस्तर की निगरानी और बाढ़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजधानी को जलभराव से निजात दिलाने के लिए सरकार पूरी संजीदगी के साथ जुटी है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, यह हमारा आईएंडएफसी कंट्रोल रूम है, जो दिल्ली के 77 बड़े नालों और यमुना नदी के जलस्तर की 24 घंटे निगरानी करता है। यहां से लगातार यह देखा जाता है कि बारिश के दौरान जलप्रवाह कितना है, अपस्ट्रीम से कितना पानी छोड़ा जा रहा है और उसका नीचे की तरफ क्या असर पड़ेगा। जब जलस्तर बढ़ता है, तो यहीं से तय किया जाता है कि चेतावनी कब जारी होनी है और किन इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जाना है। 15 जून से मानसून शुरू होते ही, पुलिस, एसडीएम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी यहीं से समन्वय स्थापित करेंगे, ताकि कोई चूक न हो। आज मैं इसी व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लेने आया था।

पेड़ लगाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः रविन्द्र इंद्राज सिंह

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी स्थित राजकीय सह-शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, सेक्टर-22 में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि जब हम बच्चों को प्रकृति से जोड़ने की कोशिश करते हैं तो वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। पेड़ जीवन के लिए अनिवार्य हैं और विज्ञान के अत्याधुनिक युग में भी इनका कोई विकल्प नहीं हैं। उन्होंने पेड़ लगाने को समय की मांग बताते हुए कहा कि पेड़ केवल छांव और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि यह सैकड़ों प्रकार के जीव-जंतुओं का आश्रय भी हैं। इनका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। रविन्द्र इंद्राज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान की सराहना करते हुए बताया कि इस वर्ष दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। समाज कल्याण मंत्री ने सभी बच्चों और शिक्षकों का इस प्रयास में भाग लेने के लिए आभार किया और आग्रह किया कि यह पहल केवल एक दिन की न होकर जीवनभर की आदत बने।

एसबीआई ने दिव्यांगों के लिए सफदरजंग अस्पताल में बनाए शौचालय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स ने दिव्यांगों की सुविधा के लिए सफदरजंग अस्पताल में विशेष शौचालयों की सुविधा प्रदान की है। इस सुविधा को एसबीआई सीएपीएस के सीएसआर फंड से विकसित किया गया है। इस परियोजना का नेतृत्व प्रोफेसर और सलाहकार प्रो. अमिता साहनी ने किया, जो स्वयं एक दिव्यांग व्यक्ति हैं। प्रो. साहनी ने स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में बुनियादी

सुविधाओं तक पहुंचने में दिव्यांगों के समक्ष आने वाली दैनिक चुनौतियों और कठिनाइयों को पहले से समझने के बाद पहल की। इस सुविधा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल, एसबीआई सीएपीएस के कार्यकारी उपाध्यक्ष मुकुल मोदी और सीनियर उपाध्यक्ष एस के अरोड़ा मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने की विदेश दौरे से लौटे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न देशों का दौरा कर वापस लौटे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। इस मुलाकात में सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों ने भाग लिया, जिन्होंने हाल ही में कई देशों का दौरा कर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ये मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी के आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई।

इन 7 प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के सांसदों के साथ-साथ पूर्व सांसद और अनुभवी राजनयिक शामिल थे। इन सभी ने अपने-अपने दौरे के अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार उन्होंने विभिन्न राष्ट्रों में भारत के दृष्टिकोण और मूल्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्होंने अपने विदेशी दौरों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के कठोर रुख और वैश्विक शांति के

प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को प्रमुखता से उजागर किया। उन्होंने यह भी बताया कि इन मुलाकातों के दौरान भारत की साख और विश्व में उसका प्रभाव और मजबूत हुआ। बता दें कि अलग-अलग दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों के कुल 7 समूह ने अलग-अलग देशों का दौरा कर आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को सामने रखा। भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को विदेश दौरे पर भेजने का फैसला किया था। ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए 26 पर्यटकों पर हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 33 से अधिक देशों का दौरा किया। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया। सात सांसदों ने अपने-अपने समूहों का नेतृत्व किया। चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें दो बीजेपी के, एक जेडीयू के और एक शिवसेना के सांसद शामिल थे। वहीं तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया, जिनमें एक-एक कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (शरदचंद्र पवार) से थे। पहले समूह का नेतृत्व भाजपा के बैजयंत पांडा ने किया। दूसरे समूह का नेतृत्व भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने किया।

दिल्ली कैबिनेटः स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर रोक के लिए अध्यादेश को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी है। इसका नाम द दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीज़) ऑर्डिनेंस, 2025 है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस संदर्भ में पत्रकार वार्ता में बताया कि यह फैसला लाखों छात्रों और उनके माता-पिता के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। मंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों से प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर कोई नियंत्रण नहीं था। इस अध्यादेश के माध्यम से माता-पिता के आर्थिक शोषण को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह अध्यादेश 01 अप्रैल 2025 से प्रभावी माना जाएगा। आशीष सूद ने कहा कि अध्यादेश को उपराज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। जैसे ही मंजूरी मिलती है, यह कानून के रूप में लागू हो जाएगा। शिक्षा मंत्री ने इस दौरान पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार में माता-पिता का लगातार आर्थिक शोषण होता रहा लेकिन अब, दिल्ली सरकार ने इस नाइंसाफी को खत्म करने का अहम फैसला किया है। आज का दिन मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक सुनहरा अवसर है। यह अध्यादेश निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने में मदद करेगा। दिल्ली में 1677 प्राइवेट स्कूलों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

प्रो. गौरव वल्लभ बने प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य

एजेंसी

नई दिल्ली। उदयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले और करीब 30,000 वोटों से हार का सामना करने वाले प्रोफेसर गौरव वल्लभ को अब केंद्र सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह परिषद देश के आर्थिक भविष्य को दिशा देने वाली सर्वोच्च सलाहकार संस्था मानी जाती है। उदयपुर से चुनाव हारने के कुछ समय बाद प्रो. गौरव वल्लभ ने बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। प्रो. गौरव वल्लभ उदयपुर के दामाद हैं और उनके ससुर अखिलेश जोशी हिंदुस्तान जिंक में सीईओ थे।

प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों में सुझाव देने वाली इस परिषद के चेयरपर्सन जाने-माने अर्थशास्त्री एस. महेंद्र देव हैं। गौरव वल्लभ को बतौर अर्थशास्त्री और वित्त विशेषज्ञ इस उच्चस्तरीय टीम में शामिल किया गया है। उनकी नियुक्ति को

सरकार ने आर्थिक नीति-निर्धारण में विविध दृष्टिकोण को समाहित करने की दिशा में एक अहम कदम बताया है। प्रो. गौरव वल्लभ देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में वित्त और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रह चुके हैं। उन्होंने कॉरपोरेट फाइनेंस, मैक्रोइकॉनॉमिक्स और सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों में शोध और अध्यापन किया है। उनके 100 से अधिक शोध लेख दुनिया के प्रमुख अकादमिक जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं, जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर एक गंभीर और प्रभावशाली विद्वान के रूप में पहचान मिली है। हालांकि वे कांग्रेस पार्टी के सक्रिय प्रवक्ता भी रहे हैं और टीवी डिबेट्स में अपनी स्पष्ट आर्थिक समझ के लिए जाने जाते हैं, पर बीजेपी ज्वाइन करने के बाद वे बीजेपी के प्रवक्ता बन गए।

क्लासरूम घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया को दूसरी बार भेजा गया समन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की तरफ से क्लासरूम घोटाला मामले में दूसरी बार समन भेजा गया है। इस बार उन्हें 20 जून को पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले भी उन्हें समन भेजा गया था, जिसमें उन्हें 9 जून को पेश होने के लिए कहा गया था। उन्होंने कुछ व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पेश होने से साफ इनकार कर दिया था, जिसके बाद अब उन्हें दूसरी बार यह समन भेजा गया है। इस मामले में सत्येंद्र जैन से भी पूछताछ हो चुकी है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। एसीबी ने 30 अप्रैल को मनीष सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

बता दें कि यह मामला करीब 2000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले से जुड़ा है। उन पर करीब 12,748 क्लासरूम और इमारतों के निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप है। एसीबी के मुताबिक क्लासरूम के निर्माण की लागत को असामान्य रूप से बढ़ाया गया। साथ ही जांच में यह भी पता चला कि क्लासरूम्स को सेमी-पर्मानेंट स्ट्रक्चर के रूप में बनाया गया। इसके अलावा, जिन ठेकेदारों को इसका ठेका मिला था, उनके संबंध 'आप' पार्टी से जुड़े थे। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बताया कि आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को सरकारी स्कूलों में 12,748 कक्षाओं के निर्माण में कथित 2,000 करोड़

रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में समन जारी किया है। उन दोनों पर बीते 30 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी।

आरोप है कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मनमाने तरीके से क्लासरूम की लागत और साइज बढ़ाकर इसका फायदा लिया। दोनों पर सरकारी नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगा। क्लासरूम बनाने की लागत 24.86 लाख रुपये बताई गई, जबकि दिल्ली में इसी तरह के निर्माण की लागत 5 लाख रुपये का खर्च आता है।

पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका हैः रक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारत की सेनाएं आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, यह तो पाकिस्तान ने भी %ऑपरेशन सिंदूर% के दौरान देख लिया है। मगर पाकिस्तान है कि एक जिद्दी बच्चे की तरह मानता ही नहीं है। इसलिए पूरी दुनिया के लिए यह जरूरी है कि पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर हर तरह का रणनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक दबाव बनाया जाए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, अपनी जमीन पर उन्हें ट्रेनिंग और कई तरह की मदद दी है। पहलगाम तो सिर्फ एक उदाहरण है, पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के गुनाहों की लिस्ट बहुत लंबी है। पाकिस्तान हर बार आतंकवाद को सही ठहराने की कोशिश में लगा रहता है। इसलिए जरूरी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में, हम सिर्फ आतंकवादियों

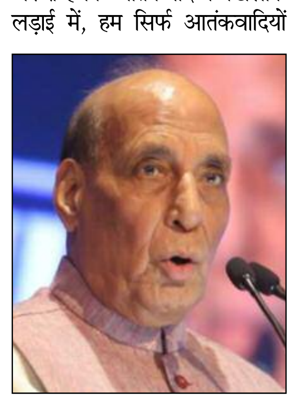

को ही नहीं, बल्कि उन्हें मदद करने वाले पूरे टेरर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी खत्म करें। रक्षा मंत्री ने कहा, मैंने तो पहले भी पाकिस्तान को सलाह दी थी और आज फिर कहना चाहता हूं कि अगर आपसे पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो भारत की मदद लीजिए।

रक्षा मंत्री का कहना था कि जब हम आतंकवाद के खतरे से मुक्त होंगे, तभी हम पूरी दुनिया में सही मायनों में शांति और प्रगति के साथ-साथ समृद्धि के लक्ष्य की तरफ बढ़ सकेंगे। यह सब तो पाकिस्तान की आम जनता भी चाहती है मगर वहां के हुक्मरानों ने पाकिस्तान को तबाही के रास्ते पर डाला हुआ है। कोई भी इंसान अपनी जड़ों को उजाड़ना नहीं चाहता, लेकिन चूंकि उनके पास कोई स्पष्ट दिशा नहीं है, कोई रोडमैप नहीं है, इसलिए पाकिस्तान में आतंकवाद एक धंधा बन चुका है। रक्षा मंत्री ने याद दिलाते हुए कहा कि यह वही देश है जहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे घोषित आतंकवादी खुलेआम घूमते हैं और जहर उगलते हैं। जहां आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान आर्मी के बड़े अफसर फातिहा पढ़ते नजर आते हैं। अब उसी पाकिस्तान से उम्मीद की जा रही है कि वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समुदाय का नेतृत्व करेगा, यह किसी क्रूर मजाक से कम नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नीयत और नीतियों दोनों पर गहरे सवाल खड़े करता है। यह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का उपहास है।

सबसे हालिया उदाहरण यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा पाकिस्तान को काउंटर टेररिज्म पैनल का उपाध्यक्ष बनाया गया है। हैरानी की बात यह है कि यह काउंटर-टेररिज्म पैनल 9-11 हमले के बाद गठित किया गया था। हम सब जानते हैं कि 9-11 का हमला किसने किया था। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि उस हमले के मास्टरमाइंड को पाकिस्तान ने शरण दी थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह तो एक तरह से बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने की बात हुई।

दिल्ली विधानसभा में 'पानी की कहानी' पुस्तक का लोकार्पण, जल संरक्षण का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज विधानसभा परिसर में आयोजित एक समारोह में पानी की कहानी पुस्तक का लोकार्पण किया। यह कार्यक्रम विधायी अध्ययन ब्यूरो और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

लोकार्पण अवसर पर विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जल जीवन का आधार है, लेकिन वर्तमान में हम एक गहरे जल संकट की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जल संरक्षण को केवल सरकारी दायित्व न मानते हुए इसे हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 'पानी की कहानी' पुस्तक विशेषकर युवाओं और छात्रों को जल की महत्ता समझाने और संरक्षण के व्यावहारिक उपायों को अपनाने की दिशा में प्रेरित करेगी। इस कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य और पुस्तक के लेखक संजय स्वामी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने जल संरक्षण को सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से जोड़ते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। अतुल कोठारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ विषय है। भारतीय परंपरा में जल को पूजनीय तत्व के रूप में देखा गया है और यह दृष्टिकोण आज पुनः अपनाने की आवश्यकता है।

कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल, शेखर यादव मामले में सरकार और चेयरमैन पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के मामले को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रेसवार्ता में सरकार और राज्यसभा चेयरमैन पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या शेखर यादव को बचाने की कोशिश की जा रही है? सिब्बल ने कहा कि शेखर यादव का बयान सार्वजनिक है और इसमें कोई दो राय नहीं है, फिर भी सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस प्रक्रिया को रोकने के लिए चेयरमैन ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को पत्र लिखा। सिब्बल ने कहा कि 13 फरवरी 2025 को राज्यसभा चेयरमैन ने बयान दिया था कि जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार संवैधानिक रूप से संसद और राष्ट्रपति के पास है। इसके बाद मार्च 2025 में राज्यसभा के महासचिव ने सीजेआई को पत्र लिखकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महाभियोग की प्रक्रिया संवैधानिक है और इसे संसद के जरिए ही आगे बढ़ाया जाएगा। सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब महाभियोग प्रस्ताव अभी स्वीकार भी नहीं हुआ है, तो इन-हाउस प्रक्रिया से इसका क्या संबंध है? उन्होंने कहा कि इन-हाउस प्रक्रिया इसलिए बनाई गई थी, ताकि अगर कोई हाई कोर्ट जज अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन न करे, तो उसकी जांच हो सके। सिब्बल ने जोर देकर कहा कि शेखर यादव का बयान सबके सामने है और उन्होंने इसे नकारा भी नहीं है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए था कि क्या ऐसा जज अपनी कुर्सी पर बैठने के लायक है। उन्होंने कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया अलग है और इसका इन-हाउस जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर सरकार को यह प्रक्रिया पसंद नहीं, तो इसे रद्द करने

का अलग तरीका है। सिब्बल ने चेयरमैन के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें शेखर यादव मामले की जानकारी पब्लिक डोमेन से मिली। सिब्बल ने पूछा, अगर पब्लिक डोमेन की जानकारी के आधार पर चेयरमैन ने सीजेआई को पत्र लिखा, तो जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में ऐसा क्यों नहीं किया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच की खबरें भी पब्लिक डोमेन में थीं।

द्वारका सेक्टर 13 स्थित सबद अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, फ्लैट की बालकनी से कूदने पर पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 स्थित सबद अपार्टमेंट में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। सातवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में अचानक आग लगने के बाद दो बच्चे और उनके पिता ने जान बचाने के लिए बालकनी से छलांग लगा दी। तीनों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग पर काबू पाने का प्रयास जारी था, लेकिन इस दौरान फ्लैट में फंसे परिवार ने घबराहट में यह खतरनाक कदम उठा लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आग लगने के समय फ्लैट में 35 वर्षीय यश यादव और उनके दो बच्चे मौजूद थे – एक 10 वर्षीय लड़का और एक 10 वर्षीय लड़की। दोनों बच्चों ने खुद को आग से बचाने के लिए बालकनी से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल बच्चों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बच्चों की मौत की खबर सुनने के बाद पिता यश यादव ने भी बालकनी से कूदने का प्रयास किया। उन्हें ढ्ढलढ्ढ

अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। आग लगने के कारणों की जांच जारी है, हालांकि शुरुआती जानकारी के मुताबिक शॉर्ट सर्किट को आग की वजह माना जा रहा है। फ्लैट में अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते राहत एवं बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा।

गरीबों के पक्ष में खड़े होने के चलते हमारे नेताओं को किया जा रहा गिरफ्तार : केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में बुलडोज़र कार्रवाई को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार गरीबों के आशियाने उजाड़ने पर तुली हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा सरकार कालकाजी में बुलडोजर चलवाकर झुग्गी-झोपड़ियों को तोड़ रही है, और जब स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। आतिशी ने बताया कि वह जब स्थानीय निवासियों से मिलने मौके पर पहुंचीं, तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। उनका आरोप है कि यह कार्रवाई जानबूझकर की गई है ताकि आम आदमी पार्टी के नेता गरीबों के साथ खड़े न हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें कालकाजी से करीब 43 किलोमीटर दूर बाबा हरिदास नगर थाने (झरोड़ा कलां) में हिरासत में रखा गया है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी

है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भाजपा सरकार पूरी दिल्ली में गरीबों के आशियाने उजाड़ रही है, लोगों को बेघर कर रही है। जब आम आदमी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी होती है और उनकी आवाज उठाती है, तो हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर लिया जाता है। आज नेता विपक्ष आतिशी को हिरासत में लिया गया - ये तानाशाही है।÷ केजरीवाल ने कहा कि चाहे भाजपा उनके सभी नेताओं को गिरफ्तार कर ले, लेकिन उनकी पार्टी दिल्ली के आम नागरिकों और गरीबों के हक में आवाज उठाना जारी रखेगी। उन्होंने इस कार्रवाई को लोकतंत्र का गला घोंटने वाला कदम बताया। इस पूरी घटना को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। पार्टी ने ऐलान किया है कि वह इस बुलडोजर कार्रवाई और पुलिसिया दमन के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

सांसद खंडेलवाल ने चांदनी चौक का व्यापक निरीक्षण किया, अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक को भारत के प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रमुख स्थानों का व्यापक निरीक्षण किया। सांसद खंडेलवाल ने मौके पर ही कमियों को दूर करने और सुधार कार्यों को गति देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सांसद खंडेलवाल के निरीक्षण की शुरुआत लाल क़िला के पास स्थित गौरी शंकर मंदिर से हुई। उन्होंने बताया कि यह यात्रा दीवान हॉल रोड, साइकिल मार्केट, भागीरथ महल, शीशगंज गुरुद्वारा के सामने, फतेहपुरी मस्जिद चौक, खारी बावली, कुतुब रोड, सदर बाज़ार बड़ा टूटी चौक तक जारी रही। खंडेलवाल ने बताया कि स्थायी अतिक्रमण बिंदुओं के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की चिंताओं को भी नजदीकी से देखा। निरीक्षण का मुख्य ध्यान फुटपाथों और सड़कों पर किए गए अतिक्रमण पर था, विशेष रूप से फतेहपुरी मस्जिद चौक और शीशगंज गुरुद्वारा के सामने, जहां फुटपाथों को शेड्स से ढक दिया गया है और एयर कंडीशनर और कूलर लगाए गए हैं, जिससे पैदल यातायात लगभग असंभव हो गया है। उन्होंने पुलिस और अन्य अधिकारियों से कुतुब रोड रेलवे पुल और सदर बाज़ार में अतिक्रमण पर नियंत्रण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान खंडेलवाल ने कहा कि आज चांदनी चौक अराजकता का शिकार है, क्योंकि विभिन्न एजेंसियों के बीच कोई समन्वय नहीं है। इस कमी ने भारत के सबसे प्रतिष्ठित वाणिज्यिक क्षेत्रों में से एक को उपेक्षा की स्थिति में डाल दिया है। इसके लिए तत्काल एकता और उद्देश्य लाने की जरूरत है। निरीक्षण के दौरान कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी साथ रहे, जिनमें डीसी सिटी एसपी जोन, डीसीपी नॉर्थ, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, डीयूएसआईबी, बीएसईएस, और शाहजहानाबाद पुनर्विकास प्राधिकरण शामिल थे। उन्होंने मौके पर ही कमियों को दूर करने और सुधार कार्यों को गति देने के निर्देश दिए गए।खंडेलवाल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ एक व्यापक बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी, ताकि पुरानी ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान किया जा सके ।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों को अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है।

मुदा घोटाला मामले में ईडी ने बेंगलुरु में 100 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) यानी मुदा घोटाला से जुड़े मामले में बेंगलुरु में 92 भूखंडों को अस्थायी रूप से जब्त किया है, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने कहा कि इस घोटाले में मंगलवार को एक बयान में बताया कि अब तक जब्त की गई कुल संपत्तियों की राशि 400 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। केंद्रीय एजेंसी के मुताबिक यह ताजा कार्रवाई चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें अबतक 400 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं।

ईडी ने आरोप लगाया है कि ये संपत्तियां हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटीज और व्यक्तियों जैसे संस्थाओं के नाम पर पंजीकृत हैं, जो मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों सहित प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए मुखौटा या डमी हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में मुदा साइटों के आवंटन से जुड़े बड़े पैमाने पर घोटाले का पता चला है। एजेंसी का दावा है कि फर्जी आवंटन करने के लिए वैधानिक प्रावधानों और सरकारी आदेशों या दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया है।

चुनिंदा दालों में तेजी, खाद्य तेल नरम

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आज आवक बढ़ने से खाद्य तेलों में भारी गिरावट देखी गयी जबकि मांग निकलने से चुनिंदा दाल दलहन में तेजी रही। इस दौरान मीठे के बाजार में टिकाव रहा।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 40 रिंगिट उतरकर 3880 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.15 सेंट की तेजी के साथ 47.53 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 512 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 1099 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 365 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। इस दौरान सरसों तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में चुनिंदा दाल दलहनों में तेजी रही। इस दौरान मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी जबकि चना, चना दाल और मसूर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.31 प्रतिशत बढ़कर 65.18 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.97 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

विश्व बैंक ने की भारत के विकास पूर्वानुमान में 0.40 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली । विश्व बैंक ने व्यापार तनाव और नीति अनिश्चितता के बढ़ने से वैश्विक विकास दर के इस साल 2008 की वैश्विक मंदी के बाद सबसे कम रहने की उम्मीद जताते हुये भारत सहित दुनिया की लगभग 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्थाओं के विकास पूर्वानुमान में कटौती कर दी है। चालू वित्त वर्ष में भारत के विकास पूर्वानुमान को 0.40 प्रतिशत की कटौती करते हुये 6.3 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक की नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के कारण सभी क्षेत्रों और आय समूहों में लगभग 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्थाओं में विकास पूर्वानुमान में कटौती की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी के अनुमानों की तुलना में पूर्वानुमान में 0.4 प्रतिशत की कमी की गई है। इसके लिए प्रमुख व्यापार भागीदारों में कमजोर गतिविधि और वैश्विक व्यापार बाधाओं में वृद्धि के कारण निर्यात में कमी को जिम्मेदार बताया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाले अगले दो वित्तीय वर्षों में, वृद्धि दर औसतन 6.6 प्रतिशत प्रति वर्ष तक पहुँचने की उम्मीद है, जिसे आंशिक रूप से निर्यात में वृद्धि में योगदान देने वाली मजबूत सेवा गतिविधि का समर्थन मिल सकता है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027-28 में 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

मई में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध प्रवाह में 22 प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली। भारत में मई में सीमा पर तनाव के बीच शेयर केंद्रित म्युचुअल फंडों शुद्ध निवेश में मासिक आधार पर करीब 22 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद म्युचुअल फंड कंपनियों के प्रबंध के अंतर्गत कुल परिसंपत्तियों (एयूएम) सालाना आधार पर 12 प्रतिशत और मासिक आधार पर 0.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 72.19 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुँच गई। जबकि अप्रैल में एयूएम 69.99 लाख करोड़ रुपए था। देश में म्यूचुअल फंड कंपनियों की एसोसिएशन (एएमएफआई) की ओर से जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार कुल एयूएम में ओपन-एंडेड योजनाओं का हिस्सा 99.6 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक रहा जो उनके प्रति निवेशकों के मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार शेयरों पर केंद्रित म्यूचुअल फंड में निवेश मई में शुद्ध निवेश मासिक आधार पर 21.66 प्रतिशत घटकर 19,013 करोड़ रुपये रह गया। यह इक्विटी फंड में लगातार पांचवें महीने निवेश में गिरावट है।

जोरदार लिस्टिंग के बाद गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। बाथरूम एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों की आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर जबरदस्त एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 49 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर इसकी एंट्री 20.41 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 59 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे ये शेयर टूट कर 56.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 14.39 प्रतिशत के फायदे में हैं। गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मामूली रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.73 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 66.63 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए इक्विपमेंट खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ऊर्जा अधिशेष के रूप में उभर रहा भारत : मनोहर लाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिछले दो महीने के दौरान देश में बिजली की कोई कमी नहीं हुई है। भारत ऊर्जा अधिशेष राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। सरकार का लक्ष्य पूरे देश में 100 फीसदी घरों में बिजली पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में बिजली के क्षेत्र में 11 वर्षो के परिवर्तनकारी विकास पर प्रकाश डालते हुए यह बात कही। वित्त वर्ष 2024-25 में बिजली की कमी 0.1 फीसदी रही है।

मनोहर लाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी को हर समय बिजली उपलब्ध कराना है और सरकार का लक्ष्य पूरे देश में 100 फीसदी घरों में बिजली पहुंचाना है।केंद्रीय बिजली मंत्री ने दावा किया है कि भारत अपनी सभी बिजली मांगों को पूरा करने वाला बिजली संपन्न देश बन गया है और बिजली अधिशेष वाले देश की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कहा कि भंडारण परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) शुल्क की छूट को 30 जून, 2028 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे इस तिथि से पहले आवंटित पंप स्टोरेज परियोजनाओं और चालू की गई बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को लाभ होगा। यह विस्तार भारत की बढ़ती भंडारण जरूरतों को पूरा करने और ट्रांसमिशन लाइनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सर्राफा बाजार में लगातार चौथे दिन सोने की कीमत में गिरावट, चांदी में तेजी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये से लेकर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,440 रुपये से लेकर 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में भी आज तेजी का रुख नजर आ रहा है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,000 रुपये महंगी होकर 1,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद बढ़त हासिल करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद बिकवाली के दबाव में बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ग्रासिम इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4.08 प्रतिशत से लेकर 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ और एटरनल के शेयर 1.26 प्रतिशत से लेकर 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,427 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,540 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 887 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

वित्त मंत्री ने एफएसडीसी की बैठक में दावा न की गई संपत्तियों की त्वरित वापसी और निर्बाध केवाईसी पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनियामकों और विभागों से समन्वित बहु-एजेंसी विशेष जिला स्तरीय शिविरों का आयोजन करके दावा न किए गए धन के असली मालिकों को धन वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। साथ ही उन्?होंने सभी संस्थानों में अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) मानदंडों को सरल बनाने पर जोर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुंबई में आयोजित वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 29वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। अपने संबोधन में वित?त मंत्री ने आम नागरिकों के हितों की रक्षा करने और अधिक उत्तरदायी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एफएसडीसी भारत में वित्तीय क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए अंतर-नियामक समन्वय को और मजबूत करेगा। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री ने विनियामकों और विभागों से समन्वित बहु-एजेंसी विशेष जिला स्तरीय शिविरों का आयोजन करके दावा न की गई राशि के वास्तविक मालिकों को धन वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और वास्तविक दावेदारों के दावों को वापस किया जाना चाहिए। उन्होंने एफएसडीसी से वित्तीय क्षेत्र में निर्बाध केवाईसी प्रक्रियाओं के लिए आगे सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया, ताकि उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। सीतारमण ने एफएसडीसी की बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ विनियमों की जवाबदेही बढ़ाने, दावा न की गई संपत्तियों में कमी लाने और रिफंड में तेजी लाने, केवाईसी प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने, निवेश अनुपात बढ़ाने, फैक्टरिंग सेवाओं में और सुधार करने तथा अकाउंट एग्रीगेटर नेटवर्क को बेहतर बनाने पर चर्चा की। इस बैठक में वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा और पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और मुख्य आर्थिक सलाहकार भी मौजूद रहे।

एसोचैम और स्विसमेम ने व्यापार, निवेश के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग मंडल एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के उद्योग संगठन स्विसमेम के साथ व्यापार एवं निवेश से संबंधित मुद्दों पर सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा प्रसार के लिए को एक समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में यह समझौता स्विट्जरलैंड के बर्न में किया गया है। इस समझौता ज्ञापन का मकसद दोनों देशों के विदेशी व्यापार से संबंधित तकनीकी हस्तांतरण, आर्थिक सहयोग, निवेश के अवसर, व्यापार मेले, प्रदर्शनियां, नीतियां और आर्थिक कानून जैसे क्षेत्रों में सहयोग करना है। इसके साथ ही दोनों उद्योग मंडल व्यापार मिशन, परियोजना अध्ययन समूहों, आयात, निर्यात, व्यापार और निवेश संबंधों के बदले में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इसके अलावा सहयोग के क्षेत्रों में दोनों संगठनों के सदस्यों के हित में व्यापार एवं निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त गतिविधियों की खोज तथा उनका आयोजन करना भी शामिल है। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में लिखा है, स्विस फेडरल काउंसिलर के उपाध्यक्ष गाइ परमेलिन के साथ मशीनरी, इलेक्ट्रिकल और मेटल उद्योग पर एक उत्पादक बिजनेस राउंडटेबल की सह-अध्यक्षता की। इसके साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने, साझेदारी को सुविधाजनक बनाने और संयुक्त कार्यबल प्रशिक्षण पर चर्चा की।

कैंसर के उपचार टिब्सोवो कैपसूल बाजार में जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस की प्रमुख फार्मा कंपनी सर्विअर समूह की भारतीय शाखा सर्विअर इंडिया ने कैंसर मरीजों के उपचार के लिए इवोसिडेनिब (टिब्सोवो) कैपसूल जारी करने की घोषणा की है। सर्विअर इंडिया ने मंगलवार को यहां बताया कि यह दवा उन कैंसर मरीजों के उपचार के लिए जारी की गई है जो तीव्र मायलॉइड ल्यूकेमिया और कोलेन्जियोकार्सिनोमा से ग्रस्त हैं और जिनमें आइसोसाइट्रेट डीहाइड्रोजनेज-1 म्यूटेशन पाया गया है। कंपनी के अनुसार इस दवा को आयात, बिक्री और वितरण के लिए 14 मई को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मंजूरी मिली है। एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया एक जटिल रक्त संबंधी कैंसर है। अध्ययनों के मुताबिक, भारत में इससे पीड़ित केवल 30-40 प्रतिशत मरीजों को ही उचित उपचार मिल पाता है। बीमारी तेजी से बढ़ने और संक्रमण की वजह से इन मरीजों में मृत्यु दर काफी अधिक होती है। वहीं कोलेन्जियोकार्सिनोमा एक दुर्लभ प्रकार का ट्यूमर होता है, जो पित्त नलिका से उत्पन्न होता है। सर्विअर इंडिया के प्रबंध निदेशक ऑरेलियन ब्रेटन ने कहा कि कैंसर पीड़ित मरीजों तक अत्याधुनिक और सटीक उपचार पहुँचाना कंपनी का मुख्य उद्देश्य है।

थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम में 25 फीसदी तक वृद्धि संभव, सरकार कर रही है समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार मोटर थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह सुझाव बीमा क्षेत्र के नियामक भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने दिया है। आईआरडीएआई ने औसतन 18 फीसदी थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ाने का सुझाव दिया है, जबकि कुछ गाड़ियों की कैटेगरी में यह बढ़ोतरी 20 से 25 फीसदी तक हो सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की सिफारिशों के बाद मोटर थर्ड पार्टी (टीपी) बीमा प्रीमियम बढ़ाने के प्रस्ताव की सक्रियता से समीक्षा कर रहा है। इस प्रस्ताव में 18 फीसदी की औसत वृद्धि का सुझाव दिया गया है, जिसमें कम से कम एक वाहन श्रेणी के लिए 20-25 फीसदी की तीव्र वृद्धि शामिल है। जानकारों का कहना है कि अगले 2-3 हफ्तों में इस मामले में अंतिम निर्णय की उम्मीद है, जिसके बाद मानक नियामक अभ्यास के अनुसार सार्वजनिक परामर्श के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी की जा सकती है। मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन सार्वजनिक सलाह-मशवरा के लिए जारी किया जाएगा। इसके बाद अन्य प्रक्रिया जैसे सुझाव लेना और समीक्षा करना किया जाएगा, तभी यह बदलाव लागू होंगे।

क्या होता है थर्ड पार्टी इंश्योरेंसः मोटर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस, किसी सड़क हादसे में तीसरे पक्ष को होने वाले नुकसान की भरपाई करता है। इसका मतलब यह है कि अगर आपकी गाड़ी से किसी व्यक्ति को चोट लगती है या उसकी संपत्ति को नुकसान होता है तो इस बीमा से उसका खर्च कवर होता है। यह इंश्योरेंस मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के तहत अनिवार्य है। इस बीमा का मकसद यह है कि अगर आपकी गाड़ी से किसी और को नुकसान होता है तो वह खर्च बीमा कंपनी दे सके। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन-चार सालों से मोटर थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम में कोई बदलाव नहीं किया गया था, जबकि इस सेक्टर में कई तरह की अनिश्चितताएं बनी हुई थीं। बीमा कंपनियां नियामक से प्रीमियम को बढ़ाने की मांग लगातार करता आ रहा है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि अगर 20 फीसदी तक प्रीमियम बढ़ाया जाता है, तो इससे बीमा कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है, जिससे इस सेक्टर को राहत मिल सकती है।

नहीं होगी चूक, हम हैं तैयार: अभिषेक मोहन गुप्ता

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग 2024 की उपविजेता भोपाल लेपर्ड्स इस बार जोरदार वापसी के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है। इस सीजन में भोपाल लेपर्ड्स की शुरुआत 13 जून को जबलपुर रॉयल लायंस के खिलाफ होने वाली है। टीम इस सीजन के लिए दिन के साथ ही भविष्य की परिस्थितियों के अनुरूप फ्लडलाइट्स में भी खूब पसीना बहा रही है। अभ्यास सत्र के दौरान भोपाल लेपर्ड्स के मालिक अभिषेक मोहन गुप्ता ने कहा, इस बार हमारे पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था और हम इसका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। हमने मैदान में फ्लडलाइट्स के नीचे अच्छी प्रैक्टिस की है और हम अपनी तैयारियों लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं। पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टीम ने अपने दल को रणनीतिक रूप से और मजबूत किया है ताकि संतुलित और शक्तिशाली टीम के साथ मैदान में उतर सकें। टीम की तैयारियों के बारे में गुप्ता ने आगे कहा, इस बार हमारा पूरा प्रयास है कि पिछली बार जो चूक हुई थी वहां से एक कदम आगे बढ़ाते हुए ट्रॉफी हासिल कर सकें। हमने अलग-अलग भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को जोड़ा है। इस बार हमारी टीम पहले से ज्यादा संतुलित है। हमने तैयारी के लिए काफी समय निकाला और मुझे लगता है कि यही चीजें हमें टूर्नामेंट के अंत में टॉप पर पहुंचाएंगी।

जेएससीए ने एमएस धोनी के आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने का जश्न मनाया

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने आईसीसी हॉल ऑफ फेम में एमएस धोनी के शामिल होने के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया। खबर है कि 2025 बैच के हिस्से के रूप में, धोनी की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पूर्व संध्या पर की गयी, जिसमें क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी गयी। अपने शानदार 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान धोनी ने कई पुरस्कार जीते। भारत को कई जीत दिलाई और क्रिकेट के महान दिग्गजों में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया। जेएससीए समारोह में अजय नाथ शाहदेव (अध्यक्ष), संजय पांडे (उपाध्यक्ष), सौरभ तिवारी (सचिव), अमिताभ घोष (कोषाध्यक्ष), और अन्य सम्मानित समिति के सदस्यों के साथ-साथ एसोसिएशन के सदस्य शामिल हुए।

हॉकी इंडिया ने 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी 4 नेशंस टूर्नामेंट के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की, जो 21 से 25 जून तक जर्मनी के बर्लिन में आयोजित होगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता चार मजबूत टीमों भारत, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और मेज़बान जर्मनी के बीच खेली जाएगी। प्रतियोगिता के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक टीम एकल राउंड-रॉबिन पूल चरण में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एक वर्गीकरण मैच खेलेंगी। यह टूर्नामेंट भारतीय जूनियर टीम के लिए एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारी का अहम हिस्सा होगा, जो इस साल के अंत में चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित होगा। भारतीय टीम की कमान अरिजीत सिंह हंडल के हाथों में होगी, जो अपनी आक्रामक क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए हमेशा प्रशंसा प्राप्त करते हैं। डिफेंडर अमीर अली, जो अपनी ठंडक और अनुभव के लिए जाने जाते हैं, को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट और टीम के बारे में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, '4 नेशंस टूर्नामेंट हमारे एफआईएच जूनियर विश्व कप की तैयारी के रोडमैप का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अर्जेंटीना ने मेसी के बिना खेलना सीख लिया : स्कैलोनी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कैलोनी ने कोलंबिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबले से पहले कहा कि उनकी टीम अब लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति में भी बिना किसी समस्या के खेल सकती है और अब उन्हें लाइन-अप में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ती। मेसी ने 2005 में अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और अब तक 192 मैचों में 112 गोल किए हैं। उन्होंने 2022 में वर्ल्ड कप, दो कोपा अमेरिका खिताब और 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता है। 37 वर्षीय मेसी मार्च में हुए उरुग्वे के खिलाफ 1-0 की जीत और ब्राजील के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत में चोट के कारण नहीं खेले थे, लेकिन अर्जेंटीना ने उस अंतरराष्ट्रीय ब्रेक में 2026 वर्ल्ड कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली थी। मेसी इस महीने के वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए टीम में लौटे और चिली के खिलाफ 1-0 की जीत में उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। स्कैलोनी ने ब्यूनस आयर्स में पत्रकारों से कहा, अब टीम इस स्थिति में है कि वह मेसी के साथ या बिना एक ही तरह से खेल सकती है।

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है।

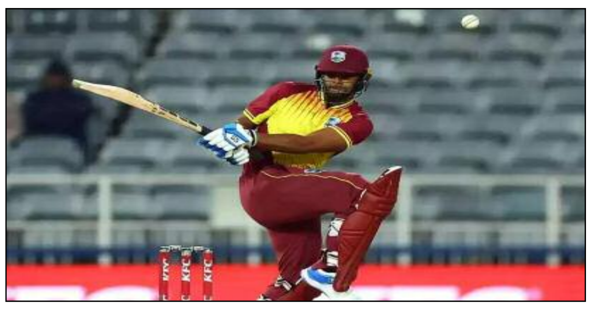

उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कुल 524 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 196.25 रहा और उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े। अब एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी का जिम्मा संभालते हुए निकोलस पूरन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी का जलवा अमेरिका की लीग में दिखाने को तैयार हैं।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर - वांग युडोंग के पेनल्टी गोल से चीन ने बहरीन को 1-0 से हराया

एजेंसी

चोंगकिंग। 18 वर्षीय युवा फारवर्ड वांग युडोंग द्वारा इंजरी टाइम में किए गए पेनल्टी गोल की बदौलत चीन ने बहरीन को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफाइंग अभियान का समापन जीत के साथ किया।

पिछले गुरुवार को क्रमशः इंडोनेशिया और सऊदी अरब से हारने के बाद चीन और बहरीन दोनों ही टीमें ग्रुप स्टेज से बाहर हो चुकी थीं और एशियाई क्वालिफायर प्लेऑफ के अगले चरण में जगह नहीं बना सकीं। सम्मान के मैच कहे जा रहे इस अंतिम मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के पास गोल करने के बहुत कम मौके आए। दूसरे हाफ में चीन ने बेहतर नियंत्रण दिखाया। वांग युडोंग ने बाएं छोर से लगातार आक्रमण किए और कई बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन बहरीन के गोलकीपर ने उनके सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया।

आखिरकार, 93वें मिनट में वांग को अपनी मेहनत का फल मिला। वांग झिमिंग की क्रॉस गेंद पर बहरीन के डिफेंडर के हैंडबॉल करने पर चीन को पेनल्टी मिली, जिसे वांग युडोंग ने शांत चित्त होकर गोल में बदलते हुए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज किया। इस जीत के साथ चीन ने क्वालिफायर अभियान में कुल 9 अंक (3 जीत, 7 हार) अर्जित किए और ग्रुप सी में पांचवें स्थान पर रहा, बहरीन से तीन अंक आगे। ग्रुप सी की टॉप टीम जापान पहले ही अगले साल के विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जबकि दूसरा स्थान सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीधे मुकाबले से तय होगा।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए।

बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है – मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया। दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है। अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेजुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राज़ील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राज़ील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली।इस जीत के साथ ब्राज़ील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राज़ील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है

जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली। 2022 कतर विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली इक्वाडोर की टीम अब पांचवीं बार विश्व कप में खेलेगी। पेरू के खिलाफ मुकाबले में इक्वाडोर को रेड कार्ड मिलने के बावजूद टीम ने साहसिक प्रदर्शन करते हुए जरूरी एक अंक हासिल किया। इन दोनों परिणामों के बाद दक्षिण अमेरिका से विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने वाली दो और टीमों का नाम तय हो गया है।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स: अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज़्बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

अल्माडा ने दिलाई अर्जेंटीना को राहत

ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गई जब एंज़ो फर्नांडीज को

दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया की शानदार वापसी और क्वालिफिकेशन पक्का: जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की। जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप ष्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप् में पहले स्थान पर रहा।

आईओसी अध्यक्षीय हस्तांतरण समारोह 23 जून को

एजेंसी

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक 23 जून को एक विशेष समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किर्स्टी कोवेंट्री को सौंपेंगे। यह हस्तांतरण समारोह आईओसी मुख्यालय 'ओलंपिक हाउस' में सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 2~30 बजे से 3~45 बजे तक) आयोजित किया जाएगा। थॉमस बाक ने 2013 में ब्यूनस आयर्स में आयोजित 125वें आईओसी सत्र में चुनाव जीतकर नौवें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने आठ वर्षों का पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद मार्च 2021 में बिना किसी विरोध के पुनः निर्वाचित होकर दूसरा चार वर्षीय कार्यकाल शुरू किया। मार्च 2025 में ग्रीस में आयोजित 144वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें आईओसी का आजीवन मानद अध्यक्ष चुना गया। वहीं, मार्च 2025 में चुनी गई किर्स्टी कोवेंट्री आईओसी की 10वीं अध्यक्ष बनने जा रही हैं। वे इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली अफ्रीकी और पहली महिला अध्यक्ष होंगी।यह समारोह आईओसी मीडिया के यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित किया जाएगा, जिसे दुनियाभर के दर्शक देख सकेंगे।

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए 'गेम-चेंजर' बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं।एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग

को लेकर उत्साहित होगा। उन्होंने कहा, इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे। अंत में उन्होंने कहा, चूंकि लीग बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है और विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा होंगे, तो यह युवाओं को इस खेल के प्रति आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे नई पीढ़ी को शूटिंग को जानने और सीखने का बड़ा मौका मिलेगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर: डी ब्रून ने बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ दिलाई रोमांचक जीते

ब्रुसेल्स। केविन डी ब्रून ने अंतिम क्षणों में गोल कर बेल्जियम को वेल्स के खिलाफ 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई। हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबले में बेल्जियम ने शुरुआती बढ़त गंवा दी थी, लेकिन डी ब्रून के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल ने मेज़बान टीम को राहत की सांस दी। बेल्जियम ने पहले हाफ घंटे के भीतर ही 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। 15वें मिनट में रोमेलु लुकाकू ने पेनल्टी पर गोल करके खाता खोला, इसके बाद कप्तान यूरी टीलमैंस ने 19वें और जर्मी डोकू ने 27वें मिनट में गोल दागे। हालांकि, वेल्स ने शानदार वापसी की। हाफ टाइम से ठीक पहले हैरी विल्सन ने पेनल्टी के जरिए वेल्स का खाता खोला। इसके बाद दूसरे हाफ में सोरबा थॉमस और ब्रेनन जॉनसन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए। मुकाबले की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई। चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते

हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।इसके बाद भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खेल दिखाया और बेल्जियम के आखिरी समय में किए गए लगातार हमलों को नाकाम कर दिया। इस जीत के साथ भारत ने बेल्जियम के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय जूनियर महिला टीम अब अपने यूरोप दौरे का अंतिम मुकाबला 12 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

साउथैम्पटन। इंग्लैंड ने साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

डकेट और स्मिथ की धमाकेदार शुरुआत

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े।जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके।

इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

डकेट बने इंग्लैंड के भरोसेमंद ओपनर

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

वेस्टइंडीज के लिए चिंता की घड़ी

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज़ निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

स्कोरकार्ड :

इंग्लैंड: 248/3 (बेन डकेट 84, जेमी स्मिथ 60*, जैकब बेथेल 36*)

वेस्टइंडीज: 211/8 (रोवमैन पॉवेल 79*, शाई होप 45, मार्क वुड 3/31)

इंग्लैंड ने मैच 37 रन से जीता, सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

नाश्ता हो पौष्टिक

अक्सर बच्चों, दफ्तर जाने वाले या कहीं और काम पर निकलने वाले पति तथा खुद महिला के लिए नाश्ता और वो भी सेहत के लिए मुफीद नाश्ता तैयार करने का टेंशन होता है। ऐसा नाश्ता जो बच्चों के लिए पौष्टिक हो, पतिदेव के लिए शक्तिवर्धक हो और दिनभर घर पर गृहस्थी के काम करने के लिए उसे भीतर से ऊर्जा देता रहे।

महंगाई के इस दौर में हर एक के लिए सूखे मेवे, अंडे या मक्खन डबल रोटी खाना थोड़ा कठिन है। पैसे का भी शायद इतना सवाल न हो, जितना यह कि हर कोई यह नाश्ता नहीं खा सकता। वैसे भी जब शाकाहारी और सस्ते नाश्ता का विकल्प मौजूद हो तो उसे अपनाने में क्या हर्ज है।

दलिया- गेहूं के दलिए का नाश्ता काफी दिनों से प्रचलित है। गेहूं को ऐसा पिसवा लें कि उसके दो या तीन टुकडे से ज्यादा न हों। उन्हें रात में भिगो दीजिए। सुबह उसे उबालकर एक कप दूध के साथ यूं ही सादा खाइए। इससे जितनी शक्ति मिलेगी, वह अभूतपूर्व होती है।

मूंग- शाकाहारी लोगों को भिगोकर चना खाने की तो बहुत आदत होती है। अब आप मूंग पर इसका प्रयोग करें। साबूत मूंग भिगो दीजिए। सुबह उसे निकालकर एक कपड़े में लपेट दीजिए। पानी के छींटे मारती रहिए तो बड़ी जल्दी उसमें अंकुर निकल आते हैं। जब भी ये अंकुर आ जाएं इन्हें निकालकर इसे धो लीजिए फिर उसमें इच्छानुसार नमक, काली मिर्च, हरीमिर्च और नीबू डालकर खाइए, खिलाइए! इसमें यदि प्याज के कुछ टुकड़े भी डाल दें तो अधिक फायदेमंद होगा।

वैसे तो अंकुरित मूंग को कच्चा खाना ही बहुत लाभदायक है, लेकिन चाहे तो इसे बहुत हल्की-सी छौंक या बघार देकर भी खा सकते हैं। इसके बाद एक गिलास दूध पीना बहुत लाभदायक माना जाता है।

इस तरह के नाश्ते के निरंतर प्रयोग से हमारे शरीर की तमाम जरूरतें पूरी होती हैं। इस नाश्ते से खनिज तत्व, प्रचुर मात्रा में विटामिन और देह की पूरी आवश्यकता के लिए प्रोटीन प्राप्त होता है।

चने या दालें या किसी भी प्रकार के अनाज के दाने हमारा रोजाना का आहार है, इन अनाज के दानों में प्रोटीन्स, कार्बोहाइड्रेट विटेमिन्स ए और बी पाया जाता है, लेकिन अंकुरित होने के बाद इनकी पोषक वैल्यू कई गुनी बढ़ जाती है। इन दानों में विटामिन सी भी उत्पन्न हो जाता है। विटामिन सी हमारे शरीर की एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। अंकुरित होकर ये दाने फाइबर से भरपूर पाचक और पोषक हो जाते है।

चना-अंकुरित मूंग के साथ यदि आप अंकुरित चने का भी उपयोग करें तो दोनों की मिली-जुली शक्ति से शरीर को काफी ऊर्जा मिलेगी। उसमें आप अक्सर गृहिणियां इस अंकुरित मूंग और चने में कच्ची मूंगफली भी भिगोकर देती हैं। इससे नाश्ते में चिकनाई भी भरपूर मात्रा में मिल जाती है। याद रखिए, इस तरह के प्रयोग कभी एक दिन करने से अपना असर नहीं दिखाते, इनका सेवन निरंतर करते रहे।

कहने का तात्पर्य इतना सा है जो अन्न हम भून कर या अन्य विधियों से संस्कारित कर खाते हैं यदि उसे प्राकृत अवस्था में या थोड़ा अंकुरित करके ग्रहण करें तो शरीर के पोषण के लिये चौगुना फायदेमंद होता है। भुने हुये बीजों को खेत में डाल कर देखिये, ना तो वे उगेंगे और न ही पोधे बनेंगे वरन जमीन में पड़े-पड़े सड़ जायेंगे। लगभग यही स्थिति आग पर पकाये जाने वाले खाद्यान्न की होती है।

आहार वैज्ञानिक मानते हैं कि सूखे अन्नए दलहनों तथा तिलहनों में केवल पृथ्वी तत्व विशेष रूप से पाया जाता है। जब कि अंकुरित हो जाने पर प्रकृति उन पर विशेष कृपा कर जल, वायु तथा सूर्य तत्व का उपहार अतिरिक्त दे देती है। इसके अलावा प्रकृति इनमें प्रोटीन, विटामिन, वसा एवं खनिज लवण जैसे जीवनीय तत्व भी इनमें लबालब भर देती है। अंकुरित अन्न मात्र अनाज नहीं होता अपितु अन्न फल तथा शाक सब्जी तीनों की भूमिका एक साथ निभाता है। आरोग्य के दृष्टि से अंकुरित आहार उत्तम होने के साथ ही समय, मेहनत, ईंधन और धन की बचत भी करता है। जहाँ तक हो सके खाद्यान्नों उनके प्राकृतिक रूप मे ही गृहण करना चाहिये। इसके लिये उन्हें पानी में भिगोने मात्र से ही नरम बना कर काम चल सकता है।

कैसे करें अंकुरित

आहार विशेषज्ञों ने दस व्यक्तियों के लिये संतुलित अंकुरित अन्नों की एक आहार तालिका।

गैहूँ-	200 ग्राम
चना-	100 ग्राम
मूँग-	100 ग्राम
ज्वार या बाजरा-	100 ग्राम

ये सब साफ करके साफपानी में 12 घंटे तक भिगो कर रखने के बाद 12 घंटे तक किसी मोटे कपडे में लपेट कर किसी खिडकी के पास लटका देना चाहिये जहाँ हल्का हल्का सूर्य का प्रकाश और हवा भी मिलती रहे। ये बात हर समय ध्यान रखनी चाहिये कि जिस कपडे में ये अन्न बंधा हो वो सूखने न पाये। इसलिये बाहर से पानी से तर करते रहना चाहिये। ऐसा करने से 36 घंटे मे बढिया अंकुर निकल आते हैं। ऋतु प्रभाव के अनुसार अंकुरण होने में कम या अधिक समय लग सकता है।

सोयाबीन के दाने बहुत समय मे अंकुरित होते हैं इसलिये उन्हे अलग से अंकुरित कराना चाहिये। आमतौर पर इसे मूंगफली के विकल्प के रूप में लिया जाता है।

कैसे खायें-

अंकुरित अन्न यूँ ही खाने से रूखा-रूखा अरुचिकर सा लग सकता है। उन्हे रुचिकर या स्वादिष्ट बनाने के लिये टमाटर, अदरक, खीरा, मूली, गाजर, हरा धनियाँ तथा हरा या सूखा पोदीना बारीक या रुचि के अनुसार काट लें फिर अंकुरित अन्न को प्लेट में डाल कर इनको अच्छी तरह मिला कर ऊपर से काला नमक, भुना जीरा बुरक लें। अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिये ऊपर से नीबू निचोड़ लें फिर खायें। इनमें सोंठ, पिंडखजूर, नारियल, नीबू, अंगूर, इलायची, इत्यादि डालने पर एक पुष्टिकारक व्यंजन तैयार हो जाता है। यह बहुत किफायती है। साधारण रूप से 5 रुपये में एक व्यक्ति का पूरे दिन का आहार जुट जाता है।

पोषणविदों के अनुसार इस तरह के खाद्यान्न मनुष्य के लिये सम्पूर्ण आहार है। इनमें विटामिन सी 10 गुनी, तथा थायमिन राइबोफ्लोबिन और निकोटिनिक एसिड दूनी मात्रा में हो जाती है। अंकुरित दालों मे कुछ हानि करक तत्व स्वतः ही विघटित हो जाते हैं। सेम तथा ब्रूसेल जैसी सब्जियों के अंकुरित दानों में केल्शियम, फास्फोरस आइरन, विटामिन ए प्रचुर मात्रा में मिलने से ये बहुत उपयोगी हो जाते हैं। इन बीजों के अंकुरों में इंसुलिन जैसा रसायन अपनी प्राकृतिक अवस्था में मिलने के कारण मधुमेह के रोगियों के उपचार में बड़ा सहायक सिद्ध हुआ है। इन सबके अतिरिक्त अंकुरित आहार की थोड़ी सी मात्रा से पेट भर जाता है। जिससे बार बार खाने की आदत से बचाव रहता है। इस प्रकार ऐसा आहार स्वास्थ्य और शारीरिक अभिवर्द्धन के साथ साथ शरीर को हल्का, फुर्तीला तथा ओज से परिपूर्ण बनाता है।

अंकुरित चना सलाद

सामग्री-2 कप अंकुरित चना, 2 टमाटर, 1 प्याज, 1 हरी मिर्च, चुटकीभर हींग, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक।

विधि-हींग, नमक और थोड़ा सा पानी डालकर 10 मिनट के लिए चने को पका कर किसी बर्तन में निकालें। बारीक कटे हुए टमाटर, हरी मिर्च व प्याज डालें। अब इसमें चाट मसाला मिलाएं और अच्छे से हिलाकर सर्व करें। चाहें तो ऑरेंज की स्लाइसेज भी सर्व करते समय काम में ले सकते हैं।

अगर लकवा हो जाए तो क्या करें

कई बार क्या होता है की हमारी कोई एक जगह सुन्न हो जाती है, इसे हम हलके में लेते है और बाद में पता चलता है की इसे लकवा मार गया है पहले यह सिर्फ 50 या 60 साल की उमर के बाद होता था लेकिन अब ये आम हो गया है,

लकवा कैसे होता है,

यह अधिक रक्तचाप, खून में थक्के जमने के कारण एनिमोनिया वार्यल बुखार और मोटापे के कारण होता है।

क्या करें

अगर किसी को लकवा हो गया है तो उसे गर्म-गर्म तेल से हलकी हलकी मालिश करे जिस जगह में प्रभाव हुआ है, उसे ठंडा न होने दे। अगर घर में निरोबियन की गोली हो तो उसे एक दम दे दे क्यों की लकवा हमारे मस्तिस्क में खून अवरोध के कारण होत्ता है जिससे मस्तिस्क के किसी भाग में खून नहीं पहुँचता ण् उसके बाद उसे रक्तचाप हल्का करने की गोली दे, अगर मुहँ टेढ़ा हो गया है तो एकदम उसे हाथ से सीधा करने की कोशिश करें या आंख बंद हो गयी हो तो आंख को खोल दें या खोलने की कोशिश करें, अगर जीभ अंदर चली गयी हो तो चिमटे से पकड़कर बाहर खींचे, क्यों की कोई भी शारीर का भाग जिस तरफ होगा वह वैसा ही रहेगा बाद में वह ठीक नहीं होगा।

क्या न करें-

कभी भी ऐसे रोगी को ग्लोकोज की ड्रिप न लगाये न लगाने दे क्यों की आजकल नर्सें सबसे पहले सीधा ड्रिप लगा देती हैं ण् ग्लूकोज से क्या होता है की सारा का सारा जिस्म अंदर से ठंडा हो जाता है। अगर कोई इंजेक्सन हो तो उसे लगाने दें, कभी भी अपने दरवाजे की चिटकनी न लगायें

क्या खाएं-

हल्का खाना ज्यादा से जादा सूप पियें, जूस, हरी सब्जियां, थोड़ा थोड़ा करके खाएं, बना नमक वाली और बिना वसा वाली गर्म चीजे चीजे खाएं।

कैसा हो लकवे के मरीज का कमरा-

जिसमें साफ हवा आती हो, बालों को कंघी कमरे से बाहर करें, रात को सोते समय खिड़की खुली रखें जिससे सांस लेने में कोई दिक्कत न हो।

क्या न खाएं-

फैट वाला खाना एक दम बंद रखें। ज्यादा मांस नहीं खाएं, दूध पीना हो तो तीन बार फैट छान कर पियें।

यह टोटके करके देखें

लकवा ऐसी ही एक बीमारी है जो अचानक ही किसी हंसते-खेलते व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लेती है। मेडिकल साइंस के इस दौर में लकवा का ईलाज भी संभव है। लेकिन शत प्रतिशत रिकवरी नहीं हो पाती और मरीज को काफी दिनों तक ईलाज कराना पड़ता है। यदि ईलाज करवाने के साथ-साथ कुछ टोटके भी करें तो संभव है लकवा से पीड़ित व्यक्ति और भी जल्दी ठीक हो जाए।

ये करें-

- एक काले कपड़े में पीपल की सूखी जड़ को बांधकर लकवा से पीड़ित व्यक्ति के सिर के नीचे रखें तो कुछ ही दिनों में इसका असर दिखने लगेगा।
- प्रत्येक शनिवार के दिन एक नुकीली कील द्वारा लकवा पीड़ित अंग को आठ बार उसारकर शनिदेव का स्मरण करते हुए पीपल के वृक्ष की मिट्टी में गाड़ दें। साथ ही यह प्रार्थना करें कि जिस दिन अमुक रोग दूर हो जाएगा, उस दिन कील निकाल लेंगे। जब लकवा ठीक हो जाए तब शनिदेव व पीपल को धन्यवाद देते हुए वह कील निकालकर नदी में प्रवाहित कर दें।
- लकवे से पीड़ित व्यक्ति को लोहे की अंगूठी में नीलम एवं तांबे की अंगूठी में लहसुनिया जड़वाकर क्रमश मध्यमा और कनिष्ठा अंगुली में पहना दें। इससे भी लकवा रोगी को काफी राहत मिलसकती है।

तो कभी नहीं होगी गैस और एसीडिटी

समय-बेसमय भोजन करना, नींद पूरी न होना, अपच, ज्यादा तेल-मसाले का भोजन, जरूरत से ज्यादा भोजन आदि के कारण कब्ज और एसिडीटी की समस्या अब आम हो गई है। कब्ज और एसिडीटी के अलावा वायु विकार, मुंह में छाले, मुंहासे आदि भी कहीं न कहीं पेट से ही जुड़े हुए हैं। लंबे समय तक कब्ज, एसिडीटी आदि की समस्या कई बार घातक हो जाती है। यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो पेट संबंधी समस्याओं को काफी हद तक दूर रखा जा सकता है।

- भोजन जब करें जब जमकर भूख लगी हो।
- कांसे की थाली में भोजन करें।
- खाने के तुरंत बाद कभी भी चाय-काफी आदि न पिएं।
- पके हुए बेल फल का शरबत पिएं लेकिन संतुलित मात्रा में।
- भोजन के बाद हिंगास्टक चूर्ण का संतुलित मात्रा में सेवन करें।
- भोजन में हरी सब्जियों और सलाद का सेवन अवश्य करें।
- भोजन में ज्यादा तेल-मसालों के उपयोग से बचें।
- भोजन करने के बाद वज्रासन में बैठें। रात्रि में बाईं करवट से ही सोएं।
- प्रतिदिन सुबह मार्निंग वॉक करें।
- सुबह उठकर 1-2 गिलास पानी पिएं, तांबे के लोटे में पानी भरकर उसे रात भर रखे और सुबह उसे पिएं ये बहुत फायदेमंद होता है।

'आंसू' अच्छे भी होते हैं

कुछ लोग इतने संवेदनशील होते हैं कि बात-बात पर उन्हें रोना आ जाता है। आंसू तब निकलते हैं जब गम होता है और तब भी ज्यादा खुशी होती है। लेकिन यदि आपको बात बात पर रोना आता है तो सावधान हो जाइए क्योंकि हाल में शोधकर्ताओं ने पाया है कि रोने से उम्र में भी इजाफा होता है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि पुरुषों के मुकाबले स्त्रियां अपनी उम्र को बढा लेती हैं। पुरुष अपने गम या दर्द को छुपा लेते हैं और उनके आंसू भी बहुत कम आते हैं, जिसके कारण उनको हृदय संबंधी बीमारियां हो जाती हैं। वहीं महिलाएं दुख हो या खुशी रोकर अपने मन को हल्का कर लेती हैं। इससे

स्वमूत्र : डेंड्रफ और मुहांसे दोनों से छुटकारा

बढ़ते प्रदूषण या खाने-पीने की अनियमितता के कारण मुहांसे व डेंड्रफ से होने वाली परेशानी आजकल युवाओं में एक आम समस्या है। मुंहासों के कारण चेहरे पर दाग धब्बे हो जाते हैं वहीं डेंड्रफ के कारण बाल बहुत अधिक झडने लगते हैं।साथ ही रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। दोनों ही समस्याओं से छुटकारे के लोग तरह-तरह के शैम्पू लगाते हैं, तेल लगाते हैं और फिर भी ये समस्या बनी रहती है। हम जो आपको नुस्खा बता रहे हैं उसमें आपको पैसे खर्च करने की जरूरत ही नहीं है। मुफ्त में आप डेंड्रफ और मुंहासों का ईलाज कर सकते हैं। त्र+षि-मुनियों ने स्वमूत्र से उपचार की कई विधियां बताई हैं। आयुर्वेद की कई किताबों में स्वमूत्र के नुस्खे हैं जिसे अपनाकर पेट, केश, त्वचा सहित अन्य कई बीमारियों का ईलाज किया जा सकता है।

- स्वमूत्र को सिर के बालों की जड़ों में लगाकर पांच मिनट तक मालिश करके स्नान करें रूसी समाप्त हो जाएगी।
- स्वमूत्र के प्रयोग से मुंहासे भी ठीक हो जाते हैं। चेहरे पर स्वमूत्र लगाकर पांच-दस मिनट तक मसलें। आधे घंटे बाद धो लें।
- शेव करने के बाद स्वमूत्र लगाकर 15-20 मिनट मसाज करें। फिर आधे घंटे बाद धो लें। इससे चेहरे का रंग साफ होता है त्वचा चमकदार होती है।
- स्वमूत्र का प्रयोग करते समय साबुन का प्रयोग न करें।

कमर दर्द से पाइए मुक्ति

आजकल प्रायः यह देखने में आ रहा है कि 30 से 35 वर्ष की उम्र में आते ही लोग कमर दर्द की शिकायत करने लगते हैं। हमारे शरीर में कमर का ढांचा कुछ अलग है। कमर में 24 हड्डियां हैं जो एक–दूसरे के ऊपर दीवार बनाते समय रखी गई ईंटों के समान ही हैं। इन हड्डियों के बीच में कार्टिलेज व इलास्टिक तंतू की डिस्क रहती है जो कि हमें झटके के समय चोट से बचाती है। डिस्क हड्डियों के बीच में नहीं रहती है या घिस जाती है तो कमर का लचीलापन समाप्त हो जाता है और दर्द शुरू हो जाता है। इसका समय पर डॉक्टर और योग विशेषज्ञ की सलाह से इलाज शुरू कर लेना चाहिए।

कमर में दर्द होने का कारण

- कमर दर्द का मुख्य कारण मांसपेशियों पर अत्यधिक तनाव होता है।
- जोड़ों में खिंचाव से भी यह होता है।
- कैल्शियम की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।
- अधिक वजन होने से भी कमर दर्द होता है। प्रसव के बाद स्त्रियों को योगाभ्यास शुरू कर देना चाहिए।
- गलत तरीके से बैठने से कमर दर्द होता है। हमें सीधा बैठना व सीधा चलना चाहिए।
- लेटकर टी.वी. देखना, लेटकर पढ़ना भी दर्द का मुख्य कारण है।
- ऊंची हील के जूते पहनने से कमर दर्द हो सकता है।
- तनाव के कारण भी दर्द होता है।
- व्यायाम या योगाभ्यास नहीं करने वालों को भी कमर दर्द होता है।
- रसोईघर का प्लेटफार्म उपयुक्त ऊंचाई पर होना चाहिए अन्यथा दर्द हो सकता है।
- गलत तरीके से खड़ा रहना, कार चलाना, काम करना, व्यायाम करना, योगाभ्यास करना, सोना, भारी सामान उठाना आदि भी दर्द का कारण हो सकता है।
- कमर दर्द को रोकने के लिए निम्नलिखित क्रियाएं लाभदायक हैं।
- सीधा चलना, सीधा बैठना, लेटकर नहीं पढ़ना, टी.वी. आदि लेट कर नहीं देखना।
- भारी चीजों को या किसी सामान को नीचे से उठाते समय अपनी उम्र के अनुसार पहले घुटने को झुकाकर फिर उठाना चाहिए।
- कार चलाते वक्त सीट सख्त होना चाहिए व स्टेयरिंग के पास बैठना चाहिए।
- खड़े रहते समय पैरों के आगे के भाग पर वजन रखकर खड़े होना चाहिए।
- पेट के बल नहीं सोना चाहिए। करवट से सोते वक्त घुटने को थोड़ा मोड़कर सोना चाहिए।
- अधिक काम करने के बाद थोड़ा आराम करना चाहिए।

पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए यह व्यायाम रोज करें

पहले इस शख्स से जुड़ा था

तेजस्वी प्रकाश

का नाम, अब 10 साल बड़े करण कुंद्रा को कर रहीं डेट

10 जून 1993 को सउदी अरब के जेद्दा में एक ऐसी एक्ट्रेस का जन्म हुआ था, जिन्होंने भारतीय टीवी इंडस्ट्री में बड़ी पहचान बनाई. वहीं बिग बॉस जैसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो को जीतकर वो हर किसी की जुबां पर आ गईं थीं. यहां बात हो रही तेजस्वी प्रकाश की. तेजस्वी प्रकाश आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने कम उम्र में ही काफी नाम कमा लिया है और उनके पास आज सुख सुविधा की हर एक चीज मौजूद है.तेजस्वी प्रकाश अपनी पर्सनल लाइफ से भी अक्सर ही सुर्खियों का हिस्सा बन जाती हैं. ये तो हर कोई जानता है कि तेजस्वी लंबे समय से मशहूर एक्टर करण कुंद्रा को डेट कर रही हैं,

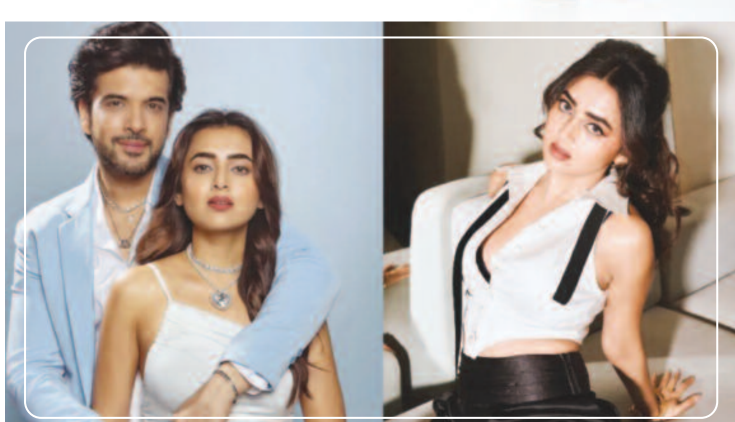

लेकिन करण से पहले भी उनका नाम एक शख्स से जुड़ चुका है. आइए आपको बताते हैं कि आखिर पहले तेजस्वी के अफेयर की अफवाहें किसके साथ उड़ी थीं ?

तेजस्वी प्रकाश जब रोहित शेट्टी के मशहूर स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 10वें सीजन में काम कर रही थीं, तब उनका नाम टीवी अभिनेता शिविन नारंग से जुड़ा था. तब फैंस ने दोनों को ट्विन नाम से भी बुलाना शुरू कर दिया था. आखिरकार तेजस्वी को इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी और उन्होंने शिविन को अपना अच्छा दोस्त बताया था.

2012 में किया था टीवी डेब्यू, बिग बॉस भी जीता

तेजस्वी ने साल 2021 में शो '2612' से अपने टीवी करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वो 'स्वरागिनी' से पहचान बनाने में कामयाब हुईं. वहीं फिर उन्हें 'पहरेदार पिया की', 'सिलसिला बदलते रिश्तों का' और 'नागिन 6' जैसे सीरियल्स में भी देखा गया. वहीं 'फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी', 'किचन चैंपियन 5' और 'कॉमेडी नाइट्स लाइव', जैसे रियलिटी शोज का भी तेजस्वी हिस्सा रहीं. एक्ट्रेस ने बिग बॉस 15 का खिताब भी अपने नाम किया था.

10 साल बड़े करण कुंद्रा को कर रहीं डेट

बिग बॉस 15 में तेजस्वी के साथ करण कुंद्रा भी थे. बताया जाता है कि बिग बॉस के घर में ही दोनों का इश्क परवान चढ़ा था. दोनों की जोड़ी अब टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों के बीच उम्र में दस साल का फासला है.

पत्नी की इस आदत से परेशान हैं अजय देवगन, ये करने में तीन घंटे बर्बाद कर देती हैं काजोल

अजय देवगन और काजोल की गिनती बॉलीवुड के पॉवर कपल में होती है. दोनों की पर्सनालिटी बिल्कुल एक-दूसरे से अलग है. हालांकि फिर भी ये कपल शादी के 26 साल बाद भी साथ हैं. जैसे हर पति-पत्नी के बीच प्यार के साथ ही कुछ शिकायतें भी रहती हैं, वैसा ही मामला अजय देवगन और काजोल के बीच भी है. अजय को भी अपनी पत्नी से एक शिकायत है. दिग्गज एक्टर काजोल की एक आदत से परेशान रहते हैं.एक बार अजय देवगन और काजोल मशहूर डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर पहुंचे थे, तब दोनों स्टार्स के बीच मस्ती भरी नोक झोंक भी हुई थी. इस दौरान दोनों ने एक दूसरे की मजाक में टांग खिंचाई भी की थी. तब अजय ने बताया था कि काजोल अपनी फोटोज को एडिट करने में दो से तीन घंटे तक खर्च कर देती हैं.

काजोल की किस आदत से परेशान हैं अजय ?

यूं तो अजय देवगन कम बात करना पसंद करते हैं, लेकिन वो जब करण जौहर के शो पर पहुंचे थे तो पत्नी की टांग खिंचाई करने से बाज नहीं आते थे. करण जौहर ने उनसे एक सवाल किया था. तब अजय ने जवाब देते हुए कहा था, मुझे काजोल की फोटोज क्लिक कराने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन प्रॉब्लम इससे है कि फोटोज क्लिक होने के बाद वो तीन घंटे तक उसे एडिट करती हैं ताकि सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सकें. बुढ़ापे में ऐसा कौन करता है.

1999 में की थी शादी

अजय देवगन और काजोल ने चार से पांच साल की डेटिंग के बाद साल 1999 में शादी की थी. इसके बाद कपल ने दो बच्चों बेटी न्यासा और बेटे युग देवगन का वेलकम किया था. न्यासा का जन्म 20 अप्रैल 2003 को हुआ था. वहीं युग का जन्म सितंबर 2010 में हुआ था.

इन फिल्मों में साथ नजर आ चुका है कपल

काजोल और अजय कई फिल्मों में स्क्रीन भी शेयर कर चुके हैं. दोनों को पहली बार साल 1995 की फिल्म 'हलचल' में देखा गया था. बताया जाता है कि इसके सेट पर ही दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया था. वहीं समय के साथ दोनों का रिश्ता मजबूत होते गया. दोनों ने फिर 'इश्क', 'तान्हाजी', 'गुंडाराज', 'दिल क्या करे', 'प्यार तो होना ही था', 'राजू चाचा', 'यू मी और हम' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

'तू कौन सा तानसेन की औलाद हैं...' प्रियंका के आगे रो पड़े थे मीका सिंह... आवाज का उड़ता था मजाक

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर मीका सिंह के लिए 10 जून का दिन बेहद खास होता है. उनका जन्म 10 जून 1977 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में हुआ था. आज अपना 48वां जन्मदिन मना रहे मीका ने बॉलीवुड गानों के साथ ही पंजाबी सॉन्ग से भी फैंस के बीच अच्छी खासी पहचान बनाई है. संगीत की दुनिया में सालों से राज कर रहे मीका के बर्थडे के मौके पर आज हम आपको उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं. मीका आज म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं, लेकिन कभी लोग उनकी आवाज का मजाक उड़ाया करते थे.

आवाज का मजाक उड़ाते थे लोग

अन्य कलाकारों की तरह ही मीका सिंह को भी अपनी लाइफ में कड़े स्ट्रगल से गुजरना पड़ा है. आज उनकी आवाज के लाखों चाहने वाले हैं. जबकि कभी लोग उनकी आवाज को पसंद नहीं करते थे और उनका मजाक उड़ाते थे. मीका ने यूट्यूबर शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि लोग उन्हें ट्रोल करते हुए कहते थे कि, तू कौन सा तानसेन की औलाद हैं ?

प्रियंका चोपड़ा के सामने रोने लगे थे मीका

मीका ने इसी इंटरव्यू में ये खुलासा भी किया था कि एक बार वो प्रियंका चोपड़ा जैसी मशहूर एक्ट्रेस के सामने रो पड़े थे. मीका के मुताबिक वो एक शो कर रहे थे और उन्होंने 'बड़े अच्छे लगते हैं' गाना गाया था. तब सिंगर को अपने पुराने दिन याद आ गए थे जब उन्हें लोग ट्रोल करते थे. ऐसे में उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े थे. तब प्रियंका, मीका के पास ही बैठीं हुईं थीं. मीका ने ये भी बताया था कि कभी-कभी वो अपने गाने सुनकर भी रोने लगते हैं.

एक स्टेज शो के लेते हैं 50 लाख

दिग्गज गायक दलेर मेहंदी के छोटे भाई मीका कभी जागरण और कीर्तन में गाया करते थे. बाद में वो फिल्मी दुनिया में आए. 'सावन में लग गई आग', 'आज की पार्टी', 'मौजा ही मौजा', 'ढिंक चिका', सुबह होने ना दे', और 'आपका क्या होगा' जैसे मशहूर गानों को आवाज दे चुके मीका एक गाने के लिए 10 से 13 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं. वहीं वो एक स्टेज शो के लिए 50 लाख रुपये तक वसूलते हैं.

इस एक शौक की वजह से जीरो होने वाला था

नोरा फतेही

का बैंक अकाउंट, मैनेजर की चेतावनी से बचीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का नाम दुनियाभर में है और भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना भाग्य आजमाने के लिए आते हैं. इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष भी करना पड़ता है. इन्हीं एक्ट्रेस में से एक हैं नोरा फतेही. नोरा फतेही बारबेरियन मूल की कनडियन एक्ट्रेस हैं. उन्होंने भारत आकर बॉलीवुड में अपना भाग्य आजमाया और इसमें वे सफल भी हुईं. आज वे पूरे भारत में एक सफल डांसर के तौर पर मशहूर हैं. एक्ट्रेस ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि जब वे इंडस्ट्री में नई-नई आई थीं उस दौरान उन्होंने कुछ शौक पाल लिए थे. इसकी वजह से उन्हें पैसों का काफी नुकसान भी झेलना पड़ा था. नौबत तो ऐसी आ गई थी कि एक्ट्रेस का अकाउंट लगभग जीरो होने वाला था.

जब नोरा फतेही को लगा महंगे हैंडबैग्स का शौक

हालिया इंटरव्यू में नोरा फतेही ने अपने खर्चीले स्वभाव के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने सबसे पहले जो कीमती सामना खरीदा था वो एक हैंडबैग था. और यहीं से मेरे कभी ना थमने वाले फैशन के उस शौक की शुरुआत भी हो गई थी. नोरा फतेही ने कहा कि इसके बाद उन्हें एक दिन इस बात का एहसास दिलाया गया कि उनका ये शौक उन्हें महंगा पड़ने वाला है. उनके मैनेजर ने उन्हें गाइड किया. उनके मैनेजर ने कहा कि नोरा को बहुत गंभीरता से अपने स्पेंडिंग पैटर्न के बारे में सोचना चाहिए. उन्हें अपनी फाइनेंसियल फ्यूचर प्लानिंग के बारे में सोचना चाहिए.

कितनी है नोरा फतेही की नेटवर्थ ?

नोरा फतेही की बात करें तो एक्ट्रेस आज बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. वे मंडगांव एक्सप्रेस और बी हैपी जैसी फिल्मों में नजर आई हैं.

मौजूदा समय में भी उनके पास फिलहाल कंचना 4 और केडी द डेविल जैसी फिल्में हैं. एक्ट्रेस की नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कुल सम्पत्ति 40 करोड़ रुपए के करीब है. अगर बात करें एक शो की तो आज की डेट में वे एक कॉन्सर्ट या इवेंट में परफॉर्म करने के लिए 50 लाख से 3 करोड़ रुपए तक चार्ज करती हैं.